रांची से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

अलग पहचान

सत्य की उड़ान

बुधवार
10 जून-2026
वर्ष 10, अंक 276
पेज 8, मूल्य 2 रुपए
रांची

पेज-8

संक्षिप्त समाचार

बागी टीएमसी सांसदों की रहनुमा बनीं शताब्दी रॉय

● अपने घर में की मीटिंग, अब कोलकाता से उलटफेर करेंगी

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में टीएमसी विधायकों के बागी गुट बनाने के बाद अब लोकसभा सदस्यों की बगावत पर दिल्ली में राजनीतिक घमसान जारी है। सोमवार को बड़ी सियासी हलचल के बीच काफी टीएमसी सांसद पूर्व अभिनेत्री और टीएमसी नेता शताब्दी रॉय के घर भी पहुंचे।

टीएमसी ने नहीं बनाया, मैं खुद स्टार थीं

शताब्दी रॉय ने कहा था कि मैं खुद एक स्टार थी। मुझे टीएमसी ने नहीं बनाया है। शताब्दी रॉय बंगाली सिनेमा की प्रसिद्ध अभिनेत्री रह चुकी हैं। वह अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस की सदस्य हैं। वर्तमान में पश्चिम बंगाल की बीरभूम लोकसभा सीट से सांसद हैं। वह पहली बार 2009 में बीरभूम से सांसद चुनी गईं। इसके बाद वह 2014, 2019 और 2024 में लगातार इसी सीट से लोकसभा चुनाव जीतती आ रही हैं।

बाद में मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी भी शब्तादी रॉय के घर गए। देर रात टीएमसी सांसद शताब्दी रॉय के घर से निकले। मंगलवार सुबह शताब्दी रॉय दिल्ली से कोलकाता के लिए रवाना हुईं। टीएमसी की सांसदों की बगावत में शताब्दी रॉय की अहम भूमिका मानी जा रही है। टीएमसी की बागी नेता काकोली घोष दस्तीदार का दावा है कि 13 नहीं बल्कि 20 सांसदों ने पत्र पर दस्तखत किए हैं। उनका कहना है कि यही पत्र लोकसभा के स्पीकर को दिया गया है।

बांग्लादेशी घुसपैठियों को 'भगाने' पर बढ़ा तनाव

● बीजीबी ने भारतीय सीमा पर तैनात किए ड्रोन, एक्सपर्ट ने दी धमकी

ढाका (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में कथित अवैध बांग्लादेशी नागरिकों को भगाने की घटनाओं के बीच बांग्लादेश की सेना ने सीमा की सुरक्षा काफी कड़ी कर दी है। बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश की 55वीं बटालियन ने हबीगंज सीमा पर सुरक्षा अभियान तेज कर दिए हैं। इसके तहत थर्मल ड्रोन तैनात किए गए हैं और चौबीसों घंटे गश्त बढ़ा दी गई है। इसमें स्थानीय लोगों को शामिल करते हुए जागरुकता अभियान भी शुरू किया गया है। सीमा पर ये डेवलपमेंट्स उस वक्त हो रहे हैं जब सोमवार को बॉर्डर गार्ड्स बांग्लादेश का एक प्रतिनिधिमंडल दिल्ली पहुंचा है। ये बातचीत दोनों देशों की सीमा को लेकर है।

बांग्लादेश ने भारत से लगती सीमा पर तैनात किए ड्रोन

द डेली स्टार के मुताबिक बीजीबी-55 के कमांडिंग ऑफीसर लेफ्टिनेंट कर्नल मोहम्मद तंजीलुर रहमान ने कहा है कि सीमावर्ती इलाकों में हाईएस्ट लेवल का अलर्ट जारी किया गया है। इसके अलावा सीमा के हर हिस्से की सुरक्षा के लिए स्थानीय निवासी, ग्राम पुलिस और अंसार के सदस्यों को भी इसमें शामिल किया गया है। बीजीबी अधिकारी ने बताया कि रात में निगरानी के लिए थर्मल और इन्फ्रारेड ड्रोन का इस्तेमाल किया जा रहा है।

मणिपुर के गांवों में सुरक्षा बलों की एंट्री पर नई शर्त

● विलेज अथॉरिटी को पहले खबर देनी होगी, नगा गांव में हमले के बाद बढ़ा तनाव

इम्फाल (एजेंसी)। मणिपुर में 3 साल से जातीय हिंसा चल रही है। राज्य में पूरी तरह शांति नहीं है। सोमवार को कांगपोकपी जिले के पोंग्रिंगलॉन्ग रोंग्मेई नगा गांव में कुकी उग्रवादी संगठन ने गोलीबारी की। इस घटना के बाद लापता चुन्जांग्लुंग पान्मेई नाम के नगा विलेज गार्ड का शव जंगलों से मिला है। उसके सिर पर गोली मारी गई थी। नगा समूहों का आरोप है कि केंद्र कुकी समूहों का इस्तेमाल शैडो वॉर (छाया युद्ध) के तौर पर कर रहा है।

इसके अलावा चिंग मामांग गांव में अज्ञात हथियारबंद लोगों ने गोलीबारी की, जिसमें एक घायल हुआ है। नगा संगठनों ने सुरक्षा बलों पर पक्षपात का आरोप लगाया है। साथ ही निष्पक्ष जांच की मांग की है। इस बीच, नोने जिले के लोंगजांग/ठंगाल गांव की विलेज अथॉरिटी ने राज्य पुलिस, असम राइफल्स, सीआरपीएफ को नोटिस दिया है। इसमें कहा है कि सूचना दिए बिना वे गांवों में नहीं आएं। ड्रोन भी न उड़ाएं। मणिपुर हिल एरियाज विलेज अथॉरिटी एक्ट, 1956 के तहत गांवों की सुरक्षा और कानून-

व्यवस्था की जिम्मेदारी विलेज अथॉरिटी के पास है। तलाशी, गश्ती, छापेमारी, गिरफ्तारी से पहले विलेज अथॉरिटी को बताना जरूरी है।

एनआरसी कराने की मांग को लेकर महिला महारैली

इम्फाल में सोमवार को 14 नागरिक संगठनों की महिलाओं ने 5 किमी तक महारैली निकाली। एनआरसी कराने और घुसपैठियों की पहचान कर बाहर करने की मांग को लेकर हजारों महिलाएं सड़कों पर उमड़ीं। मणिपुर में जारी हिंसा-तनाव की वजह से बड़ी संख्या में लोग राहत शिविरों में रह रहे हैं। आरटीआई से मांगी गई जानकारी में सामने आया है कि तीन साल में 731 विस्थापित अपनी जान गंवा चुके हैं। चूराचांदपुर में सबसे ज्यादा 248, बिष्णुपुर में 151 और कंग्पोक्पी में 128 मौतें दर्ज हुईं हैं। जबकि राज्य के 9 जिलों में अभी भी 43,676 लोग विस्थापित हैं।

शुद्ध पेयजल पर मुख्यमंत्री सख्त, बोले- हर घर तक पानी पहुंचे, लापरवाही बर्दाश्त नहीं

साजिद, राज्य ब्यूरो चीफ, झारखंड प्रदेश/

झारखंड राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मंगलवार को झारखंड मंत्रालय में पेयजल एवं स्वच्छता विभाग की समीक्षा बैठक में कहा कि राज्य के प्रत्येक घर तक शुद्ध पेयजल पहुंचाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि जल जीवन मिशन के तहत चल रही सभी योजनाओं को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि पेयजल जैसी मूलभूत सुविधा से जुड़ी योजनाओं में किसी भी प्रकार की शिथिलता सहन नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि केवल नई योजनाएं शुरू करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि पहले से संचालित योजनाओं का उचित रखरखाव भी आवश्यक है। जहाँ भी जलापूर्ति योजनाओं में खराबी या बाधा की शिकायत मिले, वहाँ तत्काल कार्रवाई की जाए। उन्होंने संभावित जल संकट वाले क्षेत्रों की सतत निगरानी करने और सभी संबंधित एजेंसियों को समन्वय से कार्य करने का निर्देश दिया, ताकि लोगों को पेयजल उपलब्ध कराने में कोई कठिनाई न हो। बैठक में मुख्यमंत्री ने जल सहियाओं की भूमिका को स ाक्त बनाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि जल सहियाओं को समूहवार आईटीआई में प्लंबर का प्रशिक्षण दिया जाए, जिससे वे अपने क्षेत्रों में छोटी तकनीकी समस्याओं का समाधान स्वयं कर सकें। खराब पड़े चापाकलों की मरम्मत, सौर ऊर्जा आधारित जलापूर्ति योजनाओं की देखरख और रखरखाव का दायित्व भी जल सहियाओं को दिया जा सकता है। उन्होंने उत्कृष्ट कार्य करने वाली जल सहियाओं को सम्मानित और पुरस्कृत करने की बात भी कही।

निर्माणाधीन वृहद जलापूर्ति परियोजनाओं की निगरानी के लिए मुख्यमंत्री ने नई व्यवस्था का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि प्रमुख परियोजनाओं से जुड़े ठेकेदारों का व्हाट्सएप समूह बनाया जाए, जिसमें प्रतिदिन कार्य की प्रगति साझा की जाए। इससे निगरानी आसान होगी और कार्यों में आने वाली बाधाओं को समय रहते दूर किया जा सकेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के प्रत्येक आंगनबाड़ी केंद्र तक शुद्ध पेयजल की सुविधा पहुंचाई जानी चाहिए। बच्चों और महिलाओं से जुड़े संस्थानों में

पेयजल की उपलब्धता को प्राथमिकता दी जाए। ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को भी वही सुविधाएं मिलनी चाहिए जो नगरों में उपलब्ध हैं। जल संरक्षण और भू-जल स्तर को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भविष्य में जल संकट से बचने के लिए अभी से ठोस कदम उठाने होंगे। उन्होंने वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देने, जल स्रोतों के संरक्षण और भू-जल स्तर बनाए रखने के लिए दीर्घकालिक योजना तैयार करने का निर्देश दिया। साथ ही लोगों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक करने के लिए व्यापक अभियान चलाने पर बल दिया। मुख्यमंत्री ने सुझाव दिया कि भू-जल स्तर गिरने के कारण बंद हो चुके चापाकलों के बोरिंग का उपयोग रिचार्ज पिट के रूप में किया जाए, जिससे वर्षा का जल भूमि के भीतर जाए और भू-जल स्तर बढ़े। लोगों को सोक पिट बनाने के लिए भी जागरूक किया जाए। जल गुणवत्ता के मुद्दे पर मुख्यमंत्री ने कहा कि केवल घरों तक जल पहुंचाना पर्याप्त नहीं है, यह सुनिश्चित करना भी आवश्यक है कि लोगों को स्वच्छ और सुरक्षित जल मिले। उन्होंने अधिकारियों को जल गुणवत्ता की नियमित जांच करने और जहाँ भी समस्या हो, वहाँ तुरंत सुधारात्मक कदम उठाने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने जल जीवन मिशन के बेहतर संचालन के लिए सुदृढ़ कार्य ढांचा और वित्तीय संतुलन बनाए रखने पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि योजनाएं पूर्ण होने के पश्चात उपयोगिता प्रमाणपत्र शीघ्र प्राप्त किया जाए और कार्यों में पारदर्शिता तथा समयबद्धता सुनिश्चित की जाए। बैठक में जल जीवन मिशन, हर घर जल योजना, जल गुणवत्ता निगरानी, बहु-ग्रामीण और

बिहार में 30 दिन में मिलेगी उद्योग लगाने की मंजूरी

पटना (एजेंसी)। बिहार में उद्योग की स्थापना के लिए सभी प्रकार की स्वीकृति अब माह भीतर मिल जाएगी। इसके लिए राज्य निवेश प्रोत्साहन पर्षद (एसआइपीबी) सचिवालय को एकल नोडल एजेंसी के रूप में प्राधिकृत किया गया है। किसी कारण से अगर निर्धारित समय में स्वीकृति नहीं मिली, तो एसआईपीबी को डीम्ड क्लीयरेंस जारी करने का अधिकार होगा। बिहार औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन

अधिनियम-2016 के अंतर्गत अब एसआईपीबी को व्यापक प्रशासनिक एवं विधिक शक्तियां मिल गई हैं। अब एसआईपीबी सचिवालय द्वारा उद्योग की स्थापना से संबंधित किसी आवेदन की तकनीकी जांच एवं अनुशंसा किए जाने के बाद संबंधित सक्षम प्राधिकार को 30 दिनों के भीतर अथवा निर्धारित समय-सीमा के अंदर स्वीकृति प्रदान करना अनिवार्य होगा। यह व्यवस्था केवल प्रशासनिक निर्देश नहीं, बल्कि विधिक रूप से बाध्यकारी होगी।

मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों द्वारा बीएलए -2 की नियुक्ति सराहनीय

● मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों द्वारा वर्तमान में विभिन्न मतदान केंद्रो के लिए कुल 59,340 बीएलए -2 नियुक्त किए गए हैं

दैनिक अलग पहचान, डेस्क संवाददाता, रांची /

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, के. रवि कुमार ने राज्य के सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को पत्र के माध्यम से विधानसभावार प्राप्त बीएलए-2 की संख्या से अवगत कराया। मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों द्वारा विभिन्न मतदान केंद्रों हेतु अपने-अपने बीएलए - 2, नियुक्त कर इसकी विवरणी ईआरओ को उपलब्ध कराई गई थी। वर्तमान में प्राप्त सूची के अनुसार भारतीय जनता पार्टी द्वारा 21,645 बीएलए, इंडियन नेशनल कांग्रेस द्वारा 17,479 बीएलए, झारखंड मुक्ति मोर्चा द्वारा 14,482 बीएलए, आजसू पार्टी द्वारा 2,967 बीएलए, राष्ट्रीय जनता दल द्वारा 2,765 बीएलए एवं बहुजन समाजवादी पार्टी द्वारा 2 बीएलए नियुक्त किए गए है।

पदाधिकारी के. रवि कुमार ने कहा कि सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों से अपेक्षा है कि प्रत्येक मतदान केंद्र हेतु वे अपने अपने बीएलए 2 अवश्य नियुक्त कर लें जिससे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के क्रम में उनके द्वारा महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन हो सके। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची के प्रारूप प्रकाशन के क्रम में सभी बीएलओ द्वारा अपने मतदान केंद्र के बीएलए-2 से एब्सेंट, शिफ्टेड, डेथ एवं डुप्लिकेट की सूची को सत्यापित किया जाना है। मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के क्रम में बीएलओ के सहयोग हेतु सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के बीएलए 2 का सहयोग अपेक्षित है। उन्होंने कहा कि मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों द्वारा बीएलए -2 की नियुक्ति में तेजी आई जो सराहनीय है। इसके साथ ही उन्होंने सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों से आग्रह किया कि बचे हुए सभी मतदान केंद्रों पर भी अपने बीएलए - 2 अवश्य नियुक्त करना सुनिश्चित करें।

यौन हिंसा मामलों में हाई कोर्ट के 19 सख्त निर्देश, लापरवाही पर होगी कार्रवाई

साजिद, राज्य ब्यूरो चीफ, झारखंड प्रदेश/

रांची। झारखंड उच्च न्यायालय ने यौन हिंसा और पॉक्सो मामलों में पीड़िताओं को त्वरित न्याय, सुरक्षा और सम्मानजनक पुनर्वास देने के लिए राज्य सरकार, पुलिस एवं संबंधित विभागों को 19 महत्वपूर्ण निर्देश तत्काल लागू करने का आदेश दिया है। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि ऐसे मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या विलंब स्वीकार्य नहीं होगा।

मुख्य न्यायाधीश एमएस सोनक और न्यायमूर्ति राजेश शंकर की खंडपीठ ने कहा कि निर्देशों का तत्काल अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। दायित्वों का पालन न करने वाले अधिकारियों के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई के साथ प्राथमिकी भी दर्ज की जा सकती है।

जीरो एफआईआर अनिवार्य -उच्च न्यायालय ने पुलिस को निर्देश दिया कि यौन हिंसा की शिकायत मिलने पर बिना विलंब जीरो एफआईआर दर्ज की जाए। इनकार या जानबूझकर देरी करने वाले पुलिसकर्मियों पर कठोर कार्रवाई होगी। न्यायालय के अनुसार शुरुआती समय अत्यंत महत्वपूर्ण है और देरी से न्याय मिलने में बाधा आती है।

तत्काल उपचार और समयबद्ध फॉरेंसिक जांच -घटना के बाद पीड़िता को तत्काल चिकित्सा सहायता दी जाए। मेडिकल और फॉरेंसिक जांच निर्धारित समय में पूरी हो ताकि साक्ष्य सुरक्षित रहें। जांच व इलाज के दौरान पीड़िता की गोपनीयता, गरिमा और सम्मान का पूरा ध्यान रखा जाए।

वरिष्ठ अधिकारी करेंगे जांच की निगरानी -यौन अपराधों की जांच के लिए समर्पित जांच अधिकारी नियुक्त होंगे। इनकी निगरानी पुलिस अधीक्षक या अपर पुलिस अधीक्षक स्तर के अधिकारी करेंगे। अनावश्यक देरी से साक्ष्य नष्ट हो सकते हैं, इसलिए हर स्तर पर जवाबदेही तय होगी।

दुष्कर्म व पॉक्सो मामलों की समय-सीमा -दुष्कर्म मामलों की प्रारंभिक जांच 15 दिन में पूरी करनी होगी। पॉक्सो मामलों में पीड़ित बच्चे को 24 घंटे के भीतर आश्रय, सुरक्षा और चिकित्सा सुविधा देना अनिवार्य है।

बयान केवल महिला अधिकारी लेंगी -यौन अपराध की शिकार महिलाओं और बच्चों का बयान केवल महिला पुलिस अधिकारी दर्ज करेंगी, जिससे पीड़िताएं सहजता से अपनी बात रख सकें।

निःशुल्क विधिक सहायता और पुनर्वास - राज्य सरकार पीड़िताओं को निःशुल्क विधिक सहायता देगी। आवश्यकता पर अस्थायी आश्रय, पुलिस सुरक्षा और साक्षी संरक्षण भी मिलेगा। तत्काल आर्थिक सहायता, मनोवैज्ञानिक परामर्श, रोजगार सहायता और दीर्घकालिक सामाजिक-आर्थिक पुनर्वास की स्पष्ट नीति लागू करनी होगी। अंतिम फैसला चाहे जो हो, पीड़िता के लिए अंतिम मुआवजा तय करना अनिवार्य है।

पहचान उजागर करने पर कार्रवाई - मीडिया, पुलिस और न्यायिक प्रक्रिया से जुड़े सभी लोगों को पीड़िता की पहचान पूर्णतः गोपनीय रखनी होगी।

पुण्यतिथि पर याद किए गए धरती आबा, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन बोले- सवा सौ साल बाद भी...

अन्नपूर्णा गुप्ता, मुख्य संपादक, नई दिल्ली/

रांची। धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि सवा सौ वर्ष से अधिक समय बीत जाने के बाद भी बिरसा मुंडा आज पूरे देशवासियों के हृदय में जीवित हैं। केवल आदिवासी समाज ही नहीं, बल्कि प्रत्येक वर्ग के लोग उन्हें सम्मान और श्रद्धा के साथ स्मरण कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह अत्यंत महत्वपूर्ण है कि इतने लंबे अंतराल के बाद भी किसी महापुरुष के विचार और संघर्ष लोगों को प्रेरित कर रहे हैं। मंगलवार को रांची के कोकर स्थित बिरसा मुंडा के समाधि स्थल पर श्रद्धांजलि अर्पित करने पहुंचे मुख्यमंत्री ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि आज धरती आबा की पुण्यतिथि है और इस अवसर पर उन्हें स्मरण करना हम सभी का कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि बिरसा मुंडा ने समाज, जल, जंगल और भूमि की रक्षा के लिए जैसा संघर्ष किया, वह इतिहास का गौरवशाली अध्याय है।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा

का जीवन केवल आदिवासी समाज तक सीमित नहीं है। उनके संघर्ष, साहस और नेतृत्व की चर्चा आज पूरे देश में होती है। उन्होंने कहा कि लगभग सवा सौ वर्ष के लंबे अंतराल के बाद भी लोग उन्हें उसी सम्मान के साथ याद कर रहे हैं, जैसा उनके समय में किया जाता था। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी प्रेरणादायी व्यक्तित्व को सम्मानपूर्वक स्मरण करना समाज को नई दिशा देता है। बिरसा मुंडा ने अपने अल्प जीवनकाल में जो कार्य किए, उनका प्रभाव आज भी दिखाई देता है।

सदियों तक स्मरण किया जाएगा उनका इतिहास -मुख्यमंत्री ने कहा कि धरती आबा ने जो इतिहास रचा, उसे आने वाली पीढ़ियाँ भी स्मरण रखेंगी। उन्होंने कहा कि उनके संघर्ष, आदर्श और समाज के लिए किए गए कार्य सदैव लोगों को प्रेरणा देते रहेंगे। बिरसा मुंडा ने जिस मार्ग पर चलने का संदेश दिया, वह आज भी प्रासंगिक है। उन्होंने कहा कि समाज के दुर्बल और वंचित लोगों के अधिकारों के लिए जिस प्रकार उन्होंने आवाज उठाई, वह सभी के लिए सीख है। यही कारण है कि आज भी लोग उन्हें श्रद्धा और गर्व के साथ स्मरण करते हैं। हेमंत सोरेन ने कहा कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस बार भी वे और बड़ी संख्या में लोग भगवान बिरसा मुंडा को श्रद्धांजलि देने उनके समाधि स्थल पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि यह केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं है, बल्कि उनके प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है। समाधि स्थल पर श्रद्धांजलि देने के पश्चात मुख्यमंत्री ने रांची के बिरसा चौक स्थित उनकी प्रतिमा पर भी पुष्प अर्पित किए। इस अवसर पर झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार भी उपस्थित रहे। दोनों नेताओं ने धरती आबा को नमन करते हुए उनके व्यक्तित्व और कृतित्व का स्मरण किया।

ईरानी बोट्स पर हमले के लिए तैनात अमेरिकी हेलीकॉप्टर क्रैश

● होर्मुज के पास हुआ यह हादसा, ट्रम्प बोले- दोनों पायलट सुरक्षित

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी)। अमेरिकी सेना का एक अपाचे हेलीकॉप्टर सोमवार को होर्मुज स्ट्रेट के पास क्रैश हो गया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने न्यूयॉर्क में पत्रकारों से बातचीत के दौरान घटना की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि हेलीकॉप्टर में सवार दोनों पायलट सुरक्षित हैं। फिलहाल यह साफ नहीं है कि हेलीकॉप्टर तकनीकी खराबी के कारण गिरा या किसी हमले का शिकार हुआ। अमेरिकी सैन्य अधिकारियों ने मामले की जांच शुरू कर दी है। इस मामले पर कल रिपोर्ट जारी की जाएगी।

ट्रम्प जो कहेंगे, नेतन्याहू को वही करना होगा- इजराइली लेखक गिडियन लेवी ने कहा है कि इजराइल अब सैन्य मदद के लिए अमेरिका पर पहले से कहीं ज्यादा निर्भर हो गया है। ऐसे में वह मिडिल ईस्ट के मामलों में अपनी मर्जी से फैसले नहीं ले सकता। अल जजीरा से बातचीत में लेवी ने कहा, इजराइल ट्रम्प को न नहीं कह सकता। नेतन्याहू भी ऐसी स्थिति में नहीं हैं। ट्रम्प जो कहेंगे, नेतन्याहू को वही करना पड़ेगा। लेवी का कहना है कि गाजा, लेबनान और ईरान में हमले जारी रखने की एक वजह घरेलू राजनीति भी है।

संक्षिप्त समाचार

धनबाद होमगार्ड बहालीः अभ्यर्थियों की प्रोविजनल मेरिट लिस्ट जारी

धनबाद, एजेंसी। अभ्यर्थियों की औपबंधिक मेधा सूची सोमवार देर रात जिला प्रशासन की ओर से जारी कर दी गई है। जारी सूची के अनुसार ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के पुरुष और महिला अभ्यर्थियों को विभिन्न श्रेणियों में चयनित किया गया है। हालांकि यह केवल औपबंधिक (प्रोविजनल) चयन सूची है। दस्तावेज सत्यापन, चरित्र सत्यापन और मेडिकल जांच में अयोग्य पाए जाने पर किसी भी अभ्यर्थी की उम्मीदवारी रद्द की जा सकती है। गृह रक्षक नव-नामांकन के लिए विज्ञापन संख्या-01/2023 जारी किया गया था। इसके तहत छह अप्रैल से 23 अप्रैल तक ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के महिला और पुरुष अभ्यर्थियों की शारीरिक जांच परीक्षा और हिन्दी लेखन क्षमता परीक्षा आयोजित की गई। इन परीक्षाओं में सफल तकनीकी दक्ष अभ्यर्थियों की तकनीकी दक्षता जांच परीक्षा 24 और 25 अप्रैल को विशेषज्ञों के दल द्वारा ली गई थी। झारखंड गृह रक्षा वाहिनी, धनबाद की ओर से 4 जून के तहत पूर्व में प्रकाशित सूची में संशोधन करते हुए नई औपबंधिक मेधा सूची जारी की गई है। यह सूची धनबाद जिला प्रशासन की आधिकारिक वेबसाइट पर प्रकाशित की गई है।

1 करोड़ 90 लाख की लागत से लगाया गया 113 सीसीटीवी कैमरा तीन माह से बंद

पलामू, एजेंसी। पलामू जिला प्रशासन द्वारा नगर निगम क्षेत्र के विभिन्न चौक-चौराहा पर स्टार कंपनी के द्वारा 113 सीसीटीवी कैमरा लगाया था, लेकिन पिछले तीन माह से डेड पड़ा हुआ है। सीसीटीवी का सभी कैमरा खराब चुका है। जिला प्रशासन के द्वारा एक करोड़ 90 लाख रुपया इस मद में खर्च किया गया है। वर्ष 2024 में जेमपोर्टल के माध्यम से जिला प्रशासन के द्वारा टेंडर निकाला गया था। कंपनी द्वारा नवंबर 24 से लेकर नवंबर 2025 तक कैमरा मेंटेनेंस के लिए एग्रीमेंट किया गया था, लेकिन एग्रीमेंट समाप्त होने के बाद ही छह माह भी सीसीटीवी कैमरा नहीं चल पाया। वर्तमान में सभी कैमरा खराब पड़ा है। इसके गुणवत्ता पर भी सवाल खड़ा हो रहा है। डेढ़ साल भी सही तरीके से सीसीटीवी कैमरा नहीं चल पाना दुर्भाग्य है। कैमरा खराब होने से सुरक्षा व्यवस्था में परेशानी हो रही है। कैमरा लगने से शहर में हो रहे घटना की आसानी से पहचान की जा सकती थी। जिससे अपराधी जल्द पकड़े जा रहे थे। नगर निगम के द्वारा लगाया गया 113 कैमरा सितंबर 25 में पुलिस विभाग को सौंप दिया गया था। इसके बाद 29 सितंबर को डालटनगंज विधायक आलोक चौरसिया, पलामू प्रमंडल के आइजी शैलेंद्र कुमार सिन्हा, डीआइजी, डीसी समीरा एस, एसपी रीष्मा रमेशन के द्वारा संयुक्त रूप से उद्घाटन किया था। लेकिन अप्रैल माह के बाद कैमरा सभी जगह काम करना बंद कर दिया।

खरसावां के रिडींग गांव के सरकारी तालाब का सिंचाई नाला जर्जर

खरसावां, एजेंसी। खरसावां प्रखंड के रिडींग गांव स्थित सरकारी तालाब से खेतों की ओर जाने वाला सिंचाई नाला पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। इससे करीब डेढ़ हजार एकड़ से अधिक क्षेत्र में धान की खेती प्रभावित होने की आशंका जताई जा रही है। ग्रामीणों के अनुसार, बारिश के मौसम में तालाब भरने के बाद इसी नाले के माध्यम से रिडींग, महतो रिडींग, कुम्हार रिडींग, बाबू रिडींग, खेजुरदा, बिरुआसा, हुरकाडीह समेत आसपास के गांवों के खेतों तक सिंचाई का पानी पहुंचता है। इसी परंपरागत व्यवस्था के सहारे बड़ी संख्या में किसान मुख्य रूप से धान की खेती करते हैं। लेकिन सिंचाई नाला क्षतिग्रस्त होने के कारण खेती को लेकर किसान चिंतित है। ग्रामीणों ने बताया कि लंबे समय से सिंचाई नाला की मरम्मति नहीं होने के कारण यह लगातार क्षतिग्रस्त होता जा रहा है। पिछले वर्ष ग्रामीणों ने बांस बल्ली और बालू की बोरियों से अस्थायी मेड़बंदी कर किसी तरह खेतों तक पानी पहुंचाया था। लेकिन इस वर्ष स्थिति और अधिक खराब हो गई है। सिंचाई की सही व्यवस्था न होने से किसान चिंतित हैं।

धनबाद में भगवान बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि

धनबाद, एजेंसी। महान जननायक, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और आदिवासी अस्मिता के प्रतीक बिरसा मुंडा की 126वीं पुण्यतिथि के अवसर पर सोमवार को धनबाद जिले के बैंक मोड़ स्थित उनकी आदमकद प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन, नगर आयुक्त आशीष गंगवार, अनुमंडल दंडाधिकारी लोकेश बारंगे सहित अन्य अधिकारियों और गणमान्य लोगों ने पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। श्रद्धांजलि कार्यक्रम के बाद उपायुक्त आदित्य रंजन ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा केवल एक स्वतंत्रता सेनानी नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, आदिवासी परंपराओं और सामाजिक चेतना के महान संरक्षक थे। उन्होंने अपने जीवन के माध्यम से समाज को जल, जंगल और जमीन की रक्षा का संदेश दिया तथा लोगों को अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक किया।

राज्य सरकार 25 जून तक शपथ पत्र दाखिल कर बताए कि भूमि सर्वे कब तक पूरा होगा : हाईकोर्ट

रांची, एजेंसी। झारखंड में चल रहे भूमि सर्वेक्षण कार्य में हो रही देरी को लेकर झारखंड हाईकोर्ट ने राज्य सरकार पर कड़ी नाराजगी जताई है। गोकुल चंद द्वारा दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट की खंडपीठ ने सरकार को 25 जून तक शपथ पत्र दाखिल कर यह बताने का निर्देश दिया है कि राज्य के सभी जिलों में भूमि सर्वे का कार्य कब तक पूरा होगा।

मुख्य न्यायाधीश एमएस सोनक और न्यायमूर्ति राजेश शंकर की खंडपीठ ने मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि पूर्व में दिए गए न्यायालय के निर्देशों का अब तक पूरी तरह पालन नहीं किया गया है। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई 29 जून को निर्धारित की है।

सुनवाई के दौरान कोर्ट ने याद दिलाया कि 17 जून 2025 को राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग के सचिव को निर्देश दिया गया था कि भूमि सर्वे से संबंधित नई तकनीक के उपयोग का कार्य चार सप्ताह के भीतर पूरा किया जाए। साथ ही इसके बाद छह माह के भीतर पूरे राज्य में भूमि सर्वेक्षण का कार्य संपन्न करने को कहा गया था। खंडपीठ ने कहा कि न्यायालय के स्पष्ट निर्देश के बावजूद निर्धारित समय सीमा में सर्वे कार्य पूरा नहीं हो सका।

राज्य के अधिवक्ताओं को स्वास्थ्य बीमा योजना का लाभ उपलब्ध कराने की मांग को लेकर दायर जनहित याचिका पर झारखंड हाईकोर्ट ने सुनवाई पूरी कर ली है। अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता की मूल मांग पूरी हो चुकी है, इसलिए मामले को आगे जारी रखने का कोई औचित्य नहीं रह जाता। राज्य सरकार की ओर से अदालत को बताया गया कि सरकार के संकल्प के आधार पर अधिवक्ताओं को स्वास्थ्य बीमा योजना का लाभ दिया जा रहा है।

झारखंड में इलेक्ट्रॉनिक कचरे (ई-वेस्ट) के समुचित निस्तारण की व्यवस्था नहीं होने और इसके लिए स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर तैयार नहीं किए जाने के मुद्दे पर झारखंड हाईकोर्ट ने राज्य सरकार और झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से जवाब तलब किया है। सोमवार को शशि सागर वर्मा द्वारा दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए मुख्य न्यायाधीश एमएस सोनक और न्यायमूर्ति राजेश कुमार की खंडपीठ ने सरकार से पूछा कि राज्य में इलेक्ट्रॉनिक कचरे के प्रबंधन और निस्तारण के लिए कोई एसओपी तैयार की गई है या नहीं। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता शैलेश पोद्दार ने अदालत को बताया कि केंद्र सरकार ने इलेक्ट्रॉनिक कचरे के निस्तारण के लिए विस्तृत नियमावली बनाई है।

क्या है याचिका में : याचिका में कहा गया है कि मोबाइल फोन, कंप्यूटर, लैपटॉप, टीवी, बैटरी और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से निकलने वाला कचरा अक्सर सामान्य कचरे के साथ मिल जाता है। इसके कारण इनमें मौजूद हानिकारक धातुएं और रासायनिक तत्व मिट्टी, पानी और हवा को प्रदूषित कर रहे हैं। याचिकाकर्ता ने अदालत को बताया कि ई-वेस्ट का अनुचित निस्तारण न केवल पर्यावरण के लिए गंभीर खतरा है, बल्कि इससे मानव स्वास्थ्य और पशुओं पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

गोड्डा सदर अस्पताल में शिक्षक की मौत पर बवाल, परिजनों ने लगाया लापरवाही का आरोप

गोड्डा, एजेंसी। गोड्डा जिला सदर अस्पताल में सोमवार की अहले सुबह इलाज के दौरान एक शिक्षक की मौत के बाद परिजनों ने डॉक्टरों और एएनएम पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया। परिजनों के आक्रोश को देखते हुए ऑन-ड्यूटी चिकित्सक और नर्स मौके से फरार हो गए। बाद में नगर थाना पुलिस के हस्तक्षेप के बाद मामला शांत हुआ। मृतक की पहचान मेहरमा थाना क्षेत्र के हुलूकपुर गांव निवासी 48 वर्षीय आशुतोष कुमार निराला (पिता- नौरंगी पंडित) के रूप में की गई है। आशुतोष कुमार निराला देवघर जिले के मोहनपुर प्रखंड क्षेत्र के एक विद्यालय में शिक्षक के पद पर कार्यरत थे। उनकी नियुक्ति महज 6 महीने पहले ही हुई थी। वह अपने पीछे पत्नी नीलम देवी, एक पुत्र और दो पुत्रियों का भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं।

परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार, रविवार की शाम को आशुतोष कुमार निराला के सीने में अचानक तेज दर्द हुआ और वह घर में ही गिर पड़े। आनन-फानन में परिजन उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मेहरमा ले गए। वहां प्राथमिक उपचार के बाद भी जब उनकी स्थिति में सुधार नहीं हुआ, तो परिजन रात करीब 2:30 बजे उन्हें मेहरमा से सदर अस्पताल गोड्डा के लिए लेकर रवाना हुए।

परिजनों ने बताया कि वे सुबह करीब 4:00 बजे सदर अस्पताल गोड्डा पहुंचे। वहां उन्होंने दरवाजा खटखटा कर चिकित्सक को जगाया। डॉक्टर ने मरीज की जांच करने के बाद नर्स को एक इंजेक्शन लगाने का निर्देश दिया। परिजनों का आरोप है कि नर्स द्वारा इंजेक्शन लगाए जाने के तुरंत बाद ही आशुतोष की स्थिति तेजी से बिगड़ने लगी। मरीज की हालत गंभीर होते देख चिकित्सकों ने उसे आनन-फानन में आईसीयू वार्ड में ट्रांसफर कर दिया। हालांकि, परिजन जब आशुतोष को लेकर आईसीयू वार्ड पहुंचे, तो वहां तैनात स्वास्थ्य कर्मियों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। परिजनों का आरोप है कि अस्पताल के कर्मियों और डॉक्टरों की घोर लापरवाही के कारण ही मरीज की जान गई है।

हजारीबाग में मिश्रित खेती कर अच्छा मुनाफा कमा रही महिलाएं

हजारीबाग, एजेंसी। बदलते समय में खेती का तरीका भी बदल रहा है। पहले एक समय में एक बार में सिर्फ एक ही फसल की खेती होती थी, लेकिन अब मिश्रित खेती होने लगी है। हजारीबाग में भी कुछ महिला किसान मिश्रित खेती कर रही हैं। अर्थात एक ही खेत में सब्जियां, फल और फूल की खेती की गई है, ताकि खेती में अधिक मुनाफा हो सके।

हजारीबाग कृषि प्रधान क्षेत्र है। यहां के किसान हमेशा कुछ नया करने की कोशिश करते हैं, ताकि वे आर्थिक रूप से सबल हो सकें। इन दिनों हजारीबाग के सुदरवर्ती कटकमसांडी प्रखंड की महिला किसानों ने मिश्रित खेती शुरू की है।

हालांकि पहले के समय में एक बार में एक ही फसल की खेती होती थी। इससे फसल बर्बाद होने पर किसानों को काफी नुकसान उठाना पड़ता था, लेकिन मिश्रित खेती करने से नुकसान नहीं होता है।

वर्तमान में महिला किसानों ने खेत में टमाटर के साथ करेला, कद्दू ,भिंडी, खीरा की खेती की है। इसके अलावा उसी खेत में फलों और फूलों की भी खेती की है। मिश्रित खेती का लाभ यह है कि एक फसल खराब हुआ तो उसकी भरपाई दूसरे फसल से हो जाती है। यही कारण है की मिश्रित खेती आज के समय में छोटे किसानों के लिए फायदा का माध्यम बन गया है।

मिश्रित खेती करने वाली महिला किसान बताती हैं कि पहले एक बार में खेत में एक ही फसल की खेती करते थे। जब से मिश्रित खेती करना शुरू किया है तो इसका लाभ मिल रहा है। सब्जियों के साथ-साथ फल की खेती भी कर रहे हैं। जैसे पपीता, अमरूद, नाशपाती आदि। इससे दोहरा लाभ हो रहा है। सब्जियों के साथ-साथ फल भी बेचकर मुनाफा कमा रहे हैं।गौरतलब हो कि छोटे किसानों के लिए मिश्रित खेती एक अच्छा विकल्प बनकर उभरा है।

हजारीबाग में कारगिल शहीद विद्यानंद सिंह के शहादत दिवस पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

हजारीबाग, एजेंसी। मातृभूमि की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर सपूत कारगिल शहीद विद्यानंद सिंह की स्मृति में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कारगिल पेट्रोल पंप के निकट कार्यक्रम का आयोजन किया गया । कार्यक्रम में शहीद को श्रद्धांजलि दी गई। कैसे इन्होंने देश के लिए अपनी जान कुर्बान कर दी, इसकी जानकारी लोगों को दी गई।

लोगों ने शहीद की वीरता को किया याद

कारगिल युद्ध में शहीद हुए बिहार रेजिमेंट के वीर जवान विद्यानंद सिंह का 27वां शहादत दिवस रविवार को कारगिल प्वाइंट में श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाया गया। इस अवसर पर शहीद की वीरता को याद करते हुए उपस्थित लोगों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। समारोह में मुख्य अतिथि नगर निगम के महापौर अरविंद कुमार राणा शहीद के परिजन समेत हजारीबाग के कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

महापौर अरविंद कुमार राणा ने बताया कि विद्यानंद सिंह ने 17 हजार फीट की ऊंचाई पर दुश्मन की घेराबंदी को तोड़ते हुए तीन पाकिस्तानी सैनिकों को मार गिराया था। उन्होंने भारतीय सेना के अनुशासन की सराहना की। शहीद विद्यानंद सिंह के संघर्ष और बलिदान को याद करते हुए उन्होंने कहा कि सेना में जाना गर्व की बात है। शहीद विद्यानंद सिंह की बहादुरी के लिए उन्हें वीर चक्र और सेना मेडल से सम्मानित किया गया था। कार्यक्रम में संत कोलंबस कॉलेज की प्राचार्य डॉ। विमल रेवन ने कहा कि शैक्षणिक संस्थानों का उद्देश्य केवल ज्ञान प्रदान करना नहीं बल्कि विद्यार्थियों में राष्ट्र के प्रति निष्ठा और समर्पण की भावना भी जगाना है।

शहीद विद्यानंद सिंह का व्यक्तित्व युवा पीढ़ी के लिए एक आदर्श है, जो हमें विपरीत परिस्थितियों में भी अडिग रहने की प्रेरणा देता है। समारोह के अंत में समाज के विभिन्न क्षेत्रों में योगदान देने वाले विभूतियों को गौरव सम्मान से नवाजा गया।

भीषण गर्मी में जंगल में जलस्त्रोत की गिनती !पीटीआर तैयार कर डाटा, वन्य जीव के बारे में मिलेगी जानकारी

पलामू, एजेंसी। भीषण गर्मी के बीच जंगल में जल स्रोतों की गिनती चल रही है। जंगलों में जल स्रोतों के हालात और उनकी मौजूदगी का डाटा तैयार किया जा रहा है। पलामू टाइगर रिजर्व के नेतृत्व में जल स्रोतों की गिनती की जा रही है। इस प्रक्रिया में बड़ी संख्या में वन कर्मियों को तैयात किया गया है। एसओपी भी तैयार किया गया है।

दरअसल, पलामू टाइगर रिजर्व ने दो वर्ष पहले इलाके में नदियों का सर्वे किया था, जिसमें से नदियों के करीब 450 सहायक नाले मिले थे। इसके बाद जल स्रोतों की गिनती के लिए वन कर्मियों को स्पेशल रूप से ट्रेनिंग दी गयी। उन्हें 14 घंटे तक एक ही जगह पर बितानी है। इस दौरान यह भी देखा जा रहा है कि प्राकृतिक या कृत्रिम जल स्रोत पर 14 घंटे के दौरान कौन-कौन से जीव पानी पीने के लिए पहुंचते हैं। पानी पीने के दौरान वन्य जीवों का व्यवहार किस तरह रहता है। जिस जल स्रोत से वन्य जीव पानी पी रहे हैं, उस पर मानव हस्तक्षेप कितना है।

पलामू टाइगर रिजर्व में के उत्तरी भाग में एक दिन की यह प्रक्रिया पूरी हो गई है, जबकि अन्य इलाकों में भी इस प्रक्रिया को शुरू किया गया है। अब तक की गिनती के दौरान हाथी, तेंदुआ, हिरण, बायसन, भालू, सियार, कोटरा आदि के जल स्रोत के अगल-बगल में मौजूद होने की पुष्टि हुई है।

पलामू टाइगर रिजर्व के उपनिदेशक प्रजेशकान्त जेना बताते हैं कि भीषण गर्मी में इस प्रक्रिया को शुरू किया जाता है ताकि जल स्रोत के बारे में वास्तविक जानकारी निकलकर सामने आ सके। इस दौरान निजी क्षेत्र के वालंटियर को भी लगाया गया था। इस प्रक्रिया से वन्यजीवों के बारे में भी जानकारी निकाल कर सामने आती है कि वह कितनी संख्या में मौजूद हैं। फिर पहले से मौजूद डाटा से मिलान किया जाता है। इस प्रक्रिया से शिकारी के खिलाफ कार्रवाई के साथ-साथ अंतिम कोचिंग कैंप भी बनाने में सहायता मिलती है।

चतरा में लापता युवक का शव बालू ढेर से बरामद, परिजनों ने हत्या की आशंका जताई

चतरा, एजेंसी। चतरा जिले के राजपुर थाना क्षेत्र में दो दिनों से लापता 18 वर्षीय युवक प्रमोद कुमार का शव बरामद होने से इलाके में सनसनी फैल गई है। मृतक गड़िया गांव निवासी देवलाल यादव का पुत्र था। जानकारी के अनुसार, शुक्रवार रात करीब 9 बजे प्रमोद घर में खाना खा रहा था, तभी उसके मोबाइल पर एक अनजान नंबर से कॉल आया।

फोन पर बात करने के बाद वह परिजनों से यह कहकर घर से निकला कि उसका एक दोस्त गड़िया पुल के पास मिलने आ रहा है। इसके बाद वह वापस नहीं लौटा और उसका मोबाइल भी स्विच ऑफ हो गया। शनिवार सुबह जब परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की तो उसकी मोटरसाइकिल गड़िया नदी के पुल पर लावारिस हालत में खड़ी मिली, जिससे परिजनों की चिंता और बढ़ गई।

पुलिस को सूचना मिली कि कान्हाचट्टी प्रखंड के गंभारिया स्थित नदी किनारे बालू के ढेर के नीचे एक शव दबा हुआ है। मौके पर पहुंची पुलिस ने बालू हटवाकर शव को बाहर निकाला, जिसकी पहचान प्रमोद कुमार के रूप में हुई। शव मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया और पूरे गांव में मातम पसर गया। परिजनों ने आरोप लगाया है कि प्रमोद की हत्या कर साक्ष्य छिपाने के उद्देश्य से शव को बालू में दबाया गया है। घटना के बाद ग्रामीणों में आक्रोश का माहौल है।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस की कई टीमें और फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (स्नस्रू) की टीम मौके पर पहुंची और साक्ष्य जुटाने का काम शुरू किया। सदर एसडीपीओ सन्नी वर्धन के नेतृत्व में पुलिस बल ने इलाके में कैंप कर लिया है। राजपुर थाना प्रभारी संदीप कुमार ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए चतरा सदर अस्पताल भेज दिया गया है।

पुलिस ने प्रमोद के मोबाइल की कॉल डिटेल्स खंगालनी शुरू कर दी है। संदेह के आधार पर कुछ स्थानीय लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

पलामू सांसद का जनसंपर्क अभियान, विकास योजनाओं का लिया जायजा

पलामू, एजेंसी। केंद्र में भारतीय जनता पार्टी सरकार के 12 वर्ष पूरा होने पर पलामू के सांसद विष्णुदयाल राम ने सोमवार को जनसंपर्क अभियान चलाया। इस जनसंपर्क अभियान के प्रगति पथ यात्रा भी नाम दिया गया। पलामू के सांसद विष्णुदयाल राम ने इस दौरान केंद्र सरकार की कई योजनाओं का जायजा लिया। इन बिंदुओं पर दिशा निर्देश जारी किया। सांसद ने स्वच्छता अभियान के तहत लोगों से अपील की और प्लास्टिक के इस्तेमाल नहीं करने को कहा। सांसद ने सभी से प्लास्टिक की जगह कपड़े से बने बैग का इस्तेमाल करने का आग्रह किया।

सांसद ने प्रगति पथ यात्रा के तहत बाईपास, मेडिकल कॉलेज पेयजल आपूर्ति योजना फेज 2 का जायजा लिया। इस दौरान पलामू सांसद विष्णुदयाल राम ने कहा कि केंद्र की भारतीय जनता पार्टी की सरकार की 12 वर्ष हो गए है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश लगातार विकास कर रहा है और आगे बढ़ रहा है। केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर 5 जून से 21 जून तक कई कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं और लोगों को केंद्र की सरकार की योजनाओं कीजानकारी भी दी जा रही है।सांसद विष्णुदयाल राम ने कहा कि केंद्र सरकार ने कई योजनाओं को लागू किया है जिससे आम लोगों को फायदा हो रहा है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश विकसित भारत की तरफ बढ़ रहा है। इस दौरान पलामू सांसद ने कई जगह पर पौधा भी लगाया है। जनसंपर्क अभियान में पलामू सांसद के साथ भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष अमित तिवारी समेत कई नेता शामिल रहे।

झारखंड में राज्यसभा की दो सीटों पर तीन प्रत्याशियों ने भरा पर्चा

रांची, एजेंसी। झारखंड में राज्यसभा की दो सीटों के लिए 18 जून को वोटिंग तय हो गई है। क्योंकि तीन प्रत्याशियों ने नामांकन दाखिल कर दिया है। इनमें झामुमो के बैद्यनाथ राम, कांग्रेस के प्रणव झा और परिमल नथवानी के नाम शामिल हैं जो निर्दलीय प्रत्याशी के रुप में मैदान में उतरे हैं।

नामांकन के अंतिम दिन यानी 8 जून को विधानसभा में दिनभर गहमागहमी बनी रही। खास बात रही कि भाजपा ने गौरव बल्लभ को मैदान में नहीं उतरा और पूरा एनडीए परिमल नथवानी के पक्ष में एकजुट हो गया। जबकि भाजपा के गौरव बल्लभ पर्चा खरीद चुके थे। सबसे रोचक बात है कि झामुमो की कल्पना सोरेन कांग्रेस प्रत्याशी प्रणव झा की प्रस्तावक बनी हैं। इससे साफ है कि अपने अपने प्रत्याशी को लेकर एनडीए और इंडिया गठबंधन एकजुट हो गया है।

परिमल नथवानी के पक्ष में एनडीए एकजुट

राज्यसभा की दूसरी सीट का मुकाबला बेहद रोचक होता दिख रहा है। 8 जून को जब ये नामांकन दाखिल करने पहुंचे तो इनके साथ एनडीए की एकजुटता नजर आई। परिमल नथवानी ने दो सेट में नामांकन पर्चा दाखिल किया। एक सेट में भाजपा के बाबूलाल मरांडी, मनोज यादव, नवीन जयसवाल, सत्येंद्र नाथ तिवारी, नीरा यादव, राज सिन्हा, प्रकाश राम और सीपी सिंह के अलावा लोजपा रामविलास के जनार्दन पासवान और आजसू के निर्मल महतो प्रस्तावक बने। दूसरे सेट में भाजपा के चंपाई सोरेन, अमित कुमार यादव, नागेंद्र महतो, कुशवाहा शशिभूषण मेहता, मंजू कुमारी, रागिनी सिंह, पूर्णिमा साहू, देवेंद्र कुंवर और आलोक चौरसिया के अलावा जदयू के सरयू राय प्रस्तावक बने हैं। परिमल नथवानी ने वर्ष 2025-26 में कुल आय 35 करोड़ 70 लाख दिखाई है।

कांग्रेस प्रत्याशी प्रणव झा ने भी दो सेट में नामांकन दाखिल किया है। पहले सेट में कांग्रेस विधायक प्रदीप यादव, रामेश्वर उरांव, राधाकृष्ण किशोर, दीपिका पांडेय सिंह, भूषण बाड़ा, नमन विक्सल कोंगाड़ी, सुरेश बैठा, शिल्पी नेहा तिर्की, राजेश कच्छप और जयमंगल सिंह उर्फ अनूप सिंह प्रस्तावक बने हैं। खास बात है कि प्रणव झा के नामांकन के दूसरे सेट में झामुमो विधायक कल्पना सोरेन, राजद विधायक संजय प्रसाद यादव, राजद विधायक सुरेश पासवान, झामुमो के मंगल कालिंदी, दीपक बिरुआ, निरल पूर्ती, भूषण तिर्की, सुखराम उरांव, नरेश प्रसाद सिंह और भाकपा माले के अरुप चटर्जी प्रस्तावक बने हैं।

पहली सीट पर जीत के लिए पूरी तरह से आश्वस्त झामुमो प्रत्याशी बैद्यनाथ राम के समर्थन में खुद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन नामांकन के दौरान मौजूद रहे। बैद्यनाथ राम के पहले सेट के नामांकन पर्चा में हेमंत सोरेन, स्टीफन मरांडी, मथुरा प्रसाद महतो, उदय शंकर सिंह, लुईस मरांडी, सबीता महतो, समीर कुमार मोहंती, अनंत प्रताप देव, जीगा सुसारन होरो और संजीव सरदार प्रस्तावक बने हैं। दूसरे सेट में बसंत सोरेन, हफीजुल हसन, सुदिव्य कुमार, उमाकांत रजक, धनंजय सोरेन, योगेंद्र प्रसाद, मो।ताजुद्दीन, आलोक कुमार सोरेन, सुदीप गुड़िया और रामसूर्य मुंडा प्रस्तावक बने हैं। बैद्यनाथ राम ने 2024-25 में 15 लाख 52 हजार की आय दिखाई है।

संक्षिप्त समाचार

राम मोहन सिंह मुंडा को झारखंड हाईकोर्ट से मिली जमानत

रांची, एजेंसी। झारखंड हाई कोर्ट ने पूर्व मंत्री रमेश सिंह मुंडा हत्या मामले में आरोपी राम मोहन सिंह मुंडा की ओर से दायर क्रिमिनल याचिका के तहत जमानत पर सुनवाई की। जस्टिस रंगन मुखोपाध्याय की अध्यक्षतावाली खंडपीठ ने प्रार्थी और एनआइए का पक्ष सुना। मामले में सुनवाई पूरी होने के बाद खंडपीठ ने प्रार्थी को जमानत दी। इससे पूर्व प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता ने खंडपीठ को बताया कि वह अब सरकारी गवाह बन गया है और उसकी गवाही भी हो चुकी है। मामले में ट्रायल चल रहा है। यह मामला बुंडू थाना कांड संख्या 65/2008 से संबंधित है। 9 जुलाई 2008 को तमाड़ के तत्कालीन विधायक और पूर्व मंत्री रमेश सिंह मुंडा की नक्सलियों ने गोली मार कर हत्या कर दी थी। इस घटना को लेकर बुंडू थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। इस हत्याकांड की गंभीरता को देखते हुए मामले की कमान राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआइए) को सौंपी गई थी। एनआइए ने इस पूरी साजिश की जांच की और कई महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाए। इसी क्रम में 8 जुलाई 2016 को आरोपी राम मोहन सिंह मुंडा को गिरफ्तार किया गया था।

विद्यानगर में अंडरपास निर्माण की पहल तेज, सांसद ने रेल प्रशासन को लिखा पत्र

रामगढ़, एजेंसी। शहर के विद्यानगर, पतरातु बस्ती, दीपनगर और ब्लॉक एरिया के बीच से गुजरने वाली मूरी–बरकाकाना रेलवे लाइन पर अंडरपास निर्माण की दिशा में पहल तेज हो गई है। क्षेत्र के लोगों की वर्षों पुरानी मांग पर सांसद मनीष जायसवाल ने रेल प्रशासन को पत्र लिखकर अंडरपास निर्माण का आग्रह किया है। घनी आबादी वाले इस क्षेत्र में एक ओर से दूसरी ओर जाने के लिए लोगों को रेलवे लाइन पार करनी पड़ती है। वहीं वाहन से आवागमन करने पर करीब डेढ़ किलोमीटर घूमकर रामगढ़ ओवरब्रिज से जाना पड़ता है, जिससे समय और परेशानी दोनों बढ़ती है। विद्यानगर विकास समिति के बैनर तले क्षेत्र के लोगों ने लंबे समय से अंडरपास निर्माण की मांग की थी। हाल ही में समिति के सदस्यों ने सांसद से मुलाकात कर इस दिशा में पहल करने का अनुरोध किया था। सांसद ने स्थल निरीक्षण कर मांग को उचित माना और कार्रवाई का आश्वासन दिया था। त्वरित पहल करते हुए सांसद ने मंडल रेल प्रबंधक, रांची को पत्र लिखकर अंडरपास निर्माण का आग्रह किया है। पत्र की जानकारी मिलते ही क्षेत्र के लोगों में खुशी का माहौल है। समिति के अध्यक्ष संतोष प्रसाद और सचिव ओपी शर्मा ने सांसद की सक्रियता की सराहना की।

धनबाद के सोनारडीह में कोयला तस्करों का उत्पात, फायरिंग-बमबारी से दहशत

धनबाद, एजेंसी। सोनारडीह ओपी क्षेत्र के बहियारडीह में अवैध कोयला तस्करों ने एक दर्जन से अधिक बम गोली चलाकर दहशत फैला दिया। तस्कर यही नहीं रुके सूचना मिलने पर बरोरा और सोनारडीह पुलिस टीम जब पहुंची, तो पुलिस वालों से राइफल छीनने का प्रयास किया। इस दौरान पुलिस गश्ती दल के वाहन को छतिग्रस्त कर दिया। 100 से अधिक संख्या में कोयला तस्करों का हुजूम देख पुलिस के भी होश उड़ गए। सामने शंकर साव के घर और दुकान पर भी जमकर उत्पात मचाया। उनके घर पर कई गोलियां चलाई। दुकान को पूरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया। कई बाइक, सीसीटीवी कैमरा, टीवी, फ्रिज सहित अन्य सामान तोड़ फोड़ कर चूर कर दिया। घटना सुबह 8 बजे के करीब बताई जा रही है। शंकर की पत्नी रूबी देवी ने रोते हुए बताया कि 100 से अधिक लोग आए और गोली चलाई, बम भी फोड़ें। कुछ लोगों के साथ मारपीट भी की, जो घायल भी है। मेरे घर का लाखों के सामान का नुकसान पहुंचा दिया है। घटना के बाद पूरे बहियारडीह में दहशत का माहौल है। अवैध कोयला तस्करी और बम–गोली चलाने के विरोध में स्थानीय ग्रामीणों ने सोनारडीह ओपी पहुंचकर विरोध किया। इस दौरान ग्रामीण महिलाएं फोरलेन सड़क को जाम करने का प्रयास किया। जिसे पुलिस ने लाठीचार्ज कर भगा दिया। इससे ग्रामीण महिलाओं में आक्रोश है।

झारखंड हाईकोर्ट सख्त: यौन हिंसा मामलों में जीरो एफआईआर अनिवार्य

रांची, एजेंसी। झारखंड हाई कोर्ट ने महिलाओं और यौन हिंसा की पीड़िताओं के अधिकारों, सुरक्षा, न्याय और पुनर्वास से जुड़े एक महत्वपूर्ण जनहित याचिका मामले में राज्य सरकार, पुलिस विभाग और संबंधित एजेंसियों को कई अहम निर्देश दिए हैं। अदालत ने स्पष्ट किया कि किसी भी संज्ञेय अपराध, विशेषकर यौन हिंसा और क्क्षस्ह मामलों में, क्षेत्राधिकार का हवाला देकर स्न्ढ्क्र दर्ज करने से इनकार नहीं किया जा सकता और एफआईआर दर्ज करना पुलिस की कानूनी जिम्मेदारी है। मुख्य न्यायाधीश और न्यायमूर्ति राजेश शंकर की खंडपीठ ने 8 जून 2026 को सुनाए गए फैसले में कहा कि जीरो एफआईआर दर्ज नहीं करना कानून के उल्लंघन के समान है। झारखंड हाईकोर्ट ने पुलिस महानिदेशक को बीएनएसएस 2023 की धारा 173 के तहत द्दह्य् एफआईआर दर्ज करने की व्यवस्था को सख्ती से लागू करने के निर्देश दिए हैं।

नक्सलमुक्त होने के बाद भी अटका विकास

हरिनाखाड़ गांव की कोरवा जनजाति आज भी सुविधाओं से दूर

गुमला, एजेंसी। गुमला प्रखंड के आंजन पंचायत में हरिनाखाड़ गांव है। इस गांव में कोरवा जनजाति के लोग निवास करते हैं। गांव चारों तरफ से पहाड़ और जंगल से घिरा हुआ है। आज से पांच साल पहले तक यह पूरा इलाका नक्सल प्रभावित था। इसी गांव में नक्सलियों का डेरा रहता था। लेकिन पुलिस की दबिश के बाद इस क्षेत्र से नक्सलमुक्त हो गया। पहले नक्सली थे तो अधिकारी और कर्मचारी गांव नहीं जाते थे और गांव के विकास से मुंह मोड़े हुए थे। अब गांव नक्सलमुक्त हुआ तो गांव के लोग विकास के लिए छटपटा रहे हैं।

हालांकि, नक्सल खत्म होने के बाद इस गांव तक जाने के लिए तीन पुल का निर्माण हुआ है। लेकिन, सड़क का निर्माण नहीं किया गया। जिस कारण आज भी बरसात में इस गांव के लोगों को आने जाने में दिक्कत होती है। वहीं गांव में जलमीनार लगाया गया था, जो भ्रष्टाचार की भेट चढ़ गया। जलमीनार बनने के कुछ दिनों बाद ही खराब हो गया। जिसकी अबतक मरम्मत नहीं हुई। पक्का आवास का सपना भी अधूरा है। जबकि सरकार द्वारा आदिम जनजातियों के विकास और संरक्षण के लिए कई योजना चला रही है। इसके बाद भी इस गांव में रहने वाले कोरवा जनजाति के लोग सरकारी योजनाओं से महरूम हैं। आजादी के 77 साल बाद भी लोग दूषित पानी पी रहे हैं। गांव में बिजली तक नहीं है। जिस कारण अक्सर गांव में हाथियों और अन्य जंगली जानवरों के घुसने का डर बना रहता है।

गुमला के पूर्व डीसी शशि रंजन बाइक से गांव तक गये थे। इसके बाद उनकी पहल से नदियों में तीन पुल बना। सड़क की भी स्वीकृति दी थी। लेकिन सड़क नहीं बनी। डीसी की पहल से जलमीनार भी लगा था। लेकिन पीएचइडी विभाग के जलमीनार भ्रष्टाचार की भेट चढ़ गई।

ग्रामीण सोमरा कोरवा ने कहा कि हरिनाखाड़ में कोरवा जनजाति के लोग रहते हैं। सरकार हमारे लिए कई योजना चला रही है। लेकिन यह सब कागजों में है। इसलिए इसबार जब भी चुनाव होगा। गांव में नेताओं को घुसने नहीं देंगे। वोट का भी बहिष्कार करेंगे। अधिकारियों की भी नो इंट्री करेंगे। ग्रामीण रामू कोरवा ने कहा कि हमारे गांव तक आने के लिए सड़क नहीं है। गर्मी के दिनों में तो किसी प्रकार आते जाते हैं। लेकिन बरसात के मौसम में सड़क फिसलन हो जाता है। क्योंकि, मिटटी की सड़क है। सरकार और प्रशासन से मांग है कि हमारे गांव की सड़क को बनवा दिया जाए। जिससे गांव का विकास हो।

पानी की समस्या को लेकर ग्रामीण मंगनी कोरवा ने कहा कि हमारे गांव में शुद्ध पानी की समस्या है। जलमीनार बना था। लेकिन वह बेकार है। चापानल है तो उससे दूषित पानी निकलता है। मजबूरी में गांव के लोग इधर-उधर से पानी जुगाड़ कर प्यास बुझाते हैं। गांव के पास से बहने वाली नदी के पानी का उपयोग करते हैं। ग्रामीण जवंती कोरवा ने कहा कि हमारा गांव गरीबी और लाचारी में जी रहा है। गांव के दो बच्चे जो अनाथ हैं। इनके माता पिता नहीं है। इसलिए सरकार और प्रशासन से मांग है कि अनाथ बच्चों की बेहतर शिक्षा और परवरिश की व्यवस्था की जाए नहीं तो ये बच्चे मानव तस्करी का शिकार हो सकते हैं।

रांची हमारा दूसरा घर, झारखंड में भी कमल खिलाएंगे : नबीन

बोकारो, एजेंसी। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने कहा कि रांची उनका दूसरा घर है। अपने इस घर में भी वे कमल खिलाएंगे। बिहार और बंगाल की तरह झारखंड के लोगों के मन में भी है कि उनके प्रदेश में कमल खिले। वे अपनी इस इच्छा को मूर्त रूप देने को लालायित हैं। उम्मीद है कि जब भी उन्हें अवसर मिलेगा, वे इसे पूर्ण करेंगे। लोगों को लग रहा है कि भाजपा ही झारखंड को सही दिशा दे सकती है। यहां पर विकास के द्वार खोल सकती है, क्योंकि पूर्व में भाजपा ने यहां विकास के कई आयाम गढ़े हैं।

उन्होंने कहा कि यहां के समाज, संस्थाओं और प्रबुद्ध लोगों से मिलने के बाद यह स्पष्ट हो गया है कि आनेवाले समय में झारखंड में भी भाजपा की सरकार बनेगी। उन्होंने विश्वास जताया कि राज्य में भाजपा की जड़ों को फिर से उसी मजबूती के साथ खड़ा किया जाएगा, जैसा पहले था। झारखंड की जनता ने पूर्व के वर्षों में भाजपा को लगातार अपना आशीर्वाद दिया है। आने वाले समय में पार्टी को आशीर्वाद मिलेगा। पार्टी कार्यकर्ता प्रदेश को

संवारेंगे। झारखंड का दो दिवसीय दौरा समाप्त कर भाजपा अध्यक्ष दिल्ली रवाना हो गए। इस दौरे के दौरान उन्होंने पार्टी पदाधिकारियों के साथ कई बैठकें कीं और आगामी रणनीति को लेकर चर्चा की। भाजपा नेतृत्व का मानना है कि इस दौरे से संगठन को नई ऊर्जा मिली है।

नितिन नबीन रविवार को बोकारो के सेक्टर-4 सिटी सेंटर स्थित अपनी दिवंगत मौसी शोभा रानी लाल के घर पहुंचे। उन्हें श्रद्धांजलि दी। मौसी की तस्वीर के सामने पहुंचते ही वे कुछ पल के लिए ठिठक गए। श्रद्धा से सिर झुकाया, पुष्प अर्पित की और निःशब्द खड़े रहे। वे करीब आधे घंटे तक परिवार के बीच बैठे। उन्होंने कहा-मौसी का स्नेह हमेशा उन्हें मां जैसा ही महसूस होता था।

मांडर सामूहिक दुष्कर्म मामला:

रात भर चली छापेमारी में आठ गिरफ्तार, प्रेमी के कहने पर हुआ था दुष्कर्म

रांची, एजेंसी। राजधानी रांची के मांडर में एक युवती के साथ हुए सामूहिक दुष्कर्म मामले में रांची पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आठ आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में कुछ अन्य लोगों की तलाश अभी भी जारी है।

मांडर में एक युवती के साथ हुए सामूहिक दुष्कर्म में कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। जांच में पता चला कि केरल में रहने वाले युवती के तथाकथित पति के द्वारा ही मांडर के कुछ युवकों को सामूहिक दुष्कर्म करने के लिए उकसाया गया था। सामूहिक दुष्कर्म मामले में पुलिस की टीम ने अब तक आठ आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। रविवार की सुबह 5 बजे तक छापेमारी जारी थी। मामले में दुष्कर्म करने वाले और उकसाने वाले लोगों में से किसी को भी बक्शा नहीं जाएगा- राम नारायण चौधरी, खलारी डीएसपी, रांची

पीड़िता ने थाने में दिए आवेदन में कहा कि वह पिछले दो साल से एक युवक के साथ लिव-इन में रह रही थी। डेढ़ माह पहले उक्त युवक काम के सिलसिले में केरल चला गया। उसके बाद से वह उसी युवक के घर में रह रही थी।

बीते शुक्रवार की शाम करीब सात बजे कुछ युवक पहुंचे और उसे जबरन उठाकर ले गए। इसके बाद नदी किनारे ले जाकर उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। पीड़िता का आरोप है कि आरोपियों ने उसे शनिवार सुबह छोड़ा, जिसके बाद वह किसी तरह घर पहुंची और परिजनों को घटना की जानकारी दी। इसके बाद पीड़िता के पिता उसे लेकर थाना पहुंचे।

बंद पेट्रोल पंप का शटर तोड़कर चोरी

कोडरमा, एजेंसी। कोडरमा थाना क्षेत्र के चिगलावर स्थित एक पेट्रोल पंप पर बीती रात अज्ञात चोरों ने बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम दिया। जानकारी के अनुसार, पेट्रोल पंप पिछले दो-तीन दिनों से ईंधन की कमी के कारण बंद था, जिसका फायदा उठाकर चोरों ने सुनसान स्थिति में घटना को अंजाम दिया। सुबह पेट्रोल पंप संचालक गोविंद पासवान के पिता दर्शन पासवान पंप की ओर आए।

वह रोज की तरह टहलते हुए वहां पहुंचे। वहां उन्होंने देखा कि कार्यालय का शटर टूटा हुआ है और आधा खुला पड़ा है। शक होने पर उन्होंने अंदर जाकर देखा तो कार्यालय का सारा सामान बिखरा हुआ था। कई जरूरी चीजें गायब थीं। इसके बाद उन्होंने तुरंत अपने पुत्र गोविंद पासवान को घटना की सूचना दी।

सूचना मिलते ही गोविंद पासवान मौके पर पहुंचे और कार्यालय की स्थिति देखकर सन्न रह गए। उन्होंने बताया कि चोरों ने शटर तोड़कर अंदर घुसने के बाद व्यवस्थित तरीके से चोरी की है। कार्यालय में रखे महत्वपूर्ण दस्तावेजों के साथ-साथ 55 इंच की टीवी, पेट्रोल पंप संचालन से जुड़ा

यूपीएस और छह बैटरियां गायब थीं।

इसके अलावा जनरेटर में लगी दो बैटरियां भी चोर अपने साथ ले गए। सबसे अहम बात यह रही कि चोरों ने सबूत मिटाने के इरादे से सीसीटीवी कैमरों और उनके तारों को क्षतिग्रस्त कर दिया तथा रिकॉर्डिंग के लिए इस्तेमाल होने वाला डीवीआर भी उखाड़कर ले गए। इस घटना में लगभग पांच लाख रुपए के नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है।

घटना की सूचना मिलते ही गोविंद पासवान ने कोडरमा थाना प्रभारी को जानकारी दी, जिसके बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस आसपास के इलाकों में संदिग्धों की तलाश कर रही है। स्थानीय लोगों से भी पूछताछ की जा रही है।

लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से जिले में लोगों के बीच डर का माहौल बन गया है। स्थानीय निवासियों ने पुलिस प्रशासन से रात में गश्ती बढ़ाने और ऐसे मामलों पर सख्ती से रोक लगाने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके।

नवनियुक्त सहायक आचार्यों को अब शपथ-पत्र देने पर मिलेगा वेतन

रामगढ़, एजेंसी। रामगढ़ सहित पूरे झारखंड में महीनों से वेतन का इंतजार कर रहे नवनियुक्त सहायक आचार्यों के लिए राहत भरी खबर है। प्राथमिक शिक्षा निदेशालय ने दस्तावेज सत्यापन में हो रही देरी को देखते हुए शपथ-पत्र के आधार पर वेतन भुगतान का आदेश जारी कर दिया है।

निदेशक मनोज कुमार रंजन की ओर से 08 जून 2026 को पत्रांक 923 से सभी जिला शिक्षा अधीक्षकों को यह निर्देश भेजा गया है। राज्य में हजारों सहायक आचार्यों की नियुक्ति के बाद भी वेतन भुगतान शुरू नहीं हो पाया था। समीक्षा में सामने आया कि शैक्षणिक और प्रशिक्षण प्रमाण-पत्रों के सत्यापन में देरी मुख्य वजह है। सत्यापन नहीं होने से नवनियुक्त शिक्षक आर्थिक तंगी से जूझ रहे थे। कई शिक्षकों को घर चलाने में दिक्कत हो रही थी। स्कूल आने-जाने में भी परेशानी हो रही थी।

निदेशालय ने 3 बड़े निर्देश दिए हैं। पहला, सभी सहायक आचार्यों का भविष्य निधि खाता तुरंत खुलवाया जाए। दूसरा, जिनका प्रमाण-पत्र सत्यापन नहीं हुआ है, उनसे निर्धारित प्रपत्र में शपथ-पत्र लेकर वेतन भुगतान शुरू किया जाए। शपथ-पत्र का प्रारूप भी पत्र के साथ भेजा गया है। डीएसई को अविलंब शपथ-पत्र लेकर वेतन भुगतान सुनिश्चित करने को कहा गया है। तीसरा निर्देश सत्यापन में तेजी लाने को लेकर है। सभी डीएसई को कहा गया है कि जरूरत पड़े तो संबंधित सहायक आचार्य का सहयोग लेकर भी अगले 4 महीने के अंदर हर हाल में सत्यापन पूरा करें।

अगर 4 महीने में सत्यापन पूरा नहीं हुआ तो संबंधित शिक्षक का वेतन स्वतः स्थगित माना जाएगा। यानी शपथ-पत्र पर वेतन शुरू तो होगा। सत्यापन की तलवार भी लटकती रहेगी। पत्र में साफ लिखा है कि इस प्रस्ताव पर स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के सचिव का अनुमोदन प्राप्त है। आदेश की प्रतिलिपि सभी क्षेत्रीय शिक्षा संयुक्त निदेशकों को भी भेजी गई है।

इस आदेश से राज्य के करीब हजारों नवनियुक्त सहायक आचार्यों को सीधा फायदा होगा। दिसंबर 2025 में नियुक्त हुए अधिकतर शिक्षकों को अब तक एक भी माह का वेतन नहीं मिला था। शपथ-पत्र जमा करते ही उनका बकाया वेतन जारी हो जाएगा। साथ ही हर महीने नियमित वेतन भी मिलने लगेगा। रामगढ़ जिले में 177 सहायक आचार्य की बहाली हुई है।

भगवान बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि पर राज्यपाल, मुख्यमंत्री समेत जनप्रतिनिधियों ने किया नमन

रांची, एजेंसी। धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा जी की पुण्यतिथि के मौके पर झारखंड के कई जिलों में श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कोकर, रांची स्थित उनकी समाधि स्थल पर पुष्प अर्पित कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी।

भगवान बिरसा मुंडा जी की पुण्यतिथि के अवसर पर झारखंड विधानसभा के सचेतक सह धनबाद विधायक राज सिन्हा ने बैंक मोड़ स्थित बिरसा चौक बिरसा चौक में उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर विधायक राज सिन्हा ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा जी ने आदिवासी समाज के अधिकारों, स्वाभिमान और जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। उनका अद्वितीय संघर्ष, त्याग, राष्ट्रभक्ति और सामाजिक चेतना आज भी देशवासियों को प्रेरित करता है। उन्होंने कहा कि बिरसा मुंडा जी के आदर्श और विचार समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय और सम्मान पहुंचाने की प्रेरणा देते हैं।

झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले के गुवा में मंगलवार को धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर रामनगर स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस दौरान विभिन्न सामाजिक, राजनीतिक और प्रशासनिक प्रतिनिधियों ने भगवान बिरसा मुंडा को नमन करते हुए उनके योगदान को याद किया। कार्यक्रम के तहत रामनगर स्थित बिरसा मुंडा प्रतिमा स्थल पर लोगों ने पुष्प अर्पित कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। इसके बाद बिरसा चौक स्थित भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर गुवा सेल के मुख्य महाप्रबंधक चंद्रभूषण कुमार और महाप्रबंधक प्रवीण कुमार सिंह ने माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी।

घर में चक्कर खाकर गिरी युवती, सिलबट्टे से टकराया सिर, मौत

कोडरमा, एजेंसी। कोडरमा जिले के नवलशाही थाना क्षेत्र में 15 वर्षीय किशोरी की मौत हो गई। मृतका की पहचान अंकिता कुमारी, पिता संजय मेहता के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार, अंकिता घर के अंदर बने कुएं के पास बैठकर बर्तन साफ कर रही थी। इसी दौरान उसे अचानक चक्कर आ गया।

संतुलन बिगड़ने से वह पास में रखे सिलवट पर सिर के बल गिर पड़ी। गिरते ही उसके सिर और नाक से खून बहने लगा, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। घटना के समय घर के अन्य सदस्य आसपास ही मौजूद थे, जिन्होंने आवाज सुनते ही तुरंत वहां पहुंचकर स्थिति को संभालने का प्रयास किया।

परिजनों ने घायल अवस्था में अंकिता को तत्काल सदर अस्पताल कोडरमा पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। डॉक्टरों के अनुसार, सिर में गंभीर चोट लगने के कारण उसकी मौत हुई। मृतका के भाई निशांत ने बताया कि अंकिता को लंबे समय से चक्कर आने की समस्या थी। उसका इलाज भी चल रहा था।

हाल ही में उसे एक स्थानीय अस्पताल में दिखाया गया था, जहां चिकित्सकों ने नियमित दवा लेने की सलाह दी थी। बावजूद इसके, अचानक चक्कर आने की वजह से यह हादसा हो गया। अंकिता कक्षा 9 की छात्रा थी। अगले वर्ष मैट्रिक परीक्षा देने की तैयारी कर रही थी। घटना की सूचना मिलते ही नवलशाही थाना पुलिस सदर अस्पताल पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

हजारीबाग में युवक की गोली मारकर हत्या, केदारनाथ जाने निकला था घर से

हजारीबाग, एजेंसी। हजारीबाग जिले के बरही थाना क्षेत्र अंतर्गत करसो पुल के समीप अज्ञात अपराधियों ने एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी। मृतक की पहचान हजारीबाग शहर के ओकनी निवासी विक्की सोनी के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, विक्की सोनी अपने एक मित्र के साथ केदारनाथ तीर्थ यात्रा पर जाने के लिए घर से निकले थे।

उनके मित्र अभिषेक कुमार उपाध्याय ने बताया कि वे विक्की को कोडरमा रेलवे स्टेशन छोड़ने जा रहे थे, जहां से उन्हें ट्रेन पकड़नी थी। इसी दौरान करसो पुल के पास उनकी कार का टायर अचानक पंचर हो गया। दोनों सड़क किनारे गाड़ी खड़ी कर टायर बदलने लगे, तभी यह वारदात हो गई।

अभिषेक के अनुसार, टायर बदलने के दौरान अचानक मोटरसाइकिल पर सवार दो अज्ञात अपराधी वहां पहुंचे। बिना किसी बातचीत या विवाद के विक्की सोनी को निशाना बनाते हुए उनकी गर्दन में गोली मार दी। गोली लगते ही विक्की गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े। घटना के बाद दोनों अपराधी मौके से फरार हो गए।

गोली चलने की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और तत्काल पुलिस को सूचना दी।

हालांकि जब तक पुलिस पहुंची, तब तक विक्की सोनी की मौत हो चुकी थी। घटना की खबर मिलते ही परिजन भी घटनास्थल और अस्पताल पहुंचे, जहां उनका रो-रोकर बुरा हाल था। परिजनों ने इस घटना पर आक्रोश जताते हुए अपराधियों की जल्द गिरफ्तारी और कड़ी सजा की मांग की है।

घटना की सूचना मिलते ही बरही थाना प्रभारी विनोद कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और मामले की छानबीन शुरू कर दी। पुलिस ने घटनास्थल से आवश्यक साक्ष्य जुटाए हैं। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है, ताकि अपराधियों की पहचान की जा सके। थाना प्रभारी विनोद कुमार ने बताया कि हत्या के सभी पहलुओं की गहन जांच की जा रही है।

अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए अनुमंडलीय अस्पताल बरही भेज दिया गया है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही मामले का खुलासा कर लिया जाएगा।

रामपुर गोलीकांड के मुख्य आरोपी ने कोर्ट में किया सरेंडर, रिमांड पर लेगी पुलिस

पलामू, एजेंसी। जिले के चैनपुर थाना क्षेत्र के रामपुर गोलीकांड के मुख्य आरोपी मंटू सिंह ने पलामू कोर्ट में आत्मसमर्पण कर दिया है। मंटू सिंह को पलामू पुलिस रिमांड पर लेगी और पूछताछ करेगी। मंटू सिंह 17 दिन से फरार चल रहे थे। चैनपुर थाना प्रभारी लालजी ने आत्मसमर्पण की पुष्टि की है।दरअसल, 23 मई को चैनपुर थाना क्षेत्र के रामपुर में जमीन विवाद को लेकर फायरिंग की घटना हुई थी। इस घटना में सकेंद्र चौधरी नामक युवक की मौत हो गई थी। जबकि तीन अन्य लोग गंभीर रूप से जख्मी हुए थे। घटना के बाद पूरे इलाके को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया था।रामपुर गोलीकांड मामले में 17 नामजद और 23 अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी। पुलिस ने उस दौरान कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। वहीं, बाकी की तलाश के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही थी। गोलीकांड के मुख्य आरोपी मंटू सिंह को ही बताया जा रहा था। मामले में चैनपुर थाना प्रभारी लालजी ने बताया कि पुलिस गोलीकांड के मुख्य आरोपी मंटू सिंह को रिमांड पर लेगी और पूछताछ करेगी।

संक्षिप्त समाचार

फुट ओवरब्रिज से मालगाड़ी पर कूदा युवक, हाईटेंशन तार में फंसकर बुरी तरह झुलसा

समस्तीपुर, एजेंसी। बिहार के समस्तीपुर जंक्शन पर शनिवार देर रात एक चौंकाने वाला हादसा हो गया। फुट ओवरब्रिज से नीचे खड़ी मालगाड़ी पर छलांग लगाने वाले एक युवक की हाई टेंशन तार से टकराते ही बुरी तरह जल गई। युवक करीब 70-80 प्रतिशत तक झुलस गया। घटना लाइन नंबर 5 पर खड़ी मालगाड़ी की है ।छलांग लगाते समय युवक हाई टेंशन तार में फंस गया और उसका शरीर धू-धूकर जलने लगा। रेलवे अधिकारियों ने तुरंत बिजली आपूर्ति बंद कर दी। प्रत्यक्षदर्शियों की मदद से पूरी तरह झुलसे युवक को नीचे उतारा गया। युवक काफी देर से फुट ओवरब्रिज पर खड़ा था ।आरपीएफ ने अस्पताल पहुंचाया : आरपीएफ की टीम ने घायल युवक को तुरंत समस्तीपुर सदर अस्पताल पहुंचाया। वहां से हालत गंभीर होने पर उसे दरभंगा मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया गया। युवक की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है ।आरपीएफ इंस्पेक्टर अविनाश क्रोशिया ने बताया कि युवक मानसिक रूप से बीमार प्रतीत होता है। उसकी मानसिक स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए ष्टरूष्ट॥ भेजा गया है। आरपीएफ इस पूरे मामले की जांच कर रही है ।पुलिस और आरपीएफ अभी यह स्पष्ट नहीं कर पाई है कि युवक ने जानबूझकर छलांग लगाई या कोई अन्य कारण था। आत्महत्या का प्रयास माना जा रहा है, लेकिन जांच जारी है। युवक की उम्र और निवास स्थान की जानकारी भी अभी तक नहीं मिल सकी है ।समस्तीपुर जंक्शन पर फुट ओवरब्रिज से इस तरह की छलांग की घटना रेलवे सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़ा करती है। देर रात घटना होने से यात्री और रेलवे कर्मी दोनों सकते में हैं। आरपीएफ ने पूरे मामले की विस्तृत जांच शुरू कर दी है। युवक का इलाज डीएमसीएच में चल रहा है। प्रशासन की नजर घायल युवक की स्थिति और पहचान पर बनी हुई है।

गैस सिलेंडर की कालाबाजारी का भंडाफोड़, एक्शन के बाद माफियाओं के बीच हड़कंप

कटिहार, एजेंसी। बिहार के कटिहार जिले में कमर्शियल गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी के खिलाफ प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए गैस माफियाओं के नेटवर्क पर चोट पहुंचाई है। कुर्सेला क्षेत्र में पुलिस और आपूर्ति विभाग की संयुक्त टीम ने छापेमारी कर एक ऑटो से 10 कमर्शियल गैस सिलेंडर बरामद की है। कार्रवाई के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है। प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी किंचित कुमार ने बताया थानाध्यक्ष ने सूचना दी कि कुर्सेला पिकेट पर एक ऑटो में 10 कमर्शियल सिलेडर लदे हैं। सूचना के बाद हमलोग जांच करने पहुंचे और चालक से कागज दिखाने को कहा गया। चालक बहाने बनाने लगा। अवैध रूप से सिलेंडर ले जाया जा रहा था। इंडेन गैस की बॉडी और मार्क भारत का भी लगा हुआ है ।उन्होंने कहा कि कालाबाजारी करते हुए सिलेंडर की सप्लाई की जा रही है। चालक के पास कोई कागज नहीं था। बॉडी अलग है और सील किसी और कंपनी का है। एजेंसी संचालक संदेह के घेरे में है। मामले में एफआईआर कर दिया गया है। कुर्सेला भारत गैस की मिली भगत पाई गई है ।आपूर्ति विभाग के अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि कमर्शियल गैस सिलेंडरों का व्यावसायिक उपयोग और अवैध कारोबार कानूनन अपराध है। ऐसे मामलों में शामिल लोगों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। प्रशासन ने संकेत दिए हैं कि जिले में गैस कालाबाजारी के खिलाफ आगे भी लगातार छापेमारी अभियान चलाया जाएगा। इस कार्रवाई को गैस की कालाबाजारी पर बड़ी चोट माना जा रहा है। प्रशासन की सख्ती से अवैध कारोबारियों में खौफ का माहौल है, जबकि आम उपभोक्ताओं ने इस कदम का स्वागत किया है।

मधेपुरा में महिला की गोली मारकर हत्या:बेटे के साथ बाइक से लौट रही थी घर

मधेपुरा, एजेंसी। मधेपुरा के पुरैनी थाना क्षेत्र में सोमवार रात अपराधियों ने एक महिला की गोली मारकर हत्या कर दी। घटना के बाद पुलिस मौके पर पहुंच कर जांच में जुट गई है। मृतका की पहचान औराय पंचायत के वार्ड-18 स्थित दीवान टोला चंदा निवासी सईद नदाफ की पत्नी जेरून खातून (65) के रूप में हुई है। जेरून खातून सोमवार की रात अपने बेटे नसीम के साथ सरपंच के पास गई थी। रात लगभग 8 ।30 वह बाइक से घर लौट रही थी। इसी दौरान चंदा से रसूल टोला जाने वाली सड़क पर खेरहो मुसहरिया के समीप घात लगाए अपराधियों ने उन पर गोली चला दी। गोली लगने से जेरून खातून गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़ीं। घटना को अंजाम देने के बाद अपराधी मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को इसकी जानकारी दी। सूचना पाकर पुरैनी थाना पुलिस तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया के लिए थाना लाया। महिला की हत्या किन कारणों से की गई, इसका खुलासा अभी नहीं हो सका है। पुलिस विभिन्न एंगल को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है। घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। अपराधियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है ।इस घटना से मृतका के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं, इलाके में भय और आक्रोश का माहौल बना हुआ है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और जल्द ही अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

तेज आंधी-बारिश का कहर, एक परिवार तबाह!,

मां समेत चार बच्चों की मौत

सीतामढ़ी, एजेंसी। बिहार के विभिन्न इलाकों में सोमवार देर रात तेज आंधी और मूसलाधार बारिश ने भारी तबाही मचाई। सीतामढ़ी जिले के रिगा प्रखंड अंतर्गत रेवासी गांव में एक कच्चे मकान पर विशाल पीपल का पेड़ गिरने से एक ही परिवार के पांच सदस्यों की मौत हो गई। घटना सोमवार रात 1 से 2 बजे के बीच धनुषी टोला में हुई, जहां सिकंदर सहनी का फूस का मकान पूरी तरह ध्वस्त हो गया। पेड़ गिरने से मकान के अंदर सो रहे परिवार के सदस्य दब गए। मृतकों में सिकंदर सहनी की 28 वर्षीय पत्नी पूजा देवी, 7 वर्षीय पुत्र राजकुमार, 5 वर्षीय पुत्री शिवानी कुमारी और मात्र एक माह का नवजात शिशु शामिल हैं। एक अन्य बच्चे की भी मौत हो गई।

एक बच्चा गंभीर रूप से घायल: हादसे में परिवार का पुत्र वीर बहादुर गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे तुरंत स्थानीय अस्पताल पहुंचाया गया जहां डॉक्टर उसकी निगरानी में इलाज कर रहे हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार तेज हवा और बारिश में पुराना पीपल का पेड़ जड़ से उखड़कर सीधे मकान पर गिर पड़ा, जिससे परिवार को बचने का कोई मौका नहीं मिला।

मौके पर पहुंचा पुलिस-प्रशासन: सूचना मिलते ही सदर डीएसपी-1 राजीव कुमार सिंह, रिगा थाना प्रभारी अभिषेक त्रिपाठी और पुलिस बल मौके पर पहुंचा। राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया तथा शवों को कब्जे में लेकर कानूनी कार्रवाई शुरू की गई। ग्रामीणों ने भी पुलिस की मदद की।

प्राकृतिक आपदा बताई ने ली जान: डीएसपी राजीव कुमार सिंह ने इसे पूरी तरह प्राकृतिक आपदा बताया। उन्होंने कहा कि प्रशासन पीड़ित परिवार को हर संभव मदद उपलब्ध कराएगा। अंचल अधिकारी और प्रखंड विकास पदाधिकारी को तत्काल राहत पहुंचाने के निर्देश दिए गए हैं।

बेतिया में भी भारी तबाही: बेतिया जिले के नरकटियागंज में भी तेज आंधी और भारी बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया। तेज हवा से कई बड़े पेड़ और बिजली के खंभे उखड़कर सड़कों पर गिर गए। नरकटियागंज-बलथर और नरकटियागंज-रामनगर मुख्य मार्गों पर यातायात कई घंटों तक बाधित रहा।

बिजली व्यवस्था चरमराई: संस्कृत विद्यालय परिसर में चल रहे लक्ष्मी नारायण महायज्ञ का विशाल पंडाल भी आंधी में गिर गया। हालांकि स्थानीय लोगों की सतर्कता से बड़ा हादसा टल गया। क्षेत्र में बिजली आपूर्ति पूरी तरह ठप हो गई, जिससे गर्मी और पानी की समस्या बढ़ गई।

राहत कार्य शुरू, सतर्कता की अपील: प्रशासन, बिजली विभाग और ग्रामीणों ने संयुक्त रूप से राहत कार्य शुरू कर दिया। जेसीबी मशीनों से सड़कों से पेड़ हटाए जा रहे हैं। प्रशासन ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। बेतिया में जानमाल का नुकसान नहीं हुआ, जो राहत की बात है।

बुधवार के मौसम का पूर्वानुमान: बुधवार को पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, शिवहर, सीतामढ़ी, मधुबनी, सुपौल, अररिया, किशनगंज, पूर्णिया, कटिहार, मधेपुरा, सहरसा, खगड़िया, भागलपुर, बांका, मुंगेर, जमुई, समस्तीपुर, दरभंगा, मुजफ्फरपुर, वैशाली, सारण, सिवान और गोपालगंज में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इन जिलों में 50-60 किमी की रफ्तार से तेज हवा और वज्रपात के साथ बारिश की संभावना है। इसमें कोसी सीमांचल क्षेत्र में भारी वर्षा की आशंका है।

बगहा में आंधी-तूफान की तबाही: बगहा के रामनगर आंधी तूफान के साथ बारिश ने लोगों की रूह कंपा दी। आंधी के कारण कई घरों के छप्पड़ उड़ गए। ज्यादा असर पेड़-पौधों पर दिखाई दिया। रामनगर से लौरिया मुख्य सड़क के बीच दर्जनों पेड़ सडक पर गिर पड़े। सबसे विशाल पेड़ रामनगर बखरी मुख्य सड़क के बीच बंजरीया चौक के समीप गिरा जिससे हजारों राहगीरों को घंटो देर तक जाम मे फसना पड़ा। रामनगर से नरकटियागंज मुख्य सड़क के बीच भी दर्जनों पेड़ सडक पर गिरे।

जाम में फंसे लोगों की आपबीती: परमेश्वर कुमार बताते है कि छह 6:15 मिनट की घटना है। बहुत ज्यादा पेड़ आंधी तूफान से गिरा हुआ है। रास्ता जाम है लेकिन अभी तक प्रशासन को कोई मतलब नहीं है। 1 घंटे से हम लोग यहां पर फंसे हुए हैं।

बिहार में भीषण सड़क हादसा, श्रद्धालुओं से भरी कार को ट्रैक्टर ने मारी टक्कर

औरंगाबाद, एजेंसी। बिहार के औरंगाबाद में सड़क हादसा हो गया है। यहां गोह थाना क्षेत्र स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 120 पर श्रद्धालुओं से भरी कार और ट्रैक्टर के बीच जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में तीन महिला श्रद्धालुओं की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए हैं।

मिली जानकारी के मुताबिक ये सभी अरवल जिले के मेहंदिया में मधुशर्मा मलमास मेले में स्नान करके वापस आ रहे थे। हादसे के बाद सभी घायलों को मगध मेडिकल कॉलेज गयाजी ले जाया गया है। तीनों मृत महिलाएं औरंगाबाद की रहने वाली हैं।

मृतकों की पहचान दाउदनगर थाना क्षेत्र के हिछन बिगहा गांव निवासी उपेंद्र कुमार की 45 वर्षीय पत्नी ममता कुमारी, उनकी 18 वर्षीय पुत्री चुलबुल कुमारी और उपहारा थाना क्षेत्र के डड़वा गांव निवासी स्वर्गीय विनोद यादव की 17वर्षीय पुत्री खुशी कुमारी के रूप में हुई है।

वहीं घायलों में उपेंद्र कुमार की 14 वर्षीय पुत्री मुस्कान कुमारी, उनके 12 वर्षीय पुत्र समर कुमार और स्वर्गीय विनोद यादव की 40 वर्षीय पत्नी संगीता देवी शामिल हैं। गंभीर रूप से घायल मुस्कान और समर को बेहतर इलाज के लिए गयाजी मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है।जानकारी के अनुसार, ये सभी लोग अरवल जिले के मेहंदिया स्थित मधुशर्मा मेले से पवित्र स्नान कर वापस अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान एनएच 120 पर दधपि गांव के पास तेज रफ्तार बेलगाम बालू लदे ट्रैक्टर ने उनकी कार में जोरदार टक्कर मार दी। ये टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार के परखच्चे उड़ गए।घटना के संबंध में एसडीपीओ अशोक कुमार दास ने बताया कि हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल में जुट गई है।

मुजफ्फरपुर में फाइनेंस कर्मी को मारी गोली

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। मुजफ्फरपुर के मुसहरी थाना क्षेत्र में देर रात अपराधियों ने एक फाइनेंस कंपनी के कर्मी को गोली मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना बकटपुर हाट बाजार के समीप हुई, जहां गोली लगने के बाद युवक सड़क किनारे गिर पड़ा। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई और पुलिस को जानकारी दी गई। सूचना पर पहुंची मुसहरी थाना पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।घायल युवक की पहचान सकरा थाना क्षेत्र के मुरौल ओपी अंतर्गत मोहम्मदपुर गांव निवासी अजय पासवान के 25 वर्षीय पुत्र राजीव कुमार के रूप में हुई है। उसे पहले मुसहरी पीएचसी ले जाया गया, जहां से गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए शहर के अस्पताल में रेफर कर दिया गया।

घायल राजीव कुमार ने बताया कि वह शहर में काम खत्म करने के बाद बाइक से अपने घर लौट रहे थे। बकटपुर हाट बाजार से आगे बढ़ने पर उन्होंने देखा कि तीन बदमाश राहगीरों को रोक रहे थे। आशंका होने पर उन्होंने अपनी बाइक नहीं रोकी और आगे बढ़ने लगे। इसी दौरान बदमाशों ने उनका पीछा किया और एक हवाई फायरिंग के बाद उन्हें निशाना बनाकर गोली चला दी। राजीव के अनुसार गोली उनके पेट के निचले हिस्से में लगी। गोली लगते ही वह बाइक से गिर पड़े, जबकि तीनों बदमाश शहर की ओर फरार हो गए।

घटना के बाद आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और घायल युवक की मदद की। परिजनों को सूचना दी गई, जिसके बाद उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया। परिजनों ने बताया कि राजीव रोज की तरह काम खत्म कर घर लौट रहे थे, तभी रास्ते में अपराधियों ने उन्हें गोली मार दी।

मिली जानकारी के अनुसार, बदमाश हाई स्पीड बाइक पर सवार थे। राजीव को गोली मारने से पहले उन्होंने ने एक साइकिल सवार से मोबाइल छीना था। इसके बाद फायरिंग की, इसके बाद फाइनेंस कर्मी राजीव पर गोली चला दी। इसके बाद आगे जाकर भी फायरिंग करते हुए फरार हो गए।

मामले की सूचना मिलते ही मुसहरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है। पूर्वी-2 के डीएसपी मनोज कुमार सिंह ने बताया कि घायल युवक के पेट में गोली लगी है और उसका इलाज चल रहा है। प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई है कि अपराधी पहले एक साइकिल सवार से मोबाइल और रुपए छीनकर भाग रहे थे। इसी दौरान गोलीबारी की घटना हुई। पुलिस सभी बिंदुओं पर गंभीरता से जांच कर रही है और अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

मुजफ्फरपुर के बैरिया स्थिति मां जानकी हॉस्पिटल के संचालक सह इलाज कर रहे डॉक्टर डॉ अमितांशु प्रांजल ने बताया कि गोली लगा हुआ एक मरीज आया है स्थिति थोड़ी चिंता जनक है पेट में बुलेट लगा है, इलाज किया जा रहा है।

बिहार में गैस सिलेंडरों से लदा टैंकर ही पलट गया, राष्ट्रीय राजमार्ग-31 पर मची अफरा-तफरी

कटिहार, एजेंसी। बिहार के कटिहार में कुर्सेला थाना क्षेत्र अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग-31 पर शनिवार को उस समय अचानक अफरा-तफरी मच गई, जब गैस सिलेंडरों से लदा एक टैंकर विषहरी स्थान के पास अचानक अनियंत्रित होकर पलट गया। इस हादसे के बाद कुछ देर के लिए पूरे इलाके में भारी दहशत का माहौल बन गया

अनहोनी की आशंका से सहमे लोग: हादसे के बाद स्थानीय लोग किसी बड़ी अनहोनी की आशंका से पूरी तरह सहम उठे। हालांकि राहत की बात यह रही कि इस दुर्घटना में कोई जनहानि नहीं हुई और न ही किसी प्रकार का गैस रिसाव हुआ।

दहशत का माहौल: वहां मौजूद प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टैंकर के पलटते ही बहुत तेज आवाज हुई, जिससे आसपास के लोग तुरंत घटनास्थल की ओर दौड़ पड़े। गैस सिलेंडरों से लदा वाहन देखकर वहां जुटे लोगों की चिंता और ज्यादा बढ़ गई, लेकिन स्थिति जल्द ही नियंत्रण में आ गई। चालक का बयान: टैंकर चालक हफीजुद्दीन ने बताया कि वह गैस सिलेंडर लेकर बांका से किशनगंज जा रहा था। कुर्सेला के विषहरी स्थान के पास अचानक सड़क पर एक कुत्ता आ गया। उसे बचाने के प्रयास में वाहन का संतुलन बिगड़ गया और टैंकर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया।

पुलिस की कार्रवाई: हादसे की सूचना मिलते ही कुर्सेला थाना पुलिस और स्थानीय प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। प्रशासन ने तत्काल स्थिति का जायजा लिया और सुरक्षा के मद्देनजर आवश्यक कदम उठाए।

टली बड़ी तबाही: स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि टैंकर से गैस का रिसाव होता या कोई अन्य अप्रिय घटना घटती, तो बड़ा हादसा हो सकता था। लेकिन समय रहते स्थिति संभल जाने से एक संभावित बड़ी तबाही टल गई।

मामले की जांच:फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है। दुर्घटनाग्रस्त टैंकर को हटाने की प्रक्रिया जारी है। दुर्घटना के कारण कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित रहा, लेकिन पुलिस की तत्परता से आवागमन को सामान्य कर दिया गया।

नालंदा में तेज रफ्तार ट्रक ने युवक को कुचला, मौत

नालंदा, एजेंसी। नालंदा में बिहटा-सरमेरा मार्ग पर नगरनौसा थाना क्षेत्र स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के समीप सोमवार की देर शाम एक भीषण सड़क हादसे में 19 साल के बाइक सवार युवक की जान चली गई। मृतक की पहचान चंडी थाना क्षेत्र के जागो बीघा निवासी इंदु राम के पुत्र संजीव कुमार के रूप में हुई है। अस्पताल में इलाज के दौरान युवक ने दम तोड़ दिया। इस घटना के बाद गांव में मातम पसर गया है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

घटना के संबंध में मृतक के चाचा ऋतु राम ने बताया कि संजीव नगरनौसा बाजार स्थित एक मिठाई की दुकान में काम कर अपने परिवार का भरण-पोषण करता था। बाइक से घर (जागो बीघा) से नगरनौसा मिठाई दुकान जा रहा था। इसी बीच नगरनौसा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के पास एक बेलगाम ट्रक ने उसकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भयंकर थी कि संजीव गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़ा। आनन-फानन में स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से उसे नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन दुर्भाग्यवश चिकित्सकों ने इलाज के दौरान उसे मृत घोषित कर दिया।

संजीव की मौत की खबर मिलते ही उसके परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। संजीव का विवाह एक साल पहले ही 5 मई 2025 को बेना थाना क्षेत्र के सिरनाम गांव निवासी मोहन राम की पुत्री पुनीता कुमारी के साथ हुआ था। अभी उनकी कोई संतान भी नहीं थी। पति की इस असामयिक मौत की खबर से पत्नी पुनीता कुमारी गहरे सदमे में है और बदहवास हो गई है। घर-आंगन में जो खुशियां एक साल पहले आई थीं, वे अचानक मातम में बदल गई हैं।

मामले की जानकारी देते हुए नगरनौसा थानाध्यक्ष शशि मिश्रा ने बताया कि सड़क दुर्घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई थी। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बिहारशरीफ सदर अस्पताल भेज दिया है और आगे की कानूनी प्रक्रिया पूरी की जा रही है।

थानाध्यक्ष ने बताया कि दुर्घटना में शामिल ट्रक को पुलिस ने जब्त कर लिया है। हालांकि, हादसे के तुरंत बाद ट्रक चालक मौके से फरार होने में सफल रहा। फिलहाल पुलिस वाहन नंबर के आधार पर आरोपी चालक की पहचान करने और उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है।

सब्जी बेचने वाली-मजदूर की बेटी ने राज्यस्तरीय वुशू चैंपियनशिप में जीता गोल्ड

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। मुजफ्फरपुर के इस्मशान घाट में पढ़ने वाली और स्लम बस्ती में रहने वाली दो बेटियों ने राज्यस्तरीय वुशू चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीता है। अब ये राष्ट्रीय चैंपियनशिप में खलेंगी। स्लम बस्ती में रहने वाली दो बेटियों माहिरा और संध्या ने आर्थिक तंगी और सीमित संसाधनों के बावजूद कमाल किया है। एक के पिता मजदूर है, तो दूसरे के पिता सब्जी बेचते हैं। दोनों ने भागलपुर के खेल भवन में आयोजित 16वीं राज्य स्तरीय वुशू चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतकर न सिर्फ अपने परिवार, बल्कि पूरे जिले का नाम रोशन कर दिया है।

दोनों बच्चियों का चयन अब राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए हुआ है, जहां वे बिहार का प्रतिनिधित्व करेंगी। यह उपलब्धि उन्होंने सब जूनियर अंडर-14 वर्ग में हासिल की है।

सिकंदरपुर मुक्तिधाम परिसर में संचालित अप्पन पाठशाला में पढ़ने वाली माहिरा और संध्या की सफलता आज पूरे शहर के लिए प्रेरणा बन गई है। पढ़ाई के साथ-साथ दोनों ने वुशू खेल में भी कड़ी मेहनत की और अब राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने का रास्ता तय कर लिया है।

अपनी सफलता पर दोनों बच्चियों ने कहा कि यह उपलब्धि उनके प्रशिक्षकों सुनील कुमार, अजीत कुमार सिंह और खेलो इंडिया के प्रशिक्षक करण कुमार के मार्गदर्शन का परिणाम है। उन्होंने बताया कि गुरुजनों की मेहनत और लगातार प्रोत्साहन ने उन्हें यहां तक पहुंचाया है।

11 साल माहिरा सिकंदरपुर कुंडल की रहने वाली है। उसके पिता सब्जी बेचकर परिवार का भरण-पोषण करते हैं, जबकि मां मजदूरी करती हैं। माहिरा पिछले पांच साल से अप्पन पाठशाला में पढ़ रही है और करीब डेढ़ साल से वुशू का प्रशिक्षण ले रही है। वह रोजाना लगभग दो घंटे अभ्यास करती है। माहिरा बताती है कि स्वर्ण पदक जीतने के बाद सबसे पहले उसने अपने शिक्षक को फोन कर यह खुशखबरी सुनाई। वह अपनी सफलता का श्रेय अपने प्रशिक्षकों और अप्पन पाठशाला के संस्थापक सुमित कुमार को देती है।

12 साल संध्या सिकंदरपुर के अंबेडकर नगर स्लम बस्ती की निवासी है। उसके पिता पलदारी का काम करते हैं, जबकि मां घरों में चौका-बर्तन करके परिवार चलाती हैं। संध्या भी पिछले पांच साल से अप्पन पाठशाला में पढ़ाई कर रही है और साथ ही वुशू का प्रशिक्षण ले रही है। वह कहती है कि उसका सपना देश के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वर्ण पदक जीतना है। संध्या ने बताया है कि वो सांतवीं कक्षा में पढ़ती है। वो जमकर खेलती हैं और अब नेशनल खेल कर गोल्ड लाना है।

अप्पन पाठशाला के संस्थापक सुमित कुमार ने कहा कि माहिरा और संध्या की सफलता उनके संघर्ष, अनुशासन और मेहनत का परिणाम है। उन्होंने कहा कि सीमित संसाधनों के बावजूद दोनों बच्चियों ने यह साबित कर दिया है कि प्रतिभा किसी पहचान या आर्थिक स्थिति की मोहताज नहीं होती। उन्हें पूरा विश्वास है कि दोनों खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर भी स्वर्ण पदक जीतकर बिहार और देश का नाम रोशन करेंगी।

वुशू प्रशिक्षक सुनील कुमार, जो स्वयं राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी रह चुके हैं, बताते हैं कि करीब दो साल पहले उनकी मुलाकात अप्पन पाठशाला के संस्थापक सुमित कुमार से हुई थी। बच्चों की प्रतिभा देखकर उन्होंने उन्हें प्रशिक्षित करना शुरू किया। सुनील कुमार कहते हैं कि माहिरा और संध्या में असाधारण क्षमता है। अब राष्ट्रीय प्रतियोगिता की तैयारी के लिए दोनों को रोजाना करीब चार घंटे अभ्यास कराया जाएगा।

अपन पाठशाला के संचालक सुमित कुमार ने बताया कि बिल्कुल स्लम बस्ती की तंग गलियों से निकलकर राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतने वाली माहिरा और संध्या आज हजारों बच्चों के लिए प्रेरणा बन गई हैं। आर्थिक अभाव के बीच उनकी यह सफलता बताती है कि यदि अवसर और सही मार्गदर्शन मिले तो कोई भी बच्चा अपनी प्रतिभा के दम पर नई ऊंचाइयों को छू सकता है।

संक्षिप्त समाचार

छत के पास से गुजर रही एलटी लाइन की चपेट में आने से महिला की मौत

गोरखपुर, एजेंसी। सरदारनगर (गोरखपुर)। चौरीचौरा थाना क्षेत्र के जंगल मठिया गांव में सोमवार शाम महिला की करंट लगने से मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, रीता देवी (45) पत्नी राजकुमार शाम को अपने घर की छत पर गई थीं। इसी दौरान छत के समीप से गुजर रही एलटी लाइन की चपेट में आ गईं, जिससे वह गंभीर रूप से झुलसकर अचेत हो गईं। परिजन और स्थानीय लोग उन्हें तत्काल उपचार के लिए एम्स लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। प्रभारी निरीक्षक चौरीचौरा वेद प्रकाश शर्मा ने बताया कि प्रथम दृष्टया महिला की मौत करंट लगने से हुई है। मामले में आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

परीक्षा केंद्र में मोबाइल लेकर घुसा अभ्यर्थी, छह पुलिसकर्मियों पर गिरी गाज; एसपी ने किया निलंबित

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश पुलिस में सिपाही भर्ती के पहले दिन सोमवार को 75.15% अभ्यर्थी शामिल हुए। वहीं, परीक्षा में गड़बड़ी करने वालों के खिलाफ अलग-अलग जगह पांच प्राथमिकी दर्ज की गई हैं। हापुड़ में पिलखुवा के सर्वोदय इंटर कॉलेज केंद्र में अमरोहा निवासी अभ्यर्थी सचिन पुलिस कर्मियों और जांच टीम को चकमा देकर मोबाइल फोन अंडर वियर में छिपाकर अंदर ले गया। लघुशंका की बात कहकर वह शौचालय गया। काफी देर तक वापस नहीं लौटने पर शक के आधार पर जांच की गई तो उससे मोबाइल बरामद हुआ। मामले में लापरवाही पर एसपी ने दो दरोगा सहित छह पुलिस कर्मियों को निलंबित कर दिया है। आरोपी अभ्यर्थी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। वहीं, गोरखपुर से दो अभ्यर्थी गिरफ्तार किए गए। आजमगढ़ में एक को हिरासत में लिया गया है। दो रिपोर्ट लखनऊ में भी दर्ज हुई।

आईआईटी छात्रा से दुष्कर्म में दूसरे विवेचक कोर्ट से गैर हाजिर, टली सुनवाई; 24 जून को अगली तारीख

वाराणसी, एजेंसी। आईआईटी बीएचयू की छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म के मामले में सोमवार को फास्टट्रैक कोर्ट (प्रथम) कुलदीप सिंह की अदालत में सुनवाई हुई। गवाह दूसरे विवेचक शिवाकांत मिश्रा के सरकारी कार्य में व्यस्त होने के कारण उपस्थित नहीं हो सके। अगली सुनवाई 24 जून की तिथि नियत की है। पिछली तिथि से आरोपी कुणाल पांडेय और सक्षम पटेल की तरफ से अधिवक्ता की जिरह जारी है। कोर्ट में अभियोजन की तरफ से एडीजीसी मनोज गुप्ता और बचाव पक्ष की तरफ से अधिवक्ता रहे। प्रकरण के अनुसार, बीएचयू परिसर में दो नवंबर 2023 की रात में आईआईटी की छात्रा के साथ बाइक सवार तीन आरोपियों ने सामूहिक दुष्कर्म किया था। पीड़िता ने तीनों के खिलाफ लंका थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई। विवेचना में तीनों आरोपियों कुणाल पांडेय, आनंद चौहान उर्फ अभिषेक और सक्षम पटेल का नाम प्रकाश में आने पर आरोपी बनाया था। विवेचक सहजानंद श्रीवास्तव की बहुत पहले ही बयान हो चुका है। दूसरे विवेचक शिवाकांत मिश्रा की गवाही के लिए लंबित है।

युवती को ले जाने के आरोपी के चाचा की मौत, परिजनों ने थाने के गेट पर किया हंगामा

बरेली। बरेली के देवरनियां क्षेत्र में लड़की को ले जाने के आरोपी के चाचा फुरकान की सोमवार को मौत हो गई। परिजनों ने आरोप लगाया कि लड़की पक्ष ने घर आकर धमकाया तो उसी सदमे में फुरकान की जान चली गई। देवरनियां थाने के गेट पर शव रखकर परिजनों व ग्रामीणों ने दो घंटे तक जमकर हंगामा किया। पुलिसकर्मियों से उनकी तीखी नोकझोंक हुई। भीड़ को खदेड़ने के लिए पुलिस को लाठियां फटकारनी पड़ीं। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया तो परिजनों का गुस्सा शांत हुआ। देवरनियां थाना क्षेत्र के गांव कठर्रा निवासी सोहेल का एक लड़की से प्रेम प्रसंग है। वह दो मई को लड़की को साथ ले गया। चार मई को लड़की के परिजनों ने सोहेल के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इस बीच सोमवार को सोहेल के चाचा फुरकान की मौत हो गई। परिजन और गांव वाले शव लेकर देवरनियां थाने पहुंचे और शव गेट पर रखकर हंगामा करने लगे। सलमान ने आरोप लगाया कि लड़की पक्ष ने घर आकर धमकी दी थी, जिसके सदमे से पिता फुरकान की मौत हो गई। सीओ अरुण कुमार सिंह व बहेड़ी, शेरगढ़, भोजीपुरा की पुलिस टीम मौके पर पहुंची। थाना प्रभारी आशुतोष द्विवेदी ने बताया कि दोनों पक्षों के बीच दो जून से विवाद चल रहा था। लड़की पक्ष बेटी को लौटाने का दबाव बना रहा था। फुरकान बीमार था और तीन जून से अस्पताल में भर्ती था। उसे शुगर और पैरालिसिस था। उसकी मौत बीमारी से हुई है। परिजनों की सहमति से फुरकान के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया। इसके बाद मामला शांत हुआ। गांव में पुलिस टीम तैनात है।

125 साल पहले ऐसा दिखता था ताजमहल

लॉर्ड कर्जन ने बचाई मोहब्बत की अनमोल इमारत

आगरा, एजेंसी। ताजमहल का वर्तमान स्वरूप काफी हद तक 1901 में लॉर्ड कर्जन द्वारा कराए गए संरक्षण और सौंदर्यीकरण कार्यों का परिणाम है, जिसमें बगीचों का पुनर्निर्माण और कई संरचनात्मक बदलाव शामिल थे। उन्होंने ताजमहल की दुश्यता सुधारने के साथ-साथ लैंप, बेंच और अन्य सजावटी तत्व भी लगवाए, जिससे इस स्मारक की भव्यता और बढ़ गई।

दुनिया के अजूबों में शुमार ताजमहल हमेशा से ऐसा नहीं था, जैसा अब सैलानी अपनी यादों में बसाए हुए हैं। 125 साल पहले ब्रिटिश वायसराय लॉर्ड कर्जन ने ताजमहल में संरक्षण के साथ कई ऐसे काम कराए जिनकी अब सबसे ज्यादा चर्चा होती है। ताजमहल में कर्जन ने अपने काम से न केवल इसकी सूरत बदल दी, बल्कि सेंट्रल टैंक पर संगमरमर की चार बेंच के साथ लैंप का ऐसा तोहफा दिया जो ताजमहल की शान को और बढ़ाता है।

मुगल सल्तनत के सिमट जाने के बाद इसकी देखरेख न होने से सेंट्रल टैंक और नहरों के किनारे घना जंगल उग आया था, जहां बड़े और ऊंचे पेड़ों के कारण ताजमहल का केवल गुंबद ही रॉयल गेट और सेंट्रल टैंक से नजर आता था। ब्रिटिश भारत के तत्कालीन वायसराय लॉर्ड कर्जन (1899 से 1905) ने ताजमहल के संरक्षण का काम 1901 में शुरू कराया था। बड़े पैमाने पर कराए गए संरक्षण कार्यों ने न केवल इस मोहब्बत की अनमोल इमारत को ढहने से बचाया, बल्कि इसके खोए हुए गौरव को भी बहाल कर दिया।

कर्जन ने ताजमहल में उगे ऊंचे पेड़ों और झाड़ियों को कटवा कर बगीचे का ले-आउट बदल दिया और लॉन बनवाकर दुश्यता में सुधार किया। प्राचीन स्मारक संरक्षण अधिनियम, 1904 के जरिये ताजमहल समेत स्मारकों के आसपास होने वाले अवैध निर्माण और तोड़-फोड़ पर पूरी तरह रोक लगा दी गई।

लॉर्ड कर्जन ने 1907 में लगवाई थी डायना बेंच : ताज के सेंट्रल टैंक पर संगमरमर से बनी चार बेंच हैं, जिन पर बैठकर सभी राष्ट्राध्यक्ष और हस्तियां अपने यादगार फोटो खिंचवाते हैं, उन्हें लॉर्ड कर्जन ने ही लगवाया था। पूर्व संरक्षण सहायक सर्वेश कुलश्रेष्ठ ने बताया कि वर्ष 1907 में सेंट्रल टैंक पर मौजूद भद्दी कुर्सियों को हटवाकर उन्होंने संगमरमर की मुलियाप डिजाइन वाली चार बेंच रखवाई, जहां से ताज का अनूठा अक्श पानी में नजर आता है। वर्ष 1992 में प्रिंसेज डायना जिस सीट पर बैठीं, उस बेंच का नाम डायना बेंच पड़ गया। दुनिया के 160 देशों से ज्यादा के राष्ट्राध्यक्ष यहां आकर फोटो खिंचवा चुके हैं।

मुख्य गुंबद और रॉयल गेट पर लगाया कर्जन लैंप : एएसआई के पूर्व संरक्षण सहायक डॉ. आरके दीक्षित के मुताबिक लॉर्ड कर्जन जब मिस्र और काहिरा की यात्रा पर थे, तो वहां सुल्तान बैबर के मकबरे में मौजूद झूमर (लैंप) से बेहद प्रभावित हुए। उन्होंने काहिरा के कारीगरों से ताजमहल के मुख्य गुंबद और रॉयल गेट के लिए लैंप तैयार कराया। 16 फरवरी 1908 में इन्हें शाहजहां-मुमताज की कब्रों के ऊपर लगाया गया। इस पर फारसी में लिखा गया है कि मुमताज महल के मकबरे को लॉर्ड कर्जन की भेंट।

यूनाइटेड प्रॉविंस के स्मारकों के संरक्षण पर आर फॉउड ट्रकर की रिपोर्ट में बताया गया है कि लॉर्ड कर्जन ने ताजमहल के फोरकोर्ट में छह लाइटें लगवाईं। इन लाइटों को कुषाण काल में उपयोग किए गए खंभों की तरह से डिजाइन किया गया। मथुरा के म्यूजियम में कुषाण काल के अवशेष देखकर लॉर्ड कर्जन ने इन्हें तैयार करवाया था। कर्जन ने ही ताजमहल के म्यूजियम को तैयार कराया।

अक्टूबर में नमो घाट पर गूंजेगी जेट विमानों की गर्जना, पीएम मोदी समेत कई दिग्गज होंगे दर्शक

वाराणसी, एजेंसी। प्रयागराज के बाद काशी में अक्टूबर के अंतिम सप्ताह में एयर शो नमो घाट पर होगा। एयरफोर्स के अधिकारी लगातार बाबतपुर अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के अधिकारियों से संपर्क में हैं। योजनाएं तैयार हैं। एयर शो में सूर्यकिरण जेट वाराणसी एयरपोर्ट से ही उड़ान भरेंगे। इनके अलावा अन्य जेट वाराणसी से सटे अलग-अलग जिलों के एयरपोर्ट से उड़ान भरेंगे। वाराणसी एयरपोर्ट पर अभी से तैयारियां शुरू हो गई हैं।

वाराणसी एयरपोर्ट के निदेशक पुनीत गुप्ता ने बताया कि लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे का विस्तार किया जा रहा है। विस्तार के बाद यह एयरपोर्ट पूरे पूर्वांचल का सबसे बड़ा, सबसे आधुनिक, सबसे अलौकिक और सबसे अद्भुत रूप के लिए जाना जाएगा। इस बार अक्टूबर में वायु सेना एयर शो कराएगी। नमो घाट पर इस शो को कराने की योजना है। घाट और एयरपोर्ट पर तैयारियां चल रही हैं।

20 अक्टूबर से सूर्यकिरण जेट के 9 एयरक्राफ्ट वाराणसी आ जाएंगे। पांच दिन अभ्यास होगा। पांचों दिन इन एयरक्राफ्ट को वाराणसी एयरपोर्ट पर हैंगर में ही खड़ा किया जाएगा। पार्किंग एरिया को अक्टूबर के पहले तैयार कर दिया जाएगा। निदेशक पुनीत गुप्ता ने

बताया कि इस शो में मुख्य अतिथि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत देश के कई दिग्गज हो सकते हैं।

एयर शो में भारतीय वायुसेना के जांबाज साहस-शौर्य और पराक्रम का परिचय देंगे। इसमें सेना के घातक लड़ाकू विमानों की गर्जन लोगों को सुनाई देगी। शो करीब ढाई घंटे का हो सकता है। इसमें एक साथ वायु सेना के कई जेट एक साथ हवा में करतब करते देखे जाएंगे। अलग-अलग एयरपोर्ट से उड़ान भरने के बावजूद इनकी टाइमिंग में कोई फर्क नहीं होगा। टाइम मैनेजमेंट ही इस शो को खास बनाएगा।

वाराणसी में होने वाले एयर शो में राफेल समेत 50 से अधिक विमान ताकत दिखाएंगे। इनमें ट्विन सीटर तेजस, सी-295, रुद्र हेलीकॉप्टर, डकोटा आदि जैसे विमानों के भी शामिल होने की उम्मीद है। इन्हीं में से सूर्य किरण के 9 एयरक्राफ्ट भी होंगे जो शो के 5 दिन पहले वाराणसी एयरपोर्ट पहुंचेंगे और अभ्यास करेंगे।

पांच महीने में 1.31 लाख वाहन बिके

हर महीने टूट रहे बिक्री के रिकॉर्ड

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग तेजी से बढ़ रही है। वर्ष 2026 के पहले पांच महीनों में 1.31 लाख से अधिक शुद्ध इलेक्ट्रिक वाहन (प्योर ईवी) बिके हैं। यदि यही रफ्तार जारी रही तो इस साल बिक्री तीन लाख से ज्यादा होगी, जो पिछले सभी वर्षों का रिकॉर्ड तोड़ सकती है।

ऑटोमोबाइल क्षेत्र और परिवहन विभाग के अनुसार, जनवरी से मई 2026 के बीच 131653 शुद्ध इलेक्ट्रिक वाहन पंजीकृत हुए हैं। यह संख्या वर्ष 2025 की कुल बिक्री (211574) का लगभग 62 फीसदी है। ऑटो क्षेत्र विशेषज्ञ पीके खन्ना के मुताबिक, इस साल हर महीने इलेक्ट्रिक वाहन बिक्री मजबूत बनी हुई है। मई 2026 में सबसे अधिक 30697 शुद्ध इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री दर्ज की गई।

यह आंकड़ा उपभोक्ताओं के बढ़ते रुझान को दर्शाता है। ऑटो विक्रेता जेएस अरोड़ा के अनुसार, स्ट्रांग हाइब्रिड वाहनों की मांग भी बनी हुई है। जनवरी से मई

2026 के दौरान 4531 स्ट्रांग हाइब्रिड वाहन बिके हैं। प्रदेश में इलेक्ट्रिक गतिशीलता की रफ्तार बीते दो वर्षों में बेहद तेज हुई है। वर्ष 2024 में 66595 प्योर ईवी पंजीकृत हुए थे, जो 2025 में बढ़कर 211574 पहुंच गए।

यूपी ऑटोमोबाइल उद्योग संगठन के अनुसार, पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतें एक मुख्य कारण हैं। चार्जिंग बुनियादी ढांचे का विस्तार भी इलेक्ट्रिक वाहनों की स्वीकार्यता बढ़ा रहा है। नए मॉडलों की उपलब्धता और कम परिचालन लागत भी इसमें सहायक हैं। देशभर में भी इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग में तेजी दर्ज की गई है। पिछले वित्त वर्ष में इलेक्ट्रिक यात्री वाहनों के पंजीकरण में 80 फीसदी से अधिक वृद्धि हुई।

प्रदेश इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए चार्जिंग नेटवर्क तेजी से बढ़ रहा है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, फरवरी 2024 में सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशनों की संख्या 582 थी।

काशी में गूंजेगी शक्ति साधना: 22 जून से शुरू होगा अंबुवाची पर्व, महामुद्रा यंत्र के होंगे दुर्लभ दर्शन

वाराणसी, एजेंसी। काशी की प्राचीन धार्मिक परंपराओं में शामिल अंबुवाची पर्व इस वर्ष 22 जून से शुरू होगा। कमच्छा स्थित मां कामाख्या मंदिर में पांच दिनों तक चलने वाले इस विशेष पर्व के दौरान श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ने की संभावना है। तांत्रिक साधना, शक्ति उपासना और मां के रजस्वला स्वरूप से जुड़ा यह पर्व काशी की विशिष्ट धार्मिक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता है।

अंबुवाची पर्व 22 से 26 जून तक मनाया जाएगा। कामाख्या मंदिर में पांच दिवसीय पर्व के दौरान तीन दिनों तक मंदिर का कपाट बंद रहेगा। 22 को दिन में मां के श्रृंगार और पूजन होगा। रात में महाआरती और पूजन के साथ अंबुवाची पर्व शुरू हो जाएगा। इसके बाद 25 जून तक मंदिर का कपाट बंद हो जाएगा। इस दौरान मां रजस्वला हो जाती हैं। पांच दिनों तक भक्त मंदिर में पूजन अर्चन करेंगे। 26 को सिंगार पूजन के साथ आम भक्तों के लिए दर्शन के लिए मंदिर का पट खोल दिया जाएगा। कपाट बंद होने से पूर्व श्री महामुद्रा यंत्र पर विशेष वस्त्र चढ़ाए जाएंगे। इस अवधि में नियमित पूजा-अर्चना स्थगित रहेगी, जबकि

श्रद्धालु मंदिर परिसर में रहकर मां की आराधना और परिक्रमा कर सकेंगे। मां को चढ़ाई गई चुनरी भक्तों में वितरण की जाएगी।

मंदिर के प्रधान पुजारी देवेंद्र पुरी के अनुसार, 26 जून को मां का गंगाजल, गुलाबजल और औषधियों से महाभिषेक किया जाएगा। इसके बाद गर्भगृह के कपाट आम श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए जाएंगे। इसी दिन श्री महामुद्रा यंत्र का वार्षिक महाभिषेक और दुर्लभ दर्शन भी कराए जाएंगे। मंदिर प्रशासन के अनुसार 30 जून को विशेष रूप से वस्त्र (पूजित वस्त्र) का वितरण किया जाएगा। पर्व के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए आवश्यक व्यवस्थाएं की जा रही हैं।

108 परिक्रमा का विशेष महत्व

अंबुवाची पर्व में 108 परिक्रमा का विशेष महत्व माना जाता है। देवेंद्र पुरी ने बताया कि श्रीकामाख्या मंदिर स्थापित होने का उद्धरण भविष्य पुराण में भी मिलता है। यह 52 शक्तिपीठ में असम में विराजमान मां कामाख्या देवी का प्रतिरूप है। मंदिर में माता का विग्रह श्रीमहामुद्रा यंत्र के रूप में स्थापित है, इसलिए यह सिद्ध यंत्र पीठ है। मां कामाख्या के गर्भगृह के अंदर काशी के अष्टभैरव में से एक श्रीक्रोधन भैरव, श्रीभद्रकाली, श्रीहनुमान जी, श्रीचौसठ योगिनीजी का विग्रह स्थापित है। मान्यता है कि इस दौरान पूजित लाल वस्त्र, अभिषेक का पवित्र जल और मां की चुनरी धार्मिक अनुष्ठानों, तांत्रिक साधना तथा कष्ट निवारण के लिए अत्यंत फलदायी होते हैं।

जिलाधिकारी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने के लिए कोर्ट पहुंची तहसीलदार, गंभीर हैं आरोप

आगरा, एजेंसी। विवाद के बाद तबादला होने पर भी पूर्व जिलाधिकारी फिरोजाबाद रमेश रंजन और तत्कालीन तहसीलदार टूंडला राखी शर्मा के बीच विवाद खत्म नहीं हुआ है। राखी शर्मा ने आगरा में न्यायालय के समक्ष रमेश रंजन और अन्य पर भ्रष्टाचार और प्रताड़ित कर जबरन वसूली का आरोप लगाते हुए प्राथमिकी के लिए प्रार्थनापत्र दिया है। विशेष न्यायाधीश भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम मुदुल दुबे ने डीआईजी और मंडलायुक्त से रिपोर्ट मांगी है। इस पर अगली सुनवाई 12 जून को होगी।

फिरोजाबाद के तत्कालीन जिलाधिकारी रमेश रंजन और तत्कालीन तहसीलदार टूंडला राखी शर्मा (निवासी कमलानगर) के बीच विवाद काफी चर्चा में रहा है। दोनों का जिले से तबादला हो चुका है। रमेश रंजन वर्तमान में अपर भूमि व्यवस्था आयुक्त, राजस्व परिषद के पद पर लखनऊ में तैनात हैं। राखी शर्मा ने न्यायालय के समक्ष प्रार्थनापत्र प्रस्तुत किया है। तत्कालीन जिलाधिकारी फिरोजाबाद रमेश रंजन, ओएसडी शैलेंद्र शर्मा, वरिष्ठ लिपिक राजेंद्र शर्मा, अजीत उपाध्याय और दोजी राम (सभी की तैनाती जिलाधिकारी कार्यालय, फिरोजाबाद) के विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज करवाने की मांग की है।

बताया है कि वह 4 सितंबर, 2024 से 16 अप्रैल, 2026 तक तहसीलदार टूंडला के पद पर कार्यरत रहीं, वर्तमान में राजस्व परिषद लखनऊ से संबद्ध हैं। आरोप है कि तत्कालीन जिलाधिकारी ने विधि विरुद्ध तरीके से धन अर्जित करने के उद्देश्य से अपने स्टाफ की टीम बनाई थी। जिसमें अन्य आरोपी कर्मचारियों को शामिल किया था। चारों कोई न कोई बहाना बना जनपद की सभी तहसीलों, पीडब्ल्यूडी, नगर निगम, विकास विभाग आदि में नियुक्त अधिकारियों को बिना किसी उचित कारण के नोटिस और वेतन रोकने के आदेश जारी करा देते थे।

ट्रेन में पुलिस भर्ती परीक्षा के अभ्यर्थियों की भीड़

स्लीपर से एसी तक सीट नहीं, यात्रियों से नोकझोंक, स्टेशनों पर हेल्प डेस्क पर बैठे रहे कर्मचारी

वाराणसी, एजेंसी। वाराणसी में सोमवार को पुलिस भर्ती परीक्षा के बाद रेलवे स्टेशनों पर रोडवेज बस स्टैंड पर अभ्यर्थियों का रेला उमड़ा रहा। इस दौरान ट्रेन के एसी कोच में भी अभ्यर्थियों की भीड़ दिखी।

पुलिस भर्ती परीक्षा देने आए अभ्यर्थियों की भीड़ सोमवार को कैंट रेलवे स्टेशन पर जिस तरह की रही, यहां व्यवस्था नाकाफी रही। परीक्षा के बाद घर जाने के लिए अभ्यर्थी स्टेशन पर पहुंचे तो सामने जो भी ट्रेन दिखी, उसमें घुस गए। स्थिति यह रही कि गोरखपुर-लोकमान्य तिलक एक्सप्रेस से लेकर पवन एक्सप्रेस सहित कई ट्रेनों के स्लीपर और एसी कोच में अभ्यर्थी इस तरह भरे थे कि लोगों का सीट पर बैठना तो दूर खड़ा होना मुश्किल था। जिन लोगों ने पहले से रिजर्वेशन करा रखा था, उन्हें भी जगह नहीं मिल सकी। जिसको लेकर कोच में नोकझोंक हुई। इधर, आरपीएफ, जीआरपी

स्टाफ लोगों को समझाते रहे।

तीन दिन तक चलने वाली पुलिस भर्ती परीक्षा के पहले दिन के लिए 44 हजार पंजीकृत थे, लेकिन 31 हजार अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। दोनों मीटिंग की परीक्षा खत्म होने के बाद रोडवेज बस स्टेशन से लेकर रेलवे स्टेशन तक भीड़ उमड़ पड़ी।

सर्कुलेटिंग एरिया से लेकर प्लेटफॉर्म तक जगह-जगह आरपीएफ, जीआरपी की तैनाती तो दिखी, लेकिन जिस तरह से ट्रेनों में यात्रियों को परेशानी झेलनी पड़ी, उससे कई दिन से चल रही स्टेशन की तैयारी भी बेअसर साबित हुई। रात तक गोरखपुर, लखनऊ, प्रयागराज, बिहार रूट पर जाने वाली ट्रेनों में भीड़ खूब रही।

परीक्षा देने आने वाले कई अभ्यर्थी तो ट्रेनों के टॉयलेट में भी बैठकर आगे गए। आरपीएफ के साथ ही स्टेशन पर भी अभ्यर्थियों से ट्रेनों में सतर्कता बरतने की अपील करते रहे।

पूर्वोत्तर रेलवे की ओर से पुलिस भर्ती परीक्षा के लिए 4 परीक्षा स्पेशल ट्रेन चलाई गई हैं। पहले दिन की परीक्षा छूटने के बाद वाराणसी सिटी सहित अन्य स्टेशन पर भीड़ उमड़ी रही। इस दौरान वाराणसी सिटी पर बनाए गए हेल्प डेस्क पर कर्मचारी बैठे रहे और अभ्यर्थियों को ट्रेनों के आने जाने की जानकारी देते रहे।

पूर्वोत्तर रेलवे वाराणसी मंडल के जनसंपर्क अधिकारी अशोक कुमार ने बताया कि अभ्यर्थियों की भीड़ को देखते हुए वाराणसी सिटी, बनारस रेलवे स्टेशन सहित पूर्वोत्तर रेलवे के अन्य स्टेशनों पर 24 घन्टे के हेल्पडेस्क का संचालन किया जा रहा है। इन हेल्पडेस्क पर स्पेशल ट्रेनों की सूचना दी जा रही है। वाराणसी मंडल द्वारा चलाई जा रही परीक्षा विशेष गाड़ियां सामान्य श्रेणी एवं मेमू रेकों से चल रही हैं, जो अपने मार्ग में पड़ने वाले सभी छोटे बड़े स्टेशनों पर रुकते हुए जा रही हैं।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली में गर्मी का कहर, रिकॉर्ड तोड़ रही बिजली की मांग; बढ़ेगी पावर कट की समस्या

नई दिल्ली, एजेंसी। पिछले कुछ दिनों में राजधानी में गर्मी बढ़ गई है। राजधानी के

अधिकांश स्थानों पर तापमान 41 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंच गया है। इस कारण बिजली की खपत भी बढ़ने लगी है। पिछले सप्ताह अधिकतम मांग छह हजार से साढ़े छह हजार मेगावाट के आसपास रह रहा था। यह अब बढ़कर साढ़े सात हजार मेगावाट से ऊपर पहुंच गई है। मांग बढ़ने से बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) की चिंता बढ़ जाती है। उनके सामने निर्बाध बिजली आपूर्ति की चुनौती होती है। डिस्काम अधिकारियों का कहना है कि गर्मी बढ़ने पर एसी, कूलर आदि का उपयोग बढ़ जाता है। इससे बिजली की मांग बढ़ जाती है। यदि इसी तरह से मौसम रहा तो मांग आठ हजार मेगावाट से ऊपर जा सकती है। उनका दावा है कि मांग के अनुरूप बिजली की पर्याप्त व्यवस्था की गई है। इसके बावजूद मांग बढ़ने पर घनी आबादी वाले इलाके में बिजली कट लगने की समस्या बढ़ जाती है। अधिकारियों का कहना है कि लोड अधिक होने पर ट्रिपिंग की समस्या होती है, इससे कुछ क्षेत्रों में बिजली कट लगते हैं, लेकिन उसे कम समय में ठीक करने का प्रयास किया जाता है।

यूटी कैडर के 13 दानिप्स अधिकारी बने आईपीएस, अब 15 साल में मिल रहा प्रमोशन

नई दिल्ली, एजेंसी। यूटी कैडर के अधिकारियों को शामिल किया गया है। ये सभी 2010 बैच के हैं। इनमें से ज्यादातर

अभी दिल्ली पुलिस में तैनात हैं, जबकि कुछ अन्य केंद्र शासित प्रदेशों में सेवा दे रहे हैं। इन अधिकारियों को दर्जा पाने में 15 साल लगे। पिछले तीन-चार सालों में देखा गया है कि अधिकारी 15 साल के अंदर ही अधिकारी बन रहे हैं। पहले इस प्रक्रिया में लगभग 20 से 22 साल लगते थे। पहले कैडर में कम अधिकारियों की भर्ती होती थी, जबकि अब भर्ती बढ़ गई है। 1997 और 2008 के बीच सिर्फ 11 अधिकारियों की भर्ती हुई थी, जबकि अकेले 2010 बैच में 13 अधिकारी थे जो अब दिल्ली पुलिस में अलग-अलग जगहों पर तैनात हैं।

दिल्ली चिड़ियाघर में 27 जून को फिर गूंजेगी नन्हे शेरों की किलकारी, महागौरी है गर्भवती

नई दिल्ली, एजेंसी। चिड़ियाघर में शेर महेश्वर और शेरनी महागौरी के लिए जून माह का अंतिम सप्ताह फिर खुशियों की बड़ी सौगात लेकर आने वाला है। इसके साथ ही चिड़ियाघर एक बार फिर शावकों की अठखेलियों का गवाह बनने वाला है। चिड़ियाघर प्रशासन को उम्मीद है कि 27 जून को महागौरी शावकों को जन्म देगी। दिल्ली चिड़ियाघर में पिछले 17 साल से शेरनियों द्वारा शावकों का जन्म देने की तारीख 27 रही है। एशियाई शेरनी महागौरी एक बार फिर गर्भवती है। ऐसे में चिड़ियाघर प्रशासन का कहना है कि इस बार भी 18 दिन बाद 27 जून को चिड़ियाघर में 'नन्हे शेर' जन्म हो सकता है। इसके लिए पूरी तैयारी की गई है। शावक महीने की 27 तारीख को पैदा हुए चिड़ियाघर के निदेशक संजीत कुमार के अनुसार वर्ष 2009 के बाद से यहां अब तक जितने भी शेरनियों के शावकों का जन्म हुआ, उन सभी की तारीख में समानता रही है। सभी शावक महीने की 27 तारीख को पैदा हुए। 27 सितंबर 2014 में भी ऐसा ही हुआ था। पिछले साल महागौरी ने 27 अप्रैल को पांच शावकों को जन्म दिया था।

दिल्ली सरकार ने फायर सर्विस में किया बदलाव, सुविधाओं से लैस होंगे दमकल वाहन

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी में भीषण गर्मी के बीच आग लगने की घटनाओं में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। हाल के दिनों में हौजरानी और विवेक विहार समेत कई बड़े अग्निकांडों में लोगों की जान जाने के बाद दमकल विभाग की व्यवस्था और घटनास्थल तक पहुंचने में लगने वाले समय को लेकर सवाल उठे थे। इन चुनौतियों से निपटने के लिए दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) अब अपनी सेवाओं को आधुनिक तकनीक से लैस करने की तैयारी में है।

विभाग जल्द ही 'ऑनलाइन डिजिटल प्लेटफॉर्म ऑफ दिल्ली फायर सर्विस' शुरू करने जा रहा है। इसके तहत एक मोबाइल एप विकसित किया जाएगा, जिसे आम नागरिक अपने स्मार्टफोन में इंस्टाल कर सकेंगे। आग लगने की सूचना देने के बाद कालर इस एप के माध्यम से दमकल वाहन की लाइव लोकेशन देख सकेगा और यह जान पाएगा कि राहत दल कितनी देर में घटनास्थल तक पहुंचेगा।

वाहनों में लगेंगे जीपीएस ट्रैकर और अत्याधुनिक कैमरे

योजना के अनुसार, विभाग के सभी दमकल वाहनों में जीपीएस ट्रैकर और अत्याधुनिक कैमरे लगाए जाएंगे। इन कैमरों की सहायता से कंट्रोल रूम में बैठे अधिकारी घटनास्थल पर चल रहे राहत और बचाव कार्यों की रीयल टाइम निगरानी कर सकेंगे।

इससे आपातकालीन स्थिति में बेहतर समन्वय स्थापित होगा और जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त संसाधन भी तुरंत भेजे जा सकेंगे।

अधिकारियों के अनुसार, नई तकनीक का सबसे बड़ा लाभ घटनास्थल की सटीक पहचान में मिलेगा। वर्तमान में दमकल विभाग को आग लगने की सूचना मुख्य रूप से दो स्रोतों से प्राप्त होती है। पहला, आग में फंसे पीड़ितों से और दूसरा, किसी राहगीर या प्रत्यक्षदर्शी द्वारा। कई बार राहगीरों की ओर से दी गई जानकारी में स्थान का स्पष्ट विवरण नहीं मिल पाता, जिससे दमकल वाहनों को मौके तक पहुंचने में कठिनाई होती है।

नई डिजिटल प्रणाली लागू होने के बाद कालर की लोकेशन सीधे सिस्टम से जुड़ जाएगी और दमकल वाहन उसी के आधार पर घटनास्थल तक पहुंच सकेंगे। विभाग का मानना है कि इससे रिस्पांस समय में कमी आएगी, राहत एवं बचाव कार्य अधिक प्रभावी होंगे और आग से होने वाले नुकसान को काफी हद तक कम किया जा सकेगा। इसके लिए विभाग ने प्रस्ताव संबंधित अधिकारियों को भेज दिया है और आने वाले महीनों में इसे लागू किए जाने की उम्मीद है।

आधुनिक तकनीक में क्या होगा खास

दमकल विभाग की मोबाइल एप को आम नागरिक अपने स्मार्टफोन में कर इंस्टाल कर सकेंगे। इस एप के जरिये आग की सूचना देने वाले कालर की लाइव लोकेशन दमकल विभाग को मिलेगी।

सभी दमकल वाहनों में जीपीएस और आधुनिक तकनीक वाले कैमरे लगाए जाएंगे।

दमकल वाहनों में लगे कैमरों के जरिये घटनास्थल की रेस्क्यू और राहत कार्यों की रीयल टाइम मानिटरिंग कंट्रोल रूम में बड़ी एलईडी स्क्रीन पर दिखेगी।

लाइव लोकेशन मिलने से रिस्पांस समय घटेगा और हाईटेक दमकल वाहन मौके पर जल्द पहुंच सकेंगे। दमकल विभाग के पास जो वर्तमान वाहन है, उनमें न तो जीपीएस ट्रैक लगा है और न ही कैमरे लगे हैं। आग लगने की सूचना मिलने पर इन वाहनों को सटीक लोकेशन न मिलने से भटकना पड़ता है। इससे समय बर्बाद होता है और रिस्पांस टाइम भी बढ़ता है। इसके अलावा दमकल विभाग के सामने सबसे बड़ी परेशानी मौके पर पहुंचकर सूचना देने की है। अब तक वायरलेस वाकी टाकी से घटनास्थल की जानकारी कंट्रोल रूम को दी जा रही है, लेकिन नई तकनीक से घटनास्थल की पूरी जानकारी कंट्रोल रूम में बड़ी स्क्रीम पर देखी जा सकेगी। हाईटेक तकनीक से लेस दमकल वाहन और मोबाइल एप शुरू होने के बाद रिस्पान्स टाइम में कमी दर्ज होने की उम्मीद है। हमारा उद्देश्य घटनास्थल पर जल्द से जल्द पहुंचकर लोगों की जान बचाना और आग या अन्य हादसों पर नियंत्रण करना है।

आरोपी 8 घंटे में गिरफ्तार

दिल्ली में शराब पीने के दौरान हुए झगड़े में युवक की हत्या

नईदिल्ली, एजेंसी। गांधीनगर थाना पुलिस ने एक युवक की हत्या के मामले का पर्दाफाश करते हुए एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपित की निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल खून से सनी कैंची और वारदात के समय पहने गए खून से सने कपड़े भी बरामद किए हैं।

पुलिस के अनुसार पांच जून को डॉ. हेडगेवार अस्पताल से सूचना मिली थी कि कृष्ण कुमार नामक व्यक्ति चाकू जैसे नुकीले हथियार से घायल अवस्था में भर्ती कराया गया है। पुलिस अस्पताल पहुंची, लेकिन घायल न तो घटना के बारे में कुछ बता सका और न ही हमलावर की पहचान कर पाया। बाद में वह अस्पताल से बिना बताए चला गया और कानूनी कार्रवाई से भी इनकार कर दिया।

छह जून को जीटीबी अस्पताल से सूचना मिली कि कृष्ण कुमार की उपचार के दौरान मौत हो गई है। इसके बाद पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच तेज कर दी। जांच में पता चला कि मृतक गांधीनगर के रघुवरपुरा-द्वितीय स्थित एक गारमेंट फैक्ट्री में काम करता था।

फैक्ट्री मालिक और कर्मचारियों से पूछताछ में सामने आया कि चार जून की रात फैक्ट्री में कुछ कर्मचारी शराब पी रहे थे। इसी दौरान उनका आपस में विवाद हो गया। आरोप है कि झगड़े के दौरान अरवाज ने पहले टाइगर नामक कर्मचारी पर हमला किया और फिर कृष्ण कुमार पर कैंची से कई वार कर दिए। गंभीर चोटों के कारण बाद में कृष्ण कुमार की मौत हो गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के बयान और अन्य साक्ष्यों के आधार पर सात जून को गांधीनगर थाने में हत्या की धारा के तहत मामला दर्ज किया गया। इसके बाद पुलिस टीम ने सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी निगरानी और स्थानीय सूचना तंत्र की मदद से आरोपित की तलाश शुरू की। पुलिस ने अरबाज (27), निवासी संगम विहार, दक्षिण दिल्ली को उत्तम नगर क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया।

24 भारतीय नाविकों को सुरक्षित बचाया गया

ओमान तट पर मिसाइल हमले के बाद टैंकर में लगी थी आग

मस्कट, एजेंसी। ओमान के तट के पास एक व्यापारी तेल टैंकर पर हुए मिसाइल हमले के बाद उस पर सवार 24 भारतीय नाविकों को सुरक्षित बचा लिया गया। यह सफल अभियान भारत और ओमान के बीच समुद्री बचाव सहयोग का एक बड़ा उदाहरण माना जा रहा है। सभी भारतीय नाविक सुरक्षित हैं और किसी के घायल होने या हताहत होने की कोई सूचना नहीं है।

जानकारी के अनुसार, सोमवार दोपहर करीब 2:20 बजे मुंबई स्थित समुद्री बचाव समन्वय केंद्र (एमआरसीसी मुंबई) को सूचना मिली कि पलाऊ के झंडे वाले तेल टैंकर एमटी मैरिवेक्स पर ओमान के मसिराह तट के पास मिसाइल हमला हुआ है। उस समय जहाज पर कुल 24 चालक दल के सदस्य मौजूद थे और सभी भारतीय नागरिक थे। यह सूचना जहाज पर मौजूद एक नाविक के परिजन द्वारा एमआरसीसी मुंबई को दी गई थी।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए एमआरसीसी मुंबई ने तुरंत ओमान के समुद्री खोज एवं बचाव केंद्र

(ओएमएससी) से संपर्क किया और जहाज तथा उसके चालक दल को तत्काल सहायता उपलब्ध कराने का अनुरोध किया। इसके बाद ओमान की एजेंसियों ने तेजी से कार्रवाई शुरू की। बचाव अभियान के तहत ओमान ने आसपास मौजूद एक जहाज को घटनास्थल की ओर भेजा और दो बचाव हेलीकॉप्टर भी तैनात किए। पूरे अभियान के दौरान एमआरसीसी मुंबई, ओएमएससी ओमान और अन्य संबंधित एजेंसियों के बीच लगातार संपर्क बना रहा ताकि चालक दल की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

शाम करीब पांच बजे ओमान के समुद्री बचाव केंद्र ने पुष्टि की कि ओमान नौसेना के हेलीकॉप्टरों ने सभी 24 भारतीय नाविकों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया है। सभी को सुरक्षित स्थान पर पहुंचा दिया गया और किसी भी प्रकार के नुकसान की सूचना नहीं मिली। हमले का शिकार हुआ जहाज फिलहाल ओमान के मसिराह तट के पास लंगर डाले हुए है। इस घटना के बाद भारतीय तटरक्षक बल ने भी सोशल मीडिया मंच एक्स पर जानकारी साझा की। तटरक्षक बल ने कहा कि एमआरसीसी मुंबई ने सूचना मिलते ही तुरंत ओमान की एजेंसियों के साथ समन्वय स्थापित किया, जिसके चलते सभी भारतीय नाविकों को सुरक्षित बचाया जा सका। भारतीय तटरक्षक बल ने यह भी दोहराया कि वह हिंद महासागर क्षेत्र में भारतीय नागरिकों और नाविकों की सुरक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। अधिकारियों के अनुसार, यह सफल अभियान अंतरराष्ट्रीय समुद्री सहयोग की मजबूती को दर्शाता है। साथ ही यह भी साबित करता है कि समुद्र में आपात स्थिति आने पर भारत और उसके सहयोगी देश मिलकर तेजी और प्रभावी ढंग से राहत एवं बचाव कार्य कर सकते हैं।

रावलकोट में पाकिस्तानी रेंजर्स और प्रदर्शनकारियों में झड़प, गोलीबारी में 11 की मौत

रावलकोट , एजेंसी। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर एक बार फिर से भारी अशांति और भयानक हिंसा की चपेट में आ गया है। यहां सक्रिय नागरिक संगठन जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी पर कड़े प्रतिबंध के बाद हालात बहुत ज्यादा बिगड़ गए हैं। रावलकोट में प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच हुई भयंकर झड़पों में 11 लोगों की मौत हो गई है। इस खौफनाक हिंसा में 70 से अधिक लोग बुरी तरह से घायल भी बताए जा रहे हैं।

यह भारी हिंसा ऐसे समय में भड़की है जब पूरे क्षेत्र में 9 जून को पूर्ण बंद का बड़ा आह्वान किया गया था। रॉयटर्स के अनुसार हालात तब बिगड़े जब समर्थक एक अस्पताल की मोर्चरी के बाहर बड़ी संख्या में इकट्ठा हुए। वहां संगठन के एक कार्यकर्ता का शव रखा गया था जिसकी पहले हुई गोलीबारी में मौत हो गई थी। भीड़ को हटाने के लिए पुलिस और अर्धसैनिक बलों ने कड़ी कार्रवाई की जिससे बवाल बढ़ गया। पूंछ सेक्टर के कमिश्नर सरदार वहीद खान ने बताया कि इस खौफनाक हिंसा के दौरान कई जानें गई हैं। कुछ उपद्रवियों ने सीधे सुरक्षा बलों पर अपनी गोलीबारी शुरू कर दी थी जिसके बाद यह भयानक जवाबी कार्रवाई हुई। पुलिस प्रमुख लियाकत मलिक ने साफ बताया कि 23 सुरक्षाकर्मी और करीब 50 प्रदर्शनकारी बुरी तरह से घायल हुए हैं। हिंसा को रोकने के लिए कई लोगों को हिरासत में लिया गया है।

इस ताजा और उग्र आंदोलन की सबसे बड़ी वजह विधानसभा में 12 आरक्षित सीटों को लेकर लिया गया फैसला है। 45 सदस्यीय विधानसभा में ये सीटें उन शरणार्थियों के लिए आरक्षित की गई हैं जो अन्य हिस्सों में रहते हैं। स्थानीय संगठनों का आरोप है कि इस नई व्यवस्था से उनका अपना राजनीतिक प्रतिनिधित्व काफी ज्यादा कमजोर होगा। उनका यह भी कहना है कि क्षेत्र के फैसलों पर सिर्फ स्थानीय लोगों का ही अधिकार होना चाहिए।

क्यूबा में 6.1 तीव्रता का भूकंप: हवाना की इमारतें हिलीं

फ्लोरिडा तक महसूस हुए झटके फिलहाल नुकसान की खबर नहीं

क्यूबा, एजेंसी। क्यूबा के पश्चिमी तट के पास सोमवार को 6.1 तीव्रता का भूकंप आया, जिससे राजधानी हवाना समेत कई इलाकों में इमारतें हिल गईं। भूकंप के झटके इतने तेज थे कि अमेरिका के फ्लोरिडा राज्य के कुछ हिस्सों में भी लोगों ने कंपन महसूस होने की सूचना दी। हालांकि राहत की बात यह रही कि फिलहाल किसी के घायल होने या बड़े नुकसान की खबर नहीं है। भूकंप के बाद राजधानी हवाना में कई इमारतें हिलती महसूस हुई। पश्चिमी क्यूबा के पिनार डेल रियो शहर में भी लोग घबराकर घरों और इमारतों से बाहर निकल आए। पिनार डेल रियो स्थित एक होटल की प्रबंधक फ्लाविया पुपो ने बताया कि झटकों के दौरान पूरी इमारत हिलने लगी, जिससे लोगों में डर का माहौल बन गया। हालांकि होटल में मौजूद सभी लोग सुरक्षित हैं। भूकंप का प्रभाव केवल क्यूबा तक सीमित नहीं रहा। अमेरिका के फ्लोरिडा राज्य के दक्षिण-पश्चिमी हिस्सों से भी झटके महसूस होने की कई रिपोर्ट सामने आईं। मियामी स्थित राष्ट्रीय मौसम सेवा ने बताया कि उसे नागरिकों से कंपन महसूस होने की जानकारी प्राप्त हुई है। क्यूबा के दक्षिण-पूर्वी तट के पास स्थित ओरिएंटे फॉल्ट जोन भूकंपीय गतिविधियों के लिए जाना जाता है। इस क्षेत्र में पिछले कई दशकों में कई शक्तिशाली भूकंप आ चुके हैं। जनवरी 2020 में इसी क्षेत्र के समुद्री इलाके में 7.7 तीव्रता का भूकंप आया था, जिससे क्यूबा और केमैन द्वीप समूह में नुकसान हुआ था। ताजा भूकंप के बाद भी वैज्ञानिक स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं।

बीबी, संभल जाओ वरना...', क्या ट्रंप की चेतावनी के बाद ईरान पर इस्राइल ने टाला हमला?

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजमिन नेतन्याहू को ईरान के खिलाफ बड़े सैन्य हमले से बचने की सलाह दी है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार ट्रंप ने नेतन्याहू से फोन पर कहा, 'बीबी, तुम्हें सावधान रहना चाहिए, नहीं तो जल्द ही तुम अकेले पड़ जाओगे'। यह बातचीत ऐसे समय हुई जब इस्राइल ईरान के कई संवेदनशील ठिकानों पर बड़े पैमाने पर जवाबी हमले की तैयारी कर रहा था। बताया गया कि ट्रंप की दखल के बाद नेतन्याहू ने बड़े हमले की योजना को फिलहाल रोकने पर सहमति जताई, बशर्ते ईरान आगे कोई नया हमला न करे।

दो महीने पहले हुए युद्धविराम के बाद पहली बार ईरान और इस्राइल के बीच फिर से तनाव बढ़ा था। रविवार को ईरान ने इस्राइल पर मिसाइलें दागीं, जिसके जवाब में इस्राइल ने पश्चिमी और मध्य ईरान में सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया। हालांकि सोमवार तक दोनों देशों ने संकेत दिए कि वे फिलहाल सैन्य कार्रवाई रोक रहे हैं।

ट्रंप ने कहा कि उन्होंने नेतन्याहू को कोई सीधा आदेश नहीं दिया, बल्कि समझदारी से काम लेने की अपील की। उन्होंने दावा किया कि अमेरिका और ईरान के बीच एक महत्वपूर्ण समझौते को अंतिम रूप देने की कोशिश चल रही है और ऐसे समय में बड़े सैन्य हमले से बातचीत प्रभावित हो सकती है। वहीं, जब ट्रंप से पूछा गया कि क्या उन्होंने इस्राइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू से ईरान पर हमले रोकने के लिए कहा, तो अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, 'नहीं। मैंने कहा कि जो सही है वह करें, लेकिन मैं चाहता हूं कि आप जितनी जल्दी हो सके, इसे रोक दें। मामला लेबनान से जुड़ा है और इसे रुकना ही चाहिए'।

कई देशों ने भी अमेरिका से की थी हस्तक्षेप की अपील

रिपोर्टों के अनुसार क्षेत्र के कई देशों ने भी अमेरिका से हस्तक्षेप करने की अपील की थी। ट्रंप ने यह भी कहा कि ईरान की ओर से संकेत मिले थे कि यदि इस्राइल हमले रोक देता है तो वह भी आगे मिसाइलें नहीं दागेगा।

इस बीच ईरान के संसद अध्यक्ष और मुख्य वार्ताकार मोहम्मद बाघेर कालीबाफ ने कहा कि उन्हें अमेरिका पर भरोसा नहीं है और ट्रंप के हालिया बयान पहले हुए समझौतों से मेल नहीं खाते। फिलहाल क्षेत्र में तनाव कम होता दिखाई दे रहा है, लेकिन ईरान और इस्राइल के बीच स्थिति अब भी नाजुक बनी हुई है।

दिल्ली हौजरानी अग्निकांड: बेसमेंट में सो रहे 6 लोगों की नींद में ही हुई मौत

नईदिल्ली, एजेंसी। दक्षिणी दिल्ली में हौजरानी स्थित अवैध होटल में हुए भीषण अग्निकांड की जांच में सामने आए तथ्यों ने हादसे की भयावहता को और स्पष्ट कर दिया है।

पुलिस की प्रारंभिक जांच के बाद सामने आ रहा है कि किचन में लगी आग डीप फ्रीजर के कंप्रेसर में हुए धमाके के बाद अचानक विकराल रूप ले गई।

वहीं, बेसमेंट के कमरों में सो रहे छह लोगों को आग और धुएं का अंदाजा तक नहीं लग सका और उनकी नींद में ही मौत हो गई।

पुलिस जांच में सामने आया है कि घटना वाले दिन सुबह करीब आठ बजे होटल का रसोइया केशव नेगी ड्यूटी पर पहुंचा था। उसने किचन में इलेक्ट्रिक स्टोव, एयर फ्रायर और डीप फ्रायर चालू किए। करीब 8:40 बजे एयर फ्रायर में कथित तौर पर शॉर्ट-सर्किट हुआ, जिससे आग लग गई। पास में मौजूद डीप फ्रायर में भरे तेल ने आग को तेजी से फैलाने का काम किया। उस समय किचन में कोई दूसरा कर्मचारी मौजूद नहीं था।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि अभी तक की जांच के बाद आशंका जताई जा रही है कि आग लगने के करीब 20 मिनट बाद किचन में रखा डीप फ्रीजर तेज धमाके के साथ फट गया।

लोगों को जगाने के बजाए भाग गया केशव

सबसे दर्दनाक स्थिति बेसमेंट में मौजूद लोगों की रही। जांच में सामने आया है कि बेसमेंट तक आग नहीं पहुंची थी, लेकिन घना और जहरीला धुआं वहां भर गया था। बेसमेंट के दो कमरों में ठहरे छह लोग गहरी नींद में थे। धुएं ने धीरे-धीरे उनके श्वसन तंत्र को प्रभावित किया और उन्हें जागने या बाहर निकलने का मौका तक नहीं मिला। बचाव दल को बाद में सभी छह लोग बेसुध अवस्था में मिले, जिनकी दम घुटने से मौत हो चुकी थी। केशव अगर आग लगने के बाद अगर सोए हुए लोगों को उठा देता तो शायद उनकी जान बच जाती, लेकिन वह मौके से डर का भाग गया। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि बेसमेंट के प्रवेश द्वार पर पहले से ताला लगा हुआ था। हालांकि वहां जाने के लिए सीढ़ियां और लिफ्ट मौजूद थीं, लेकिन धुएं के तेजी से भर जाने के कारण अंदर फंसे लोगों के लिए बचाव का कोई रास्ता नहीं बचा। ताला लगा होने के चलते बचाव टीम भी आसानी से अंदर नहीं जा सकी थी। इस बीच, पुलिस अब आग के फैलाव के पूरे घटनाक्रम का वैज्ञानिक अध्ययन कराने की तैयारी कर रही है। इसके लिए आइआइटी दिल्ली की मदद ली जाएगी। विशेषज्ञ यह पता लगाएंगे कि किचन में लगी आग डीप फ्रीजर के कंप्रेसर के धमाके के बाद इतनी तेजी से पूरे भवन में कैसे फैल गई। जांच अधिकारियों का मानना है कि यह रिपोर्ट न केवल हादसे की असली वजह स्पष्ट करेगी, बल्कि आगामी चार्जशीट में भी अहम साक्ष्य के रूप में शामिल की जाएगी।

संपादकीय | आर्थिक वृद्धि और महंगाई के बीच संतुलन बनाए सरकार

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष से पैदा हुए संकट का दायरा लगातार बढ़ता जा रहा है। इसका सबसे ज्यादा असर ऊर्जा और आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति पर पड़ रहा है, जिससे इनकी कीमतों में इजाफा होना स्वाभाविक है।

महंगाई अब आम आदमी की जेब पर भारी पड़ने लगी है और निश्चित तौर पर इसका प्रभाव देश की अर्थव्यवस्था पर भी पड़ेगा। यही वजह है कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआइ) ने शुक्रवार को आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान को 6.9 फीसद से घटाकर 6.6 फीसद, जबकि खुदरा महंगाई दर के अनुमान को 4.6 फीसद से बढ़ाकर 5.1 फीसद कर दिया है।

हालांकि, सरकार का लक्ष्य महंगाई दर को चार फीसद के दायरे में सीमित रखने का है, लेकिन सवाल है कि वर्तमान में जो परिस्थितियां बनी हैं, उस लिहाज से क्या इस लक्ष्य को हासिल किया जा सकेगा, या फिर यह आंकड़ा महज सरकारी कागजों में दिखाने के लिए ही रह जाएगा। यह आशंका इसलिए व्यक्त की जा रही है, क्योंकि सरकार की ओर से मौजूदा संकट से निपटने के लिए कोई ठोस एवं विस्तृत रूपरेखा अभी तक सामने नहीं आई है।

आरबीआइ ने प्रमुख नीतिगत दर रेपो को 5.25 फीसद पर बरकरार रखा है और इसे आम लोगों के लिए राहत के रूप में पेश किया जा रहा है। मगर इसका दूसरा पहलू यह है कि पहले से ही महंगाई से जूझ रहे समाज के एक वर्ग को उम्मीद थी कि रेपो दर में कुछ कमी की जाएगी, जिससे उन्हें अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए बैंक से कर्ज लेने और मासिक किस्त चुकाता करने में आसानी होगी।

गौरतलब है कि रेपो दर में कमी और वृद्धि से ब्याज दरें भी घटती एवं बढ़ती हैं, जिसका सीधा असर बैंकों से कर्ज लेने वालों की मासिक भुगतान किस्त पर पड़ता है। यह बात स्पष्ट है कि बढ़ते वैश्विक तनाव, वस्तुओं की ऊंची कीमतें और आपूर्ति में समस्या देश के आर्थिक परिदृश्य के लिए जोखिम पैदा कर रहे हैं।

कच्चे तेल के दामों में आए उछाल और विदेशी संस्थागत निवेशकों की रिकार्ड पूंजी निकासी के कारण रुपया इस वर्ष डालर के मुकाबले छह फीसद से अधिक टूटा है। इसके साथ ही विदेशी मुद्रा भंडार पर भी दबाव बढ़ रहा है। ऐसे में अगर समग्र रूप से कारगर कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाले दिनों में स्थिति और ज्यादा बिगड़ने से इनकार नहीं किया जा सकता।

देश की अर्थव्यवस्था के लिए जोखिम सिर्फ पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष की वजह से ही नहीं है, बल्कि घरेलू मोर्चे पर भी कई तरह की चुनौतियां स्थिति को जटिल बना रही हैं। मसलन, आरबीआइ ने अपनी रिपोर्ट में सामान्य से कम मानसून के अनुमान और अल-नीनो के कारण उत्पन्न जोखिमों का भी उल्लेख किया है। साथ ही कहा कि इससे आने वाले महीनों में खाद्य पदार्थों की कीमतों पर दबाव और ज्यादा बढ़ सकता है। यानी महंगाई का सिलसिला फिलहाल थमने वाला नहीं है।

आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि सरकार महंगाई पर नियंत्रण की तुलना में आर्थिक वृद्धि के प्रयासों पर ज्यादा जोर दे रही है। इससे भले ही अर्थव्यवस्था के आंकड़ों में सुधार नजर आ सकता है, लेकिन महंगाई के बढ़ते बोझ से आम लोगों के लिए जीवन-यापन करना कठिन हो जाएगा। इसलिए जरूरी है कि सरकार ऐसे कदम उठाएं, जिससे आर्थिक वृद्धि और महंगाई के बीच संतुलन कायम हो और पश्चिम एशिया में संघर्ष से उपजे संकट के असर को भी कम किया जा सके।

सीजेपी को लेकर कई तरह की आशंकाएं इसे सावधानी के साथ देखा जा रहा

आभासी दुनिया में एक तंज और मजाक के साथ शुरू हुआ अभियान तथा काकरोच जनता पार्टी यानी सीजेपी के गठन को बहुत ज्यादा गंभीरता से नहीं लिया जा रहा था। मगर इसकी शुरुआत करने वाले कुछ युवाओं ने सीजेपी के बैनर के साथ शनिवार को दिल्ली के जंतर-मंतर पर जिस तरह के विरोध प्रदर्शन का आयोजन किया और उसमें युवाओं की जैसी भागीदारी देखी गई, उसे एक नए बयार के तौर पर देखा जा रहा है। इस प्रदर्शन में खासी संख्या में युवाओं ने हिस्सा लिया और नीट-यूजी 2026 में प्रश्नपत्र लीक होने के संदर्भ के साथ सरकार पर कई सवाल उठाए। खासतौर पर इन आरोपों के साथ शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की गई कि देश में शिक्षा व्यवस्था आज बर्बाद हो चुकी है, प्रश्नपत्र लीक हो रहे हैं, बच्चे परेशान हैं और उनमें से कई ने आत्महत्या कर ली। गौरतलब है कि नीट-यूजी के प्रश्नपत्र लीक होने और इस मामले के तूल पकड़ने के बाद परीक्षा रद्द किए जाने से लाखों विद्यार्थियों और उनके परिवारों के सामने उपजी परेशानी पिछले कुछ दिनों से राजनीति की मुख्यधारा के बीच भी अहम मुद्दा बनी हुई है और सरकार इस मसले पर

बचाव की मुद्रा में है। ऐसे में हाल ही में उभरी सीजेपी ने जिस तरह इस मुद्दे को आवाज दी है, उससे विद्यार्थियों और युवाओं के बीच एक नई उम्मीद पैदा हुई है। हालांकि काकरोच जनता पार्टी के नाम से शुरू अभियान को आभासी दुनिया के एक तात्कालिक गुबार के तौर पर ही देखा गया था। मगर सड़क पर प्रदर्शन और उसमें लोगों की भागीदारी के बाद अब सीजेपी ने खुद को एक विकल्प के तौर पर पेश किया है। हालांकि पार्टी का नाम शायद एक व्यंग्य का रूपक है, लेकिन इसने जो मुद्दे उठाए हैं, उसने युवाओं का ध्यान आकर्षित किया है। अब यह देखने की बात होगी कि देश में राजनीति का फलक जितना विस्तृत, जटिल और चुनौतियों से भरा है, उसमें सीजेपी अपना कितना विस्तार कर पाएगी। इससे पहले कुछ लोकप्रिय मुद्दों के साथ आम आदमी पार्टी के उभार ने भी भारतीय राजनीति में एक उम्मीद पैदा की थी। यही वजह है कि आभासी दुनिया से जमीन पर उतरी सीजेपी को लेकर भी लोगों के भीतर कई तरह की आशंकाएं हैं और इसे सावधानी के साथ देखा जा रहा है।

आज का कार्टून

अब बांग्लादेश से रक्षा संबंध बना रहा तुर्किये...

> तुर्किये और बांग्लादेश के बीच केवल रक्षा सहयोग ही नहीं, बल्कि आर्थिक और संस्थागत साझेदारी भी तेजी से बढ़ रही है। दोनों देश व्यापार को तेरह अरब डॉलर से बढ़ाकर बीस अरब डॉलर तक ले जाने की तैयारी में हैं। विशेष आर्थिक क्षेत्रों में तुर्किये को निवेश का निमंत्रण दिया गया है। वस्त्र, दवा निर्माण, जहाज निर्माण और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाया जा रहा है। ढाका में अंतरराष्ट्रीय स्तर का अस्पताल और नर्सिंग संस्थान स्थापित करने का प्रस्ताव भी दिया गया है। यह साफ दिखाता है कि तुर्किये केवल सैन्य साझेदारी नहीं, बल्कि दीर्घकालिक प्रभाव स्थापित करने की नीति पर काम कर रहा है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि तुर्किये दक्षिण एशिया में खुद को मुस्लिम दुनिया के प्रभावशाली संरक्षक के रूप में स्थापित करना चाहता है। रोहिंग्या मुद्दे पर उसकी सक्रियता, गाजा पर आक्रामक बयानबाजी और बांग्लादेश के साथ मानवीय सहयोग इसी रणनीति का हिस्सा है। लेकिन इसके पीछे छिपा बड़ा उद्देश्य क्षेत्रीय प्रभाव विस्तार और भारत की सामरिक चुनौती को बढ़ाना है।

नीरज कुमार दुबे

दक्षिण एशिया की बदलती भू राजनीतिक बिसात पर अब एक नया और बेहद खतरनाक समीकरण तेजी से उभर रहा है। भारत विरोधी रवैये के लिए लंबे समय से चर्चित तुर्किये अब केवल पाकिस्तान तक सीमित नहीं रहा, बल्कि उसने बांग्लादेश के साथ भी अपने रक्षा और सामरिक रिश्तों को तेजी से विस्तार देना शुरू कर दिया है। ढाका पहुंचे तुर्किये के विदेश मंत्री हाकान फिदान ने जिस तरह बांग्लादेश को दक्षिण एशिया की सुरक्षा संरचना का महत्वपूर्ण स्तंभ बताया, उसने नई दिल्ली की चिंता और गहरा दी है। इस बयान को भारत के चारों ओर रणनीतिक दबाव बनाने की सुनियोजित चाल के रूप में देखा जा रहा है। तुर्किये ने साफ संकेत दे दिया है कि वह दक्षिण एशिया में अपनी मौजूदगी केवल व्यापार या मानवीय सहायता तक सीमित नहीं रखना चाहता। ढाका में हुई उच्च स्तरीय वार्ता में रक्षा सहयोग, रक्षा उत्पादन, सामरिक साझेदारी और आर्थिक विस्तार पर जिस गंभीरता से चर्चा हुई, वह भारत के लिए साधारण घटना नहीं है। बांग्लादेश ने तुर्किये को रक्षा सामग्री निर्माण में निवेश का खुला न्योता दिया है। दोनों देशों ने पारंपरिक सहयोग से आगे बढ़कर रणनीतिक साझेदारी की दिशा में कदम बढ़ाने की बात कही है। यह वही तुर्किये है जिसने पाकिस्तान के साथ मिलकर वर्षों तक भारत विरोधी मोर्चेबंदी की, कश्मीर मुद्दे पर खुलकर इस्लामाबाद का साथ दिया और इस्लामी सहयोग संगठन के मंचों पर भारत के खिलाफ माहौल बनाने का प्रयास किया।

उधर, दिल्ली की सबसे बड़ी चिंता यह है कि तुर्किये अब भारत के पश्चिमी मोर्चे पर पाकिस्तान और पूर्वी मोर्चे पर बांग्लादेश के साथ समानांतर सामरिक रिश्ते बना रहा है। यह दो तरफा दबाव की रणनीति जैसी दिखाई देती है। पाकिस्तान पहले से ही तुर्किये के रक्षा उद्योग, ड्रोन तकनीक और सैन्य प्रशिक्षण का लाभ उठा रहा है। अब यदि वही ढांचा बांग्लादेश तक पहुंचता है, तो भारत के लिए सुरक्षा समीकरण और जटिल हो जाएंगे। खास तौर पर तब, जब बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन के बाद नई सरकार अपनी विदेश नीति को नए ढंग से गढ़ने की कोशिश कर रही है।

इसके अलावा, तुर्किये और बांग्लादेश के बीच केवल रक्षा सहयोग ही नहीं, बल्कि आर्थिक और संस्थागत साझेदारी भी तेजी से बढ़ रही है। दोनों देश व्यापार को तेरह अरब डॉलर से बढ़ाकर बीस अरब डॉलर तक ले जाने की तैयारी में हैं। विशेष आर्थिक क्षेत्रों में तुर्किये को निवेश का निमंत्रण दिया गया है। वस्त्र, दवा निर्माण, जहाज निर्माण और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाया जा रहा है। ढाका में अंतरराष्ट्रीय स्तर का अस्पताल और नर्सिंग संस्थान स्थापित करने का प्रस्ताव भी दिया गया है। यह साफ दिखाता है कि तुर्किये केवल सैन्य साझेदारी नहीं, बल्कि दीर्घकालिक प्रभाव स्थापित करने की नीति पर काम कर रहा है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि तुर्किये दक्षिण एशिया में खुद को मुस्लिम दुनिया के प्रभावशाली संरक्षक के रूप में स्थापित करना चाहता है। रोहिंग्या मुद्दे पर उसकी सक्रियता, गाजा पर आक्रामक बयानबाजी और बांग्लादेश के साथ मानवीय सहयोग इसी रणनीति का हिस्सा है। लेकिन इसके पीछे छिपा बड़ा उद्देश्य क्षेत्रीय प्रभाव विस्तार और भारत की सामरिक चुनौती को बढ़ाना है।

वैसे तो तुर्किये लगातार यह कह रहा है कि भारत को उसके पाकिस्तान से रिश्तों की वजह से उससे दूरी नहीं बनानी चाहिए। लेकिन असली सवाल भरोसे का है। राष्ट्रपति एर्दोआन कई बार खुलकर कश्मीर पर पाकिस्तान के समर्थन में बयान दे चुके हैं। तुर्किये ने पाकिस्तान के साथ अपने रक्षा रिश्ते भी काफी मजबूत कर लिए हैं। इतना ही नहीं, पिछले साल भारत और

पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष के दौरान तुर्किये ने पाकिस्तान को रक्षा उपकरण और ड्रोन तक मुहैया कराए थे। भारत ने पाकिस्तान की तरफ से आए जिन कई ड्रोनों को मार गिराया था, उनमें तुर्किये में बने ड्रोन भी शामिल थे। ऐसे में तुर्किये का भारत से दोस्ती और संतुलन की बात करना नई दिल्ली को एक सोची समझी रणनीतिक चाल जैसा लगता है। यही वजह है कि भारत भी अब तुर्किये को उसी की भाषा में जवाब दे रहा है।

दरअसल, भारत ने हाल के वर्षों में साइप्रस और आर्मेनिया के साथ अपने रक्षा संबंधों को तेजी से मजबूत किया है। आर्मेनिया अब भारतीय हथियारों का बड़ा खरीदार बन चुका है। साइप्रस के साथ भी भारत रणनीतिक और रक्षा सहयोग बढ़ा रहा है। यह सीधे-सीधे तुर्किये को संदेश है कि यदि अंकारा भारत के पड़ोस में दखल बढ़ाएगा, तो नई दिल्ली भी तुर्किये के सामरिक क्षेत्र में जवाबी दबाव बनाएगी। जिस तरह तुर्किये पाकिस्तान और अब बांग्लादेश के जरिए भारत को घेरने की कोशिश कर रहा है, उसी तरह भारत भी तुर्किये के विरोधी या प्रतिस्पर्धी देशों के साथ संबंध मजबूत कर रहा है। यह नई शीत प्रतिद्वंद्विता का संकेत है।

उधर, बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान की विदेश नीति भी इस समय भारत के लिए गहरी चिंता का विषय बनती जा रही है। भारत की ओर से सबसे पहले आधिकारिक यात्रा का निमंत्रण मिलने के बावजूद रहमान ने पहले मलेशिया और फिर चीन जाने का फैसला किया। ढाका ने साफ तौर पर यह संदेश देने की कोशिश की कि वह अब केवल भारत पर निर्भर रहने वाली नीति से आगे बढ़ना चाहता है। खास बात यह है कि चीन यात्रा के दौरान तीस्ता परियोजना समेत कई बड़े रणनीतिक मुद्दों पर बातचीत की संभावना जताई जा रही है। साथ ही तारिक रहमान की मलेशिया यात्रा को केवल एक सामान्य विदेश दौरे के तौर पर नहीं देखा जा रहा है। इसके पीछे साफ रणनीतिक सोच दिखाई दे रही है। बांग्लादेश नहीं चाहता था कि नई सरकार की पहली विदेश यात्रा सीधे भारत या चीन में से किसी एक देश की तरफ झुकाव का संकेत दे। यही वजह है कि ढाका ने मलेशिया को पहले पड़ाव के तौर पर चुना, ताकि वह खुद को तटस्थ दिखा सके और भारत, चीन प्रतिस्पर्धा से दूरी बनाने का संदेश दे सके। लेकिन इसके राजनीतिक और सामरिक मायने काफी बड़े हैं। मलेशिया यात्रा के बाद चीन जाने की तैयारी यह संकेत देती है कि बांग्लादेश अब अपनी विदेश नीति को नए संतुलन के साथ आगे बढ़ाना चाहता है। इससे भारत की चिंता इसलिए बढ़ रही है क्योंकि ढाका अब एक साथ चीन, तुर्किये, पाकिस्तान और अन्य इस्लामी देशों के साथ अपने रिश्ते मजबूत करने की दिशा में बढ़ता दिख रहा है। यह आने वाले समय में भारत के लिए कूटनीतिक और रणनीतिक चुनौती को और कठिन बना सकता है।

देखा जाये तो भारत के लिए यह समय बेहद सतर्क रहने का है। पाकिस्तान के साथ तुर्किये की साझेदारी पहले ही चिंता का कारण थी, लेकिन अब यदि बांग्लादेश भी उसी धुरी का हिस्सा बनने लगता है, तो यह भारत की पूर्वी सुरक्षा संरचना के लिए गंभीर चुनौती बन सकता है।

हालांकि भारत को कम करके आंकना ढाका, इस्लामाबाद और अंकारा तीनों की सबसे बड़ी भूल साबित हो सकती है। भले ही बांग्लादेश चीन, पाकिस्तान और तुर्किये के साथ मिलकर नए समीकरण बनाने की कोशिश करे, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कूटनीति बेहद दूरदर्शी और बहुस्तरीय मानी जाती है। कभी कभार ऐसा लग सकता है कि भारत चुप बैठा है, लेकिन इतिहास गवाह है कि सही समय आने पर प्रधानमंत्री मोदी का जवाब बेहद सटीक और ताकतवर होता है। कूटनीति का जवाब कूटनीति से और रणनीतिक चालों का जवाब उससे भी बड़ी चाल से देना ही मोदी की कार्यशैली रही है। यही वजह है कि आज भारत केवल अपने विरोधियों की गतिविधियों पर नजर नहीं रख रहा, बल्कि उनके हर कदम का जवाब देने के लिए समानांतर रणनीतिक मोर्चे भी तैयार कर रहा है।

सुविधाओं के शोर में खोती जा रही मानवीय सहजता

> समाज केवल सड़कों, इमारतों और योजनाओं से नहीं बनता। वह छोटे-छोटे मानवीय व्यवहारों से बनता है। किसी थके हुए आदमी को पानी पूछ लेना, पड़ोसी की अनुपस्थिति में उसके घर का ध्यान रख लेना, रिक्शेवाले से सम्मान से बात करना, बच्चों की बात धैर्य से सुन लेना- ये मामूली लगने वाले व्यवहार ही समाज को रहने योग्य बनाते हैं। आज जब दुनिया तेजी से आगे बढ़ रही है, तब सबसे अधिक आवश्यकता संवेदनशील बने रहने की है। आधुनिक होना बुरा नहीं है, लेकिन इतना आधुनिक हो जाना खतरनाक है कि हमें किसी की आंखों की उदासी दिखाई देना बंद हो जाए।

पवन शर्मा

शहर धीरे-धीरे बदलते हैं, लेकिन उनके बदलने की आवाज बहुत कम लोगों को सुनाई देती है। यह आवाज किसी मशीन की तरह तेज नहीं होती, बल्कि किसी पुराने दरवाजे के धीरे-धीरे बंद होने जैसी होती है। पहले मोहल्लों में दरवाजे खुले रहते थे। लोग बिना सूचना के एक-दूसरे के घर चले जाते थे। चाय चढ़ जाती थी, बातें शुरू हो जाती थीं और समय बिना हिसाब के बीत जाता था। अब दरवाजे पहले से अधिक मजबूत हो गए हैं, घंटियां पहले से अधिक आधुनिक हो गई हैं, लेकिन दस्तकें कम हो गई हैं।

हम अपने पुराने मोहल्ले से गुजर कर देखें। वही गलियां होंगी, वही पेड़, वही मोड़, लेकिन उनमें वह आत्मीयता नहीं होगी, जो कभी उन जगहों की असली पहचान हुआ करती थी। बच्चे गली में क्रिकेट खेलते थे, महिलाएं एक-दूसरे के घरों से कटोरी में चीनी या चायपत्ती मांग लाती थीं और बुजुर्ग सड़क किनारे बैठकर मौसम और राजनीति पर चर्चा करते रहते थे। अब वहां ऊंची दीवारें हैं और हर दरवाजे पर कैमरा लगे हैं। हमारे समय की सबसे बड़ी विडंबना यही है कि सुविधाएं बढ़ी हैं, लेकिन सहजता घट गई है। मोबाइल फोन ने संवाद को आसान बनाया, लेकिन बातचीत को छोटा कर दिया। अब हालचाल पूछना भी एक औपचारिक क्रिया बनता जा रहा है। किसी की आवाज सुनने की जगह लोग नीले टिक देखकर संतोष कर लेते हैं। रिश्ते अब शब्दों से कम और संकेतों से ज्यादा चलने लगे हैं।

आखिर ऐसा क्या बदल गया कि लोगों ने एक-दूसरे के जीवन में धीरे-धीरे आना बंद कर दिया। शायद हम सब अपने-अपने संघर्षों में इतने व्यस्त हो गए कि दूसरों की थकान देखना भूल गए। पहले दुख साझा होते थे। किसी घर में बीमारी होती तो पूरा मोहल्ला उसके साथ खड़ा दिखाई देता। अब लोग संवेदनाएं भी संदेशों में भेजने लगे हैं। शब्द बचे दिखते हैं, लेकिन उनका ताप कम हो गया है। कुछ समय पहले रेलवे स्टेशन पर एक वृद्ध व्यक्ति हाथ में पुराना बैग थामे थे। उनकी आंखों में बेचैनी थी। वे बार-बार टिकट को जेब से निकालकर देखते और फिर प्लेटफार्म की ओर देखने लगते। शायद किसी का इंतजार कर रहे थे। उनके पास बैठा एक लड़का मोबाइल पर वीडियो देख रहा था। आसपास सैकड़ों लोग थे, लेकिन उस बूढ़े आदमी की घबराहट किसी की नजर में नहीं आ रही थी। थोड़ी देर बाद पूछने के बाद मुस्करा कर उन्होंने कहा कि बेटा आने वाला था, शायद ट्रैफिक जाम में फंस गया होगा। उनकी आवाज में शिकायत कम, भरोसा ज्यादा था। यानी दुनिया अभी पूरी तरह कठोर नहीं हुई है। उम्मीद

अब भी लोगों के भीतर बची हुई है। बूढ़े पिता अब भी बेटों का इंतजार करते हैं, मांएं अब भी बच्चों के लौटने तक जागती रहती हैं और कुछ लोग अब भी किसी अनजान आदमी से रास्ता पूछने भर से सहज हो जाते हैं।

समाज केवल सड़कों, इमारतों और योजनाओं से नहीं बनता। वह छोटे-छोटे मानवीय व्यवहारों से बनता है। किसी थके हुए आदमी को पानी पूछ लेना, पड़ोसी की अनुपस्थिति में उसके घर का ध्यान रख लेना, रिक्शेवाले से सम्मान से बात करना, बच्चों की बात धैर्य से सुन लेना- ये मामूली लगने वाले व्यवहार ही समाज को रहने योग्य बनाते हैं। आज जब दुनिया तेजी से आगे बढ़ रही है, तब सबसे अधिक आवश्यकता संवेदनशील बने रहने की है। आधुनिक होना बुरा नहीं है, लेकिन इतना आधुनिक हो जाना खतरनाक है कि हमें किसी की आंखों की उदासी दिखाई देना बंद हो जाए। मनुष्य की सबसे बड़ी पहचान उसकी करुणा है। यदि वही कम होने लगे तो विकास अधूरा रह जाएगा। शायद यही कारण है कि आज संवेदनशीलता केवल एक नैतिक गुण नहीं, बल्कि सामाजिक आवश्यकता बन गई है। हम ऐसे समय में जी रहे हैं, जहां सूचनाएं पहले से कहीं अधिक तेजी से पहुंचती हैं, लेकिन भावनाएं उतनी ही धीमी होती जा रही हैं। किसी दुर्घटना, किसी पीड़ा या किसी संघर्ष की खबर कुछ ही क्षणों में हमारे मोबाइल तक पहुंच जाती है, पर कई बार वह हमारे मन तक नहीं पहुंच पाती। हम देख लेते हैं, जान लेते हैं, लेकिन महसूस करने की क्षमता धीरे-धीरे कम होती जाती है। यह स्थिति इसलिए भी चिंताजनक है कि मनुष्य का वास्तविक विकास केवल तकनीकी उपलब्धियों से नहीं मापा जा सकता। उसका आकलन इस बात से भी होना चाहिए कि वह अपने आसपास के लोगों के प्रति कितना सजग और सहृदय है।

जीवन की भागदौड़ में अगर हम किसी अजनबी की परेशानी देखकर दो पल ठहर सकें, किसी उदास चेहरे पर मुस्कान लौटाने का प्रयास कर सकें या किसी अकेले व्यक्ति को यह एहसास दिला सकें कि वह अकेला नहीं है, तो शायद समाज थोड़ा और बेहतर बन सके। करुणा और सहानुभूति ऐसी पूंजी हैं, जो बांटने से घटती नहीं, बल्कि बढ़ती हैं। यही वे मूल्य हैं जो परिवारों को जोड़े रखते हैं, पड़ोस को जीवंत बनाते हैं और समाज को मानवीय बनाए रखते हैं। आखिरकार भविष्य की सबसे बड़ी चुनौती मशीनों को अधिक बुद्धिमान बनाना नहीं, बल्कि मनुष्यों को पर्याप्त मानवीय बनाए रखना है। अगर हम यह संतुलन बचा सके, तो आधुनिकता और मनुष्यता साथ-साथ चल सकेंगी। कभी-कभी लगता है कि हमें फिर से दस्तक देना सीखना होगा- दूसरों के दरवाजों पर, और उनके मन पर भी, क्योंकि दुनिया आखिरकार तकनीक से नहीं, मनुष्यता से बची रहेगी।

सिराजः टी-20 सीरीज से बाहर

● आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ हुआ था चयन ● BCCI ने प्रसिद्ध कृष्णा को शामिल किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को आगामी आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज से बाहर कर दिया गया है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने बताया कि सिराज को वर्कलोड मैनेजमेंट के तहत आराम दिया गया है। उनकी जगह तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा को दोनों टी-20 सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है। बीसीसीआई सचिव देवाजीत सैकिया की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि यह फैसला टीम मैनेजमेंट और मेडिकल टीम के साथ चर्चा के बाद लिया गया है। मोहम्मद सिराज को लंबे अंतरराष्ट्रीय सीजन को ध्यान में रखते हुए पर्याप्त रिकवरी का समय देने के लिए आराम दिया गया है। बीसीसीआई ने इसे एहतियाती कदम बताया है ताकि वह आने वाले मुकाबलों के लिए पूरी तरह फिट रह सकें। मोहम्मद सिराज पिछले कुछ समय से भारतीय टीम के अहम तेज गेंदबाजों में शामिल रहे हैं। उन्होंने अपनी रफ्तार, स्विंग और आक्रामक गेंदबाजी से टीम के लिए कई महत्वपूर्ण मुकाबलों में योगदान दिया है। हालांकि, लगातार क्रिकेट खेलने के कारण खिलाड़ियों के वर्कलोड को मैनेज करना टीम मैनेजमेंट की प्राथमिकता बनी हुई है। मोहम्मद सिराज की जगह टीम में शामिल किए गए प्रसिद्ध कृष्णा लंबे समय से भारतीय टीम के साथ जुड़े रहे हैं। उनकी तेज गेंदबाजी और उछाल भरी पिचों पर प्रभावी प्रदर्शन करने की क्षमता को देखते हुए चयनकर्ताओं ने उन्हें मौका दिया है। आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी-20सीरीज के लिए भारतीय टीम में कई युवा खिलाड़ियों को भी जगह दी गई है। टीम की कमान श्रेयस अय्यर को सौंपी गई है, जबकि तिलक वर्मा को उपकप्तान बनाया गया है। टीम में अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन, इशान किशन, शिवम दुबे, नितीश कुमार रेड्डी जैसे खिलाड़ियों को भी शामिल किया गया है।

गेंदबाजी विभाग में अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई और अब प्रसिद्ध कृष्णा टीम का हिस्सा होंगे। भारतीय टीम का लक्ष्य युवा खिलाड़ियों को मौका देने के साथ-साथ आगामी बड़े अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों के लिए मजबूत संयोजन तैयार करना होगा।

आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ T20-सीरीज के लिए भारतीय टीम

श्रेयस अय्यर (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), इशान किशन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, तिलक वर्मा (उप कप्तान), नितीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, प्रिंस यादव, वैभव सूर्यवंशी, प्रसिद्ध कृष्णा।

पंड्या की वापसी का रास्ता साफ

BCCI की मंजूरी के बाद अफगानिस्तान सीरीज में खेलना तय

नई दिल्ली। टीम इंडिया और उसके फैंस के लिए बड़ी खुशखबरी सामने आई है। स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या पूरी तरह फिट हो गए हैं और उन्हें BCCI के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्पोर्ट्स साइंस टीम ने आगामी अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की ODI सीरीज में खेलने के लिए मंजूरी दे दी है। चोट के कारण इंडियन प्रीमियर लीग में कुछ मुकाबलों से बाहर रहने के बाद हार्दिक पंड्या ने फिटनेस हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत की और अब वह 50 ओवर के क्रिकेट की चुनौती के लिए तैयार हैं। 32 साल के हार्दिक पंड्या की आईपीएल में पीठ में ऐंठन (back spasms) के कारण मुंबई इंडियंस के लिए कई मैच नहीं खेल पाए थे। वह दो जून 2026 से बेंगलुरु में ष्टश्वश्व में हैं। समाचार एजेंसी पीटीआई ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के सूत्र के हवाले से लिखा, CoE में आने से पहले हार्दिक विदेश में छुट्टियां मना रहे थे। अगले पांच दिनों में उन्होंने कई मैच सिमुलेशन किए और 10 ओवर (पूरा कोटा) गेंदबाजी भी की। सूत्र ने बताया, हार्दिक पंड्या को कोई परेशानी नहीं हुई और जानकारी के मुताबिक सीओई में स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग कोच ने अलग-अलग पैमानों पर उनके फिटनेस डेटा को मंजूरी दे दी है।

सोमवार आठ जून 2026 को भारत की पुरुष क्रिकेट टीम के सहायक कोच सितांशु कोटक ने कहा था कि भले ही उनके पास हार्दिक पंड्या की फिटनेस के बारे में कोई ताजा जानकारी नहीं है, लेकिन उन्हें लगता है कि यह ऑलराउंडर ठीक है।

खतरे में स्टोक्स की कप्तानी

● न्यूजीलैंड के खिलाफ जीत के बाद नाइट क्लब में बवाल

एटकिंसन भी थे साथ

नई दिल्ली। इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान के तौर पर बेन स्टोक्स का भविष्य संकट में है। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) सोमवार सुबह एक नाइट क्लब में हुई घटना की जांच कर रहा है। स्टोक्स के साथ गस एटकिंसन भी थे। वह भी जांच की घेरे में हैं। ईसीबी ने इस घटना को 'टीम प्रोटोकॉल का उल्लंघन' बताया है, जो लॉर्ड्स में पहले टेस्ट में न्यूजीलैंड के खिलाफ इंग्लैंड की 115 रन की जीत के बाद हुई। ईएसपीएनक्रिकइंफो को पता चला है कि मामला इतना गंभीर है कि स्टोक्स की कप्तान जा सकती है। ईसीबी ने सोमवार शाम को कहा कि इस घटना को क्रिकेट नियामक को भेज दिया गया है और जांच के कारण स्टोक्स और एटकिंसन 17 जून को द ओवल में शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट से बाहर हो सकते हैं। इस घटना में किसी भी खिलाड़ी को चोट नहीं आई। माना जा रहा है कि इस घटना में सारासेन्स रग्बी क्लब के खिलाड़ी शामिल थे, जो अपने सीजन के आखिर के जश्न में मौजूद थे।

ईसीबी का बयान

घटना एटकिंसन और एक अनजान एकेडमी के खिलाड़ी के बीच हुए झगड़े की वजह से हुई। ईसीबी ने बयान में कहा, 'ईसीबी अभी न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के खत्म होने के बाद टीम प्रोटोकॉल के उल्लंघन की जांच कर रहा है। बेन स्टोक्स और गस एटकिंसन सोमवार सुबह एक नाइट क्लब में मौजूद थे, जब यह घटना हुई। हम अभी और जानकारी ढूंढ रहे हैं और दूसरे टेस्ट के लिए टीम के बारे में सही समय पर घोषणा की जाएगी। क्रिकेट नियामक को बता दिया गया है और जब भी मुमकिन होगा हम आगे जानकारी देंगे।'

अर्जुन तेंदुलकर का ऑलराउंड प्रदर्शन

3 विकेट झटके, 194 के स्ट्राइक रेट से ठोके 66 रन, अंधेरी जीता

नई दिल्ली। दिग्गज सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर ने बल्ले और गेंद दोनों से कमाल का प्रदर्शन किया। उन्होंने आर्क्स अंधेरी को सोमवार (8 जून) को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में टी20 मुंबई लीग 2026 में बांद्रा ब्लास्टर्स को 9 विकेट से शानदार जीत दिलाई। अर्जुन ने पहले तीन ओवर में 11 रन देकर 3 विकेट लिए,जिसमें एक मेडन भी शामिल था। इससे बांद्रा ब्लास्टर्स 9 विकेट पर 144 रन बना सका।

फिर अर्जुन ने लक्ष्य का पीछा करते हुए नाबाद अर्धशतक जड़ा। उन्होंने 194 के स्ट्राइक रेट से रन ठोके। 145 रन का पीछा करते हुए आर्क्स अंधेरी ने दिव्यांश सकसेना (26) का तेज शुरुआत के बाद विकेट जल्दी खो दिया, लेकिन अर्जुन और मुशीर खान ने इसके बाद विकेट नहीं गिरने दिया। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए नाबाद 116 रन की साझेदारी की, जिसमें अर्जुन ने 34 गेंदों पर नाबाद 66 रन और मुशीर ने 38 गेंदों पर नाबाद 54 रन बनाए।

अर्जुन और मुशीर के बीच 68 गेंद पर 116 रनों की साझेदारी

अर्जुन और मुशीर के बीच 68 गेंद पर 116 रनों की साझेदारी हुई। इससे आर्क्स अंधेरी ने 9 विकेट और 37 गेंद बाकी रहते लक्ष्य हासिल कर लिया और एक बड़ी जीत हासिल की। अर्जुन ने अपनी पारी में 4 चौके और 5 छक्के लगाए। मुशीर ने 7 चौके और एक छक्का लगाया। आर्क्स अंधेरी अंक तालिका में दूसरे नंबर पर है। उसने 4 में से 3 मैच में जीत दर्ज की है। नॉर्थ मुंबई पैंथर्स ने 4 मैच में 4 जीत के साथ अंतिम-4 में जगह सुनिश्चित कर ली है।

सूर्यकुमार फिर गरजे, 200 के स्ट्राइक रेट से ठोके 72 रन

ट्रायम्फ्स नाइट्स एमएनई के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने सोमवार (9 जून) को एमएससी मराठा रॉयल्स के खिलाफ 36 गेंद पर 13 चौके और 1 छक्के की मदद से नाबाद 72 रन बनाए।

20 साल में पहली बार हुए ऐतिहासिक चुनाव में दर्ज की जीत

2030 तक रियल मैड्रिड के प्रेसिडेंट बने रहेंगे पेरेज

मैड्रिड। फ्लोरेंटिनो पेरेज 2030 तक रियल मैड्रिड के प्रेसिडेंट बने रहेंगे। दो दशकों में पहली बार हुए चुनाव में पेरेज ने शानदार जीत हासिल करते हुए अपनी कुर्सी बचाए रखी है। क्लब के इलेक्टोरल बोर्ड द्वारा सोमवार सुबह जारी आधिकारिक डेटा के मुताबिक, 79 साल के पेरेज ने कुल गिने गए वोटों में से 65 प्रतिशत वोट हासिल करके शानदार जीत हासिल की। पेरेज की उम्मीदवारी को क्लब के मेंबर-ओनर्स (सोसियोस) से 21,741 वोट मिले। पेरेज के चैलेंजर, 37 साल के रिन्यूएबल एनर्जी एंटरप्रेन्योर एनरिक रिक्वेल्मे को 11,814 वोट मिले, जो वोटर्स का 35 प्रतिशत है।

रियल मैड्रिड के इलेक्टोरल बोर्ड ने घोषणा करते हुए बताया कि 100 प्रतिशत इन-पर्सन और मेल-इन वोटों की गिनती के साथ, मिस्टर फ्लोरेंटिनो पेरेज की टीम ने रियल मैड्रिड के प्रेसिडेंट और बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स के चुनाव जीत लिए हैं। पेरेज को 21,741 वोट मिले, जो कुल वोटों का 65 प्रतिशत है। वहीं, एनरिक रिक्वेल्मे की टीम को 11,814 वोट मिले, जो 35 प्रतिशत वोटों के बराबर हैं।

रविवार को रियल मैड्रिड सिटी बास्केटबॉल पवेलियन में इन-पर्सन और मेल-इन बैलेट के जरिए कुल 33,555 सदस्यों ने वोटिंग की।

दोबारा से प्रेसिडेंट चुने जाने के बाद पेरेज ने अपने भाषण में कहा, 'हम चुनाव जीत गए हैं और खिताब जीतते रहने के लिए काम करते रहेंगे। हम सभी पोलिंग स्टेशन पर जीते हैं और रियल मैड्रिड के चुनावों के इतिहास में दूसरा सबसे अच्छा नतीजा हासिल किया है। यह एक बहुत बढ़िया नतीजा है। 'फ्लोरेंटिनो पेरेज की जीत के बाद अब रियल मैड्रिड में बड़े बदलाव की तैयारी है। उनकी जीत का मतलब है कि सोमवार को जोस मोरिन्हो को क्लब का नया मैनेजर आधिकारिक रूप से घोषित किया जा सकता है। रिपोर्ट्स के अनुसार, मोरिन्हो को टीम से जोड़ने के लिए रियल मैड्रिड पुर्तगाली क्लब बेनफिका को 1.5 करोड़ यूरो (15 मिलियन यूरो) की रिलीज फीस का भुगतान करेगा। अपने चुनाव अभियान के दौरान, पेरेज ने मोरिन्हो को वापस लाने का वादा किया था, जिनके रियल मैड्रिड में तीन वर्षों में क्लब ने एक ला लीगा टाइटल, एक कोपा डेल रे और एक स्पैनिश सुपर कप जीता।

नेमार इंजरी से रिकवर कर रहे हैं: सीबीएफ

न्यू जर्सी। ब्राजील के स्टार फॉरवर्ड नेमार की इंजरी फीफा विश्व कप 2026 से पहले टीम के लिए सबसे बड़ी चिंता है। हालांकि, ब्राजीलियन फुटबॉल कन्फेडरेशन (सीबीएफ) ने कहा है कि नेमार इंजरी से रिकवरी की पूरी कोशिश कर रहे हैं और इसका परिणाम भी दिख रहा है। सीबीएफ ने नेमार के बारे में अपडेट देते हुए बताया कि स्टार फॉरवर्ड के दाहिने पैर में ग्रेड टू पिंडली की चोट से उनकी रिकवरी का पता लगाने के लिए एमआरआई स्कैन किया गया। 34 साल के नेमार की रिकवरी उम्मीद

के मुताबिक है। वह एक खास योजना के तहत इलाज लेते रहेंगे। शिन्हुआ की रिपोर्ट के मुताबिक, 'सीबीएफ ने यह नहीं बताया कि वह खेलने के लिए कब तक उपलब्ध होंगे। 'स्थानीय मीडिया के मुताबिक वह कम से कम दूसरे ग्रुप मैच तक उपलब्ध नहीं रहेंगे।

नेमार, ब्राजील के लिए सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने 128 इंटरनेशनल मैचों में 79 गोल किए हैं। इंजरी की वजह से अक्टूबर 2023 के बाद से वह राष्ट्रीय टीम के लिए नहीं खेले हैं। हाल में उन्हें अपने क्लब सैंटोस के लिए खेलते हुए मई इंजरी हुई थी। स्टार खिलाड़ी की पिंडली में चोट लगी थी। ब्राजील अपने वर्ल्ड कप कैंपेन की शुरुआत शनिवार को मोरक्को के खिलाफ करेगा। इसके बाद उसका सामना हैती और स्कॉटलैंड से होगा। नेमार शुरुआती दो मैचों से बाहर रह सकते हैं। ब्राजील अगले साल रिकॉर्ड 23वीं बार फीफा वर्ल्ड कप में हिस्सा लेगा। ब्राजील एकमात्र ऐसी टीम है जिसने विश्व कप के हर एडिशन में हिस्सा लिया है।

FIFA World Cup

22 संस्करण में केवल 6 मेजबानों ने जीते हैं फुटबॉल वर्ल्ड कप

नई दिल्ली (एजेंसी)। फीफा वर्ल्ड कप वर्ल्ड कप का पहली बार आयोजन 1930 में हुआ था और अब तक के 22 संस्करण हुए हैं और सिर्फ छह देशों ने अपनी मेजबानी में यह खिताब जीता है। इसमें मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना भी शामिल है। अपनी मेजबानी में पहली बार फीफा वर्ल्ड कप उरुग्वे ने जीता था।

उसने फाइनल में अर्जेंटीना को हराकर 1930 का वर्ल्ड कप जीता था।1934 में अगले वर्ल्ड कप में भी मेजबान ने ही खिताब जीता। इटली ने जीत दर्ज की थी। इसे आज भी इतिहास का टूर्नामेंट का सबसे भ्रष्ट संस्करण माना जाता है। उस समय के इतालवी प्रधानमंत्री बेनिटो मुसोलिनी ने इसमें खुलकर दखल दिया था। इसके बाद1966 तक किसी मेजबान देश ने वर्ल्ड कप नहीं जीता। 1966 इंग्लैंड ने अपनी मेजबनी में आज तक अपना एकमात्र खिताब जीता। 1970 के दशक में दो मेजबान देशों ने अपनी सरजमीं पर टूर्नामेंट जीता।

चार दशक का सूखा अब खत्म हो सकता है- 1974 में पश्चिम जर्मनी और 1978 में अर्जेंटीना ने खिताब जीता। 1998 में फ्रांस अपने देश में वर्ल्ड कप जीतने वाला आखिरी देश बना। लगभग चार दशक का सूखा अब खत्म हो सकता है। 2026 और 2030 के वर्ल्ड कप को 9 देश मिलकर मेजबानी करेंगे। ऐसे में मेजबान देश के टूर्नामेंट जीतने की संभावना बढ़ सकती है। हालांकि, एक बात का ध्यान रखना होगा कि कोई देश अब सह-मेजबान के तौर पर टूर्नामेंट जीत सकता है।

अपनी मेजबानी में फुटबॉल विश्व कप जीतने वाले देश

- **उरुग्वे (1930):** मोंटेवीडियो के एस्टाडियो सेंटेनारियो में फाइनल में अर्जेंटीना को हराकर पहला विश्व कप जीता।
- **इटली (1934):** रोम में चेकोस्लोवाकिया को हराकर अपना पहला खिताब जीता।
- **इंग्लैंड (1966):** वेम्बली स्टेडियम में फाइनल में पश्चिम जर्मनी को हराने के बाद आज तक का अपना एकमात्र विश्व कप जीता।
- **पश्चिम जर्मनी (1974):** म्यूनिख फाइनल में नीदरलैंड को हराकर अपना दूसरा खिताब हासिल किया।
- **अर्जेंटीना (1978):** ब्यूनस आयर्स के एस्टाडियो मोन्यूमेंटल में एक्सट्रा टाइम में नीदरलैंड को हराकर अपना पहला विश्व कप जीता।
- **फ्रांस (1998):** सेंट-डेनिस में स्टेड डी फ्रांस में फाइनल में ब्राजील को हराकर खिताब जीती।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अन्नपूर्णा गुप्ता द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस प्लांट नं. 535 एवं 1272, लालगुटवा रातू पुलिस स्टेशन रांची में मुद्रित तथा विजय जनरल स्टोर, हिनू चौक रांची-834002 से प्रकाशित समस्त दिवानी विवाद न्यायोचित एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकारी रांची न्यायालय में रहेगा। पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार। **प्रधान संपादक**-अन्नपूर्णा गुप्ता, कार्यालय नं.0651-2253830,मो.9471717919, 7895244551 ईमेलः alagpahchan@gmail.com, www.alagpahchan.com पोस्टल रजिस्ट्रेशन 2013 JHAHINO0575 RNI No.JHAHIN(2013) 66670